THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 23 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.8 2083 शुक्रवार, 24 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तस्करी पर रोक, आम लोगों को राहत'

नेपाल के '100 रुपये वाले' नियम पर आया भारत का जवाब

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप भारत से नेपाल जा रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। खबर यह है कि अगर आप अपने साथ 100 नेपाली रुपए यानी 62 भारतीय रुपये से अधिक का सामान कैरी कर रहे हैं तो आपको नेपाली कस्टम ड्यूटी भरनी पड़ेगी, वरना भारत-नेपाल बॉर्डर पर तैनात नेपाली आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) के जवान आपका सामान निकाल लेंगे। इसमें भले ही आप अपने साथ केले, सेब, आटा-दाल-चावल, तेल या कोल्ड ड्रिंक समेत कुछ भी फल-सब्जी के अलावा अन्य सामान ले जा रहे हो। >14

'झालमुड़ी मैंने खाई लेकिन मिर्ची टीएमसी को लगी'

चार मई को सभी को बांटी जाएगी झालमुड़ी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बंगाल में एक चुनावी रैली के दौरान घोषणा की कि 4 मई को चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव परिणाम घोषित होने पर मिठाइयां और साथ ही झालमुड़ी बांटी जाएगी। पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में पीएम मोदी ने कहा, कुछ दिनों पहले, केरलम, असम और पुडुचेरी में भी मतदान संपन्न हुआ है। वहां पर भी रिकॉर्ड मतदान हुआ है। पहले भी हमने देखा है देश में जहां-जहां भी रिकॉर्ड मतदान हुआ है, वहां पर बीजेपी को प्रचंड विजय मिली है। चार मई को बंगाल में भी बीजेपी की विजय का जश्न होगा। मिठाई भी बंटेगी और झालमुड़ी भी बांटी जाएगी। वैसे मैंने सुना है कि झालमुड़ी ने भी कुछ लोगों ने झन्नाटेदार झटका दिया है। झालमुंड़ी मैंने खाई, लेकिन झाल टीएमसी को लगी है।

> मैं कह सकता हूं कि पिछले 50 वर्षों में यह पहला ऐसा चुनाव है जिसमें हिंसा सबसे कम हुई। यहां अराजकता और गुंडागर्दी का राज था। चुनाव आयोग ने एक बार फिर बंगाल की धरती पर लोकतंत्र की गरिमा स्थापित की है।
>
> *नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री*

टीएमसी ने बंगाल की महिलाओं का हक छीन लिया- पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने टीएमसी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, टीएमसी और इन सारे दलों का महिला विरोधी चेहरा एक बार फिर खुलकर सामने आ गया। अभी कुछ दिन पहले संसद में जो कुछ हुआ, वो आप सबने देखा है। भाजपा सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव लेकर संसद में आई थी, लेकिन टीएमसी ने इसके खिलाफ वोटिंग की, टीएमसी ने बंगाल की महिलाओं का हक छीन लिया।

टीएमसी गुंडों को संरक्षण दे रही है-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे बदलाव की एक लहर महिलाओं के नेतृत्व में नजर आ रही है, क्योंकि इस असंवेदनशील सरकार की सबसे बड़ी शिकार महिलाएं ही हैं। आरजी कार और संदेशखाली जैसी घटनाएं दिखाती हैं कि टीएमसी बलात्कारियों और गुंडों को संरक्षण दे रही है। हमारी माताओं और बेटियों को जिस तरह से परेशान किया गया है, वह महिलाएं कभी नहीं भूलेंगी।

पीएम मोदी ने कहा, अब और तानाशाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वे पिछले 15 वर्षों से कुप्रथा करते आ रहे हैं, लेकिन अब और नहीं। बंगाल ने तीन दशकों तक वामपंथियों के कुशासन को सहा, और फिर टीएमसी को तीन मौके दिए। अब केंद्र में भाजपा के 11 वर्षों के शासन की तुलना पश्चिम बंगाल में टीएमसी के 15 वर्षों के शासन से करें।

हमने पीएम आवास योजना, जन धन खाते, लखपति दीदी, आयुष्मान कार्ड और पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं लागू कीं। सूची लंबी है, और अगर हम एक दिन तक गिनते रहें, तो भी कई योजनाएं छूट जाएंगी। लेकिन टीएमसी ने सिर्फ झूठे वादे किए हैं।

वाहन खाई में गिरा

अंतिम संस्कार के लौट रहे आठ लोगों की मौके पर मौत

टिहरी, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। चंबा-कोटीकॉलोनी मार्ग पर नैल के समीप एक वाहन खाई में गिर गया। वाहन में आठ लोग सवार थे। इस दौरान आठों की मौके पर मौत हो गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं, दो लोग अभी घायल हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार सभी लोग घनसाली के चांजी, ठेला और चकरेडा गांव के थे, जो किसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने हरिद्वार गए थे और वापस आ रहे थे।

पांच साल बाद चीन के पर्यटकों को वीजा जारी करेगा भारत

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। करीब पांच साल पहले गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद इन सेवाओं को बंद कर दिया गया था। अब दोनों देशों के बीच रिश्तों में जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है। यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों में धीरे-धीरे आ रही नरमी के बीच उठाया गया है। हाल ही में भारत और चीन ने सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसके साथ ही लंबे समय से रुकी हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा को भी दोबारा बहाल कर दिया गया है। नए वीजा नियम मुख्य चीन, हांगकांग और मकाऊ से आने वाले यात्रियों पर लागू होंगे। सरकार का यह फैसला पर्यटन, व्यापार और लोगों के बीच आपसी मेलजोल को फिर से बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है।

बंगाल में वोटिंग का नया रिकॉर्ड पहले फेज में 91% मतदान

- ✻ ममता बोलीं-एसआईआर के विरोध में बंपर वोटिंग
- ✻ तमिलनाडु के इतिहास में सबसे ज्यादा 84% वोट पड़े

कोलकाता/चेन्नई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 91.35% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पररिकॉर्ड 84.29% वोटिंग हुई। दोनों राज्यों के इतिहास में पहली बार सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। चुनाव आयोग के आंकड़े शाम 5 बजे तक हैं। इनमें बदलाव हो सकता है। ममता ने वोटिंग के बाद कहा-बंगाल की जनता ने एसआईआर के खिलाफ बंपर वोटिंग की है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि टीएमसी का सूरज ढल चुका है। इससे पहले असम, केरलम और पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91%, पुडुचेरी में 90% और केरलम में 1987 के बाद सबसे ज्यादा 78.27% वोटिंग हुई थी। पाचों राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को एकसाथ आएंगे।

बंगाल में वोटिंग के दौरान मारपीट-झड़प, 5 घटनाएं

बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार को भीड़ ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ था। इसके बावजूद भीड़ ने उन्हें खदेड़ दिया। पश्चिम बर्धमान जिले के बर्नपुर में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। अग्निमित्रा ने बताया कि उनकी कार पर पत्थर फेंके गए। >14

बंगाल में वोटरों की इतनी ज्यादा भागीदारी के क्या मायने?

ममता बनर्जी बोलीं-लोग जानते हैं

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद पश्चिम बंगाल में यह पहला चुनाव है। वोटिंग के पहले चरण की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 152 पोलिंग स्टेशनों पर रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग देखी गई है। शाम 5:00 बजे तक लगभग 90 प्रतिशत वोट डाले जा चुके थे।

वोटरों की इतनी ज्यादा भागीदारी के क्या मायने हैं? गुरुवार को चौरंगी में एक चुनावी रैली में बोलते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि क्या आप जानते हैं कि इतनी बड़ी संख्या में वोट क्यों डाले जा रहे हैं, जबकि वोटर लिस्ट से इतने सारे नाम काट दिए गए थे? मेरा मानना है कि लोग इसे अपने अधिकारों की रक्षा की लड़ाई के तौर पर देख रहे हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि इसके बाद वे एनआरसी लागू करने और डीलिमिटेशन (सीमांकन) करने का इरादा रखते हैं। इसके लिए एक बिल पहले ही पेश किया जा चुका है। >14

जस्टिस नागरत्ना का तंज-'व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी' से जानकारी नहीं चलेगी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला रेफरेंस की आठवें दिन की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की कि जानकारी 'व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी' से स्वीकार नहीं की जा सकती। यह टिप्पणी उस समय आई जब सीनियर एडवोकेट नीरज किशन कौल ने दलील दी कि ज्ञान और विवेक किसी भी स्रोत से आए, उसे अपनाने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। कौल एक अखबार में प्रकाशित डॉ. शशि थरूर के लेख का हवाला दे रहे थे, जिसमें धार्मिक मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि अदालत सभी प्रतिष्ठित लेखकों और विचारकों का सम्मान करती है, लेकिन लेख अंततः व्यक्तिगत राय है और 'पर्सनल ओपिनियन इज पर्सनल ओपिनियन', इसलिए उसका अदालत पर कोई बाध्यकारी मूल्य नहीं हो सकता। इस पर एडवोकेट कौल ने जवाब दिया कि अगर ज्ञान और बुद्धिमत्ता किसी भी स्रोत, किसी भी देश, किसी भी विश्वविद्यालय से आती है तो उसका स्वागत होना चाहिए। तभी जस्टिस नागरत्ना ने कहा, लेकिन व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी से नहीं। कौल ने प्रतिक्रिया में कहा कि वे इस बहस में यह तय करने नहीं आए हैं कि कौन सा विश्वविद्यालय अच्छा या बुरा है। मुद्दा केवल इतना है कि जहां से भी ज्ञान और सूचना आए, उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। नीरज किशन कौल दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रमुख की ओर से पेश हो रहे हैं, जिनकी याचिका समुदाय में बहिष्कार (एक्सकम्युनिकेशन) की प्रथा को चुनौती देती है। कौल ने तर्क दिया कि अनुच्छेद 26(बी) के तहत धार्मिक संप्रदाय के अधिकारों को हर संदर्भ में अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत राज्य द्वारा किए गए सामाजिक सुधार कानूनों के अधीन नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि 'देवरू' फैसला मंदिर प्रवेश के संदर्भ तक सीमित था और उससे यह सार्वभौमिक नियम नहीं निकलता कि हर स्थिति में अनुच्छेद 26(डी) को अनुच्छेद 25(2)(बी) के अधीन रखा जाए।

'मैं आत्मकथा विवाद से आगे बढ़ चुका हूं'

✻ नई किताब आने पर बोले पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की नई किताब 'द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइड' आ गई है। इसके लॉन्च से पहले जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने बताया कि उन्होंने अपनी अप्रकाशित आत्मकथा पर हुए विवाद को पूरी तरह से पीछे छोड़ दिया है। जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने कहा कि विवाद से मैं आगे बढ़ गया हूं। उन्होंने कहा कि मेरा टारगेट अब साल में एक किताब लिखना है और किताबें अलग-अलग तरह (फिक्शन और नॉन-फिक्शन) की होंगी।

हालांकि रिटायर्ड आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि उनकी अप्रकाशित किताब, 'द फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' की कॉपी असल में छपी थीं या नहीं। लेकिन वह इस बात से सहमत थे कि उनके जैसे रिटायर्ड मिलिट्री के लोगों के लिए मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस को क्लीयरेंस के लिए ड्राफ्ट जमा करने के लिए नियम और गाइडलाइन नहीं था। जनरल नरवणे ने कहा, अगर ड्राफ्ट को पब्लिकेशन से पहले वेरिफाई किया जाता है तो इसमें कोई नुकसान नहीं है। रिटायर्ड मिलिट्री लेखकों के लिए नियम बनाए जा सकते हैं और आखिर नियम तो बदलते रहते हैं, है ना? मेरी आत्मकथा का ड्राफ्ट वेरिफाई के लिए देर से दिया गया था या नहीं, इस बारे में सवाल पब्लिशर पेंगुइन रैंडम हाउस से पूछे जाने चाहिए। जनरल नरवणे ने साफ कहा कि पूरे विवाद में सरकार ने उनका साथ दिया था। उन्होंने कहा, न तो मेरा और न ही मेरे पब्लिशर का पार्लियामेंट में हुई शरारतों से कोई लेना-देना था। तो मुझे परेशान क्यों होना चाहिए था? मैं तब परेशान था और अब मैं खुशी-खुशी रिटायर्ड ज़िंदगी जी रहा हूं और और किताबें लिखूंगा। मैंने पुरानी बातों पर ध्यान न देने का फैसला किया है। मुझे अपनी यादें लिखने में मज़ा आया और मुझे इससे खुशी मिली। बस इतना ही। 'द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइड' किताब में कैप्टन बाबा हरभजन सिंह की कहानी, वायुसेना के जवानों के कॉल साइन और पेड़ोंगी नाम के बहादुर सैन्य खच्चर की अनसुनी कहानियां बताई गई हैं।

जनरल नरवणे ने कहा कि उनका मौजूदा टाइटल उन सभी सैनिकों, नाविकों और एयर वॉरियर्स को समर्पित है। उन्होंने कहा, मेरी मौजूदा किताब में तीनों सेनाओं के किस्से हैं। चाहे सच हो या झूठ, वे कैसे लोककथाओं का हिस्सा बन गए हैं।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने दुबई जा रहे यात्री से

> 9.62 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा बरामद की

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की टीम ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई जा रहे एक यात्री को पकड़ा, जिसके पास से 9.62 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा बरामद हुई। मामले में आगे की जांच के लिए सीआईएसएफ ने यात्री को विदेशी मुद्रा समेत कस्टम अधिकारियों को सौंप दिया है।

सीआईएसएफ ने गुरुवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया, 22 अप्रैल 2026 को संदिग्ध व्यवहार और प्रोफाइलिंग के आधार पर हैदराबाद एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की सीआईडब्ल्यू टीम ने हैदराबाद से दुबई जाने वाले एक यात्री को रोका। यात्री को एक्स-बीआईएस स्क्रीनिंग पॉइंट पर ले जाया गया, जहां सामान की स्क्रीनिंग के दौरान कुछ संदिग्ध तस्वीरें दिखाई दीं। विस्तृत जांच करने पर यात्री के हैंड बैगेज से लगभग 9.62 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा (यूएसडी, यूएई दिरहम और सऊदी रियाल) बरामद हुई। यात्री और जब्त की गई मुद्रा को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क अधिकारियों को सौंप दिया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 16 अप्रैल 2026 को भी हैदराबाद एयरपोर्ट पर इसी तरह का मामला सामने आया था। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की सीआईडब्ल्यू टीम ने प्रोफाइलिंग और संदिग्ध व्यवहार के आधार पर हांगकांग जा रहे एक यात्री को रोका। यह कार्रवाई राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर डिपार्चर गेट के पास की गई। जब यात्री के बैग की स्कैनिंग की गई, तो उसमें कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। इसके बाद सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की गहन जांच की। जांच में पता चला कि हैंड बैगेज के अंदर विदेशी मुद्रा छिपाकर रखी गई थी।

बंगाल में भाजपा सरकार बनाओ, हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर निकाल देंगे : अमित शाह

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पुरसुराह में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, घुसपैठ और राजनीतिक माहौल को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। अमित शाह ने कहा कि आज बंगाल के हर कोने में टीएमसी के खिलाफ भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। प्रदेश की जनता मौजूदा सरकार से परेशान हो चुकी है और बदलाव चाहती है।

तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ यह आक्रोश अब पूरे राज्य में फैल चुका है, जो आने वाले चुनाव में साफ दिखाई देगा। अपने संबोधन में घुसपैठ के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में घुसपैठ एक बड़ी समस्या बन चुकी है और इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। यहां से घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए, लेकिन जब एसआईआर के दौरान घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं, तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी (दीदी) को इससे तकलीफ होती है।

अमित शाह ने आगे कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो हर एक घुसपैठिए को चिन्हित कर बाहर निकालने का काम किया जाएगा। आप 5 तारीख को भाजपा सरकार बना दो। हम पूरे बंगाल से चुन-चुन कर एक-एक घुसपैठिये को बंगाल से बाहर निकाल देंगे। उन्होंने आगे कहा कि तृणमूल का यह 'जंगल राज', जिसकी पहचान किसानों की जमीन पर कब्जा करने वालों को सौंप देना और गरीबों के अधिकारों को सिंडिकेट के हवाले कर देना है, 4 मई को समाप्त होने जा रहा है। जनता भी अब केवल 'कमल' खिलाने के लिए पूरी तरह तैयार है। किसानों का जिक्र करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल के किसानों को उनके आलू का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, फिर भी ममता सरकार पूरी तरह से उदासीन बनी हुई है। इसके विपरीत, उन्होंने आलू के निर्यात पर रोक लगा दी है।

पनडुब्बी बनाने वाले प्लांट का दौरा लड़ाकू विमानों का 'एस्कॉर्ट'

> जर्मनी के साथ सी डील कर लौट रहे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर हो रहे बड़े सुरक्षा बदलावों के बीच भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह इन दिनों बर्लिन के दौरे पर हैं। 21 अप्रैल को राजनाथ सिंह जब जर्मन वायुसेना के विशेष विमान द्वारा म्यूनिख से बर्लिन पहुंचे तो उनके विशेष विमान को लड़ाकू विमानों द्वारा एस्कॉर्ट किया गया। जर्मन लड़ाकू विमानों द्वारा एस्कॉर्ट दिया जाना ही इस यात्रा के सामरिक महत्व को दर्शाता है। बर्लिन पहुंचने पर रक्षा मंत्री को औपचारिक सैन्य सम्मान प्रदान किया गया।

22 अप्रैल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने जर्मनी के कील शहर में टीकेएमएस के सबमरीन बनाने वाले प्लांट का दौरा किया। वहां उन्हें आधुनिक नौसेना तकनीकों और क्षमताओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस से महत्वपूर्ण मुलाकात की। यह बैठक उनकी तीन दिवसीय जर्मनी यात्रा का अहम हिस्सा रही, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करना है। इस मुलाकात की एक प्रमुख उपलब्धि 'डिफेंस इंडस्ट्रियल रोडमैप' पर साइन करना रहा। यह रोडमैप और समझौता दोनों देशों के बीच रक्षा उद्योग में सहयोग को नई दिशा देगा। राजनाथ सिंह ने भारत का पक्ष दोहराते हुए कहा कि आतंकवाद की उसके हर रूप में बिना किसी अपवाद या औचित्य के स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। वहीं भारत-जर्मनी रक्षा सहयोग को गहरा करने, वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य में हो रहे बदलावों, तथा उभरती भू-राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा भी शामिल रही।

अधीर रंजन ने ईवीएम में खराबी और खराब इंतजाम की शिकायत की

मुर्शिदाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए जारी वोटिंग के बीच, बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि जिले के एक बूथ में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) बार-बार खराब हो रही है। जिसके चलते मतदाताओं को वोट डालने के लिए चिलचिलाती गर्मी में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। एक मतदान केंद्र के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि मुझे सुबह से ही यह खबर मिल रही है कि बूथ नंबर 141 में ईवीएम बार-बार खराब हो रही है।

मैंने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद ईवीएम बदल दी गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता के अनुसार, चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया था कि वे टेक्नीशियन भेजेंगे, लेकिन अब तक कोई भी प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।

सुरक्षा पर खतरा : 57 आतंकी 200 नाम

पहचान बदल सुरक्षा एजेंसियों को दे रहे चकमा, गृह मंत्रालय ने जारी की सूची

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ज्यादातर खूंखार आतंकियों ने दुनिया भर की सुरक्षा एवं जांच एजेंसियों को गच्चा देने के लिए अपने नाम बदल रखे हैं। कोई एक-दो नहीं, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों की फाइलों में इन दहशतगर्दों के दर्जनभर नाम देखने को मिल रहे हैं। मुंबई हमलों के आरोपी और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी 'दाऊद इब्राहिम' के 22 नाम हैं। पाकिस्तानी आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-ताइबा' प्रमुख हाफिज सईद के 9 और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का शीर्ष आतंकी मोहीउद्दीन औरंगजेब आलमगीर 11 नामों से जाना जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यूएपीए के तहत आतंकियों की जो सूची तैयार की गई है, उसमें 57 आतंकियों के लगभग 200 नाम लिखे गए हैं।

लश्कर-ए-ताइबा प्रमुख के नौ नाम

पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा के प्रमुख हाफिज सईद ने अपने 9 नाम रखे हुए हैं। हाफिज सईद के हाफिज मोहम्मद साहिब, हाफिज मो. सैयद, हाफिज मोहम्मद और मोहम्मद सईद आदि नाम विभिन्न जांच एजेंसियों की फाइलों में दर्ज हैं।

जकी उर रहमान लख्वी ने अपना नाम अबू वाहिद इरशाद अहमद अरशद, काकी उर रहमान, जाकिर उर रहमान लख्वी, जकी उर रहमान लख्वी और जाकिर रहमान नाम रखा हुआ है। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के वरिष्ठ सदस्य मोहीउद्दीन औरंगजेब आलमगीर ने मकतब अमीर, मुजाहिद भाई, औरंगजेब अंजार और मौलाना अम्मार सहित 11 नाम रखे हुए हैं।

मसूद अजहर भी कई नामों से कुख्यात :

गृह मंत्रालय की सूची में पहला नाम मौलाना मसूद अजहर का है। उसे मौलाना महमूद मसूद अजहर अलवी और विला अदाम इस्सा नाम से जाना जाता है। रियाज इस्माइल शाहबंदर को शाह रियाज अहमद, रियाज भटकल, मोहम्मद रियाज, अहमद भाई, रसूल खान, रोशन खान और अजीज नाम से जाना जाता है। इब्राहिम मेनन के दूसरे नामों में टाइगर मेनन, मुस्ताक, सिकंदर आदि शामिल हैं। सैयद मोहम्मद युसूफ शाह ने सैयद सलाउद्दीन, पीर साहब और बुजुर्ग नाम रखा हुआ है। रियाज इस्माइल शाहबांदरी के आठ नाम हैं। हबीबुल्लाह मलिक के 9, गुलाम नबी खान के 6 और जफर इकबाल ने अपने पांच नाम रखे हुए हैं।

दाऊद इब्राहिम के सबसे ज्यादा नाम :

वैश्विक आतंकी सूची में दाऊद इब्राहिम के 22 नाम दर्ज हैं। इनमें दाऊद इब्राहिम कासकार, दाऊद हसन शेख कासकार, दाऊद भाई, दाऊद सबरी, इकबाल सेठ, बड़ा पटेल, दाऊद एब्राहिम, शेख दाऊद हसन, अब्दुल हामिद अब्दुल अजीज, अनीस इब्राहिम, अजीज दिलीप, दौद हसन शेख इब्राहिम कासकर, दाऊद इब्राहिम मेमन कासकर, दाऊद हसन इब्राहिम कासकर, दाऊद इब्राहिम मेनन, कासकर दाऊद हसन, शेख मोहम्मद इस्माइल अब्दुल रहमान, दाऊद हसन शेख इब्राहिम, दाऊद भाई लो क्वालिटी, इब्राहिम शेख मो. अनीस, शेख इस्माइल अब्दुल, शेख फारुखी और इकबाल भाई शामिल हैं।

बंगाल के नतीजे तय करेगा एसआईआर

विधानसभा चुनाव में दूसरे सारे मुद्दों पर हावी

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का तेवर शुरू से आक्रामक रहा है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक हालिया विडियो में उनका खास अंदाज दिखा। विडियो में बाएं हाथ में माइक थामे और दाहिने हाथ की मुट्ठी आसमान की ओर उठाए ममता अगले ही पल बाघ-सी दहाड़ती नजर आती हैं।

ममता को पता है कि इस बार का विधानसभा चुनाव आसान नहीं है। इस बार उन्हें सिर्फ 15 साल की सत्ता विरोधी लहर से ही नहीं, चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के कारण कई मुस्लिम मतदाताओं के नाम कटने से बनी कठिन परिस्थितियों से भी जूझना पड़ रहा है। बंगाल में बीजेपी का सबसे बड़ा हथियार ध्रुवीकरण है। चूंकि राज्य में 27% मुसलमान हैं, इसलिए मुस्लिम वोटरों की किसी भी क्षति से बीजेपी को फायदा होने की उम्मीद है।

ममता ने बीजेपी के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए एसआईआर को ही हथियार बना लिया है। वह लगातार कह रही हैं कि चुनाव

आयोग की यह पूरी प्रक्रिया बीजेपी के षड्यंत्र का हिस्सा है और पार्टी के निशाने पर बंगाली अस्मिता है। चुनाव के लिए टीएमसी के गीत 'जोतोई कोरो हमला, आबार जीतबे बांग्ला' यानी 'कितना भी हमला करो, फिर जीतेगा बंगाल' से ममता यह संदेश दे रही हैं कि प्रवर्तन निदेशालय केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और आयकर विभाग की कार्रवाइयों का उन पर असर नहीं पड़ने वाला। ममता अब चुनाव आयोग को भी बीजेपी का हथियार मान चुकी हैं। एसआईआर में 91 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। नाम कटने के अलावा लोगों को हुई परेशानियों से इस बार एसआईआर ही सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है। बीजेपी ने ममता सरकार पर भ्रष्टाचार के जो आरोप लगाए, वे भी एसआईआर के सामने छोटे पड़ गए हैं। एसआईआर को बीजेपी घुसपैठियों का इलाज बता रही है। लेकिन, ममता कह रही हैं कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद केंद्र सरकार नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजंस लाएगी और विस्थापितों को बांग्लादेशी कह कर डिटेंशन कैंप भेज देगी। बीजेपी को भी एसआईआर से नुकसान हुआ है। इसके कारण मटुआ लोगों के नाम भी कट गए हैं। पिछले चुनाव में मटुआ समुदाय ने बीजेपी को खासा समर्थन दिया था, लेकिन शायद इस बार पार्टी को उनका रोष झेलना पड़ सकता है। कूचबिहार, नदिया, दिनाजपुर, मालदा, उत्तर 24 परगना की करीब 40 सीटें मटुआ बहुल हैं। ममता उनके इसी गुस्से को भुनाना चाहती हैं। ऐसे में इस बार का चुनाव केंद्रीय मंत्री और मटुआ समुदाय से आने वाले शांतनु ठाकुर के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं। बीजेपी के पास ममता को चुनौती देने वाले चेहरे की कमी है। सुवेंदु अधिकारी मजबूत दावेदार दिखते हैं, लेकिन पार्टी ने अब तक मुख्यमंत्री उम्मीदवार नहीं बताया है। ऐसे में सवाल है कि क्या सुवेंदु महिलाओं के वोट बैंक में सेंध लगा पाएंगे, क्योंकि लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं से ममता की आधी आबादी में काफी पैठ है।

149 दिन बाद खुले बद्रीनाथ धाम के कपाट

सीएम के बाद शंकराचार्य ने किए दर्शन, भगवान ने दिए मौसम अनुकूल रहने के संकेत

चमोली,23 अप्रैल (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा के पांचवें दिन आज चमोली स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट विधिवत रूप से खोल दिए गए हैं। सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर मंदिर के द्वार खुलते ही सबसे पहले सीएम पुष्कर सिंह धामी और उनके बाद शंकराचार्यस्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भगवान के दर्शन किए। अनुमान है कि आज करीब 7 हजार लोग दर्शन के लिए पहुंचेंगे, कपाट खुलने के समय मंदिर परिसर में करीब 2 हजार लोग मौजूद थे। यहां सबसे पहले बीते छह महीनों से जल रही अखंड ज्योति के दर्शन किए जा रहे हैं। वहीं, कपाट बंद होने के समय बद्रीविशाल पर चढ़ा घृत कंबल हटा दिया गया है। बद्रीनाथ धाम के पूर्व धर्माधिकारी आचार्य भुवन चंद्र उनियाल ने बताया कि इस साल कंबल घी में लबालब मिला है, जो ये संकेत देता है कि पूरे साल मौसम अनुकूल रहेगा।

रजनीकांत-कमल हासन ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में वोट डाला

2 सीटों से चुनाव लड़ रहे विजय ने भी दिया वोट, तृषा कृष्णन, धनुष भी पहुंचे

चेन्नई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में फर्स्ट फेज की 152 सीटों पर और तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। आज तमिलनाडु के चेन्नई में रजनीकांत, कमल हासन, धनुष समेत कई सेलेब्स ने वोटिंग की।

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्रिरी कझगम (टीवीके), तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सभी 234 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। विजय स्वयं पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से चुनाव लड़ने के उम्मीदवार हैं।

चेन्नई में वोट देने के बाद साउथ एक्टर विजय सेतुपति ने मीडिया से बातचीत में जनता से बढ़-चढ़कर वोट डालने की

अपील की है। उन्होंने कहा, 'प्लीज, आइए और वोट डालिए, ये हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।'

एक्टर विक्रम प्रभु ने मतदान के बाद लोगों से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि वोट डालना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और सभी को इसमें भाग लेना चाहिए। विक्रम प्रभु ने कहा कि युवाओं के बीच राजनीति को लेकर चर्चा बढ़ना सकारात्मक संकेत है। उनके मुताबिक, यह जरूरी है कि युवा देश के भविष्य को लेकर सोचें और समझें कि उन्हें किस तरह का देश चाहिए।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे युवाओं में जागरूकता बढ़ेगी और वे जिम्मेदार फैसले लेने के लिए प्रेरित होंगे।

राइटर मधु किश्वर मामले में नया मोड

वीडियो वाले दंपति ने की इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन चंडीगढ़ पुलिस ने भेजा दूसरा नोटिस, 25 को बुलाया

चंडीगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। फेमस राइटर मधु किश्वर मामले में नया मोड़ आ गया है। चंडीगढ़ पुलिस ने मिसलीडिंग वीडियो मामले में जो एफआईआर दर्ज की है उसमें दिखाई दे रहे दंपति ने इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन कर ली है। वहीं दूसरी ओर राइटर मधु किश्वर को चंडीगढ़ पुलिस ने पहला नोटिस दिल्ली में उसके घर देकर 22 अप्रैल को पुलिस स्टेशन 26 में पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वह पेश नहीं हुई। इसके बाद मामले में फिर से चंडीगढ़ पुलिस ने दूसरा नोटिस राइटर मधु किश्वर को भेज दिया है और 25 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा है। अब देखते हैं कि 25 अप्रैल को भी राइटर मधु किश्वर पेश होती हैं या फिर नहीं।

राइटर मधु किश्वर ने कहा कि दूसरी बार एक और नोटिस लेकर आए पुलिसकर्मी चंडीगढ़ पुलिस के थे, जिनके साथ दिल्ली पुलिस का भी एक व्यक्ति शामिल था। मैं हैरान हूं कि इस टीम ने भी मुझे एफआईआर की कॉपी देने से इनकार कर दिया, लेकिन मुझसे 25 अप्रैल को चंडीगढ़ के पुलिस स्टेशन 26 में पेश होने की उम्मीद कर रहे हैं। मेरे सहायक ने हमारे बीच हुई पूरी बातचीत रिकॉर्ड की है, जिसे मैं कुछ ही मिनटों में साझा करूंगा। जब मैंने इंस्पेक्टर से बार-बार पूछा कि मुझे एफआईआर की कॉपी क्यों नहीं दी जा रही, तो उनके पास इसका कोई जवाब नहीं था। चंडीगढ़ की एसएसपी कवंरदीप कौर ने कहा कि पुलिस स्टेशन 26 में जो राइटर मधु किश्वर व अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उस मामले में जो वीडियो में दंपति हैं, उन दोनों ने पुलिस इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन कर ली है। साथ ही राइटर मधु किश्वर को 22 अप्रैल को नोटिस जारी कर बुलाया था, लेकिन वह नहीं आईं, जिसके बाद उन्हें दूसरा नोटिस भेजकर फिर से बुलाया गया है।

दरअसल, मधु किश्वर समेत अन्य लोगों पर चंडीगढ़ के सेक्टर-26 थाने में 20 अप्रैल को ही एक शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में कहा गया कि कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने एक वीडियो को गलत पहचान के साथ वायरल किया और उसमें अश्लील व भ्रामक शब्द जोड़कर पेश किया। इससे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की छवि खराब करने की कोशिश की गई और समाज में भ्रम फैलाया गया। दिल्ली में मधु किश्वर के दफ्तर में उनके और पुलिस अधिकारियों के बीच बात हुई। इस दौरान मधु किश्वर ने कहा कि न उनकी तरफ से कोई दुर्भावना थी और न दूसरी तरफ से।

उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस से पूछा कि क्या वह स्थानीय पुलिस के साथ नहीं आए हैं? इस पर चंडीगढ़ से आई महिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम साथ आई है।

मधु किश्वर ने इस टीम को कानून का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं के घर पर सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले पुलिस न तो आ सकती है और न ही उन्हें अरेस्ट कर सकती है।

कॉलेज छात्रा के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ाया शिक्षक

सरगुजा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में कॉलेज की एक छात्रा के साथ स्कूल टीचर आपत्तिजनक हालत में पकड़ाया है। दोनों जंगल किनारे कार में सवार थे। इस दौरान स्थानीय युवकों ने उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

मामला बतौली थाना क्षेत्र का है। वायरल वीडियो में युवक लड़की को चेहरा दिखाने कहते रहे। उसे कार से बाहर निकलने के लिए कहा। लड़की वीडियो बनाने का विरोध करती रही। सामने आए वीडियो में टीचर ने मामले को दबाने पैसे भी ऑफर किए। इस मामले में बीजेपी नेताओं की शिकायत पर सरगुजा डीईओ ने टीचर को स्कूल से हटा दिया है।

ऑनलाइन जुआ खेलता था राहुल, पड़ोसन से रेप कर भागा था दिल्ली

आईआरएस की बेटी के हत्यारे के 5 सनसनीखेज खुलासे

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की बेहद पॉश अमर कॉलोनी में आईआरएस की लड़की की हत्या के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी घरेलू नौकर राहुल मीणा ऑनलाइन जुए का आदी था। वह ऑनलाइन तीन पत्ती गेम खेला करता था। इतना ही नहीं दिल्ली में वारदात को अंजाम देने से पहले उसने अपने गृह नगर में पड़ोसी की पत्नी के साथ रेप की वारदात की थी। पुलिस ने उसके बारे में ऐसे ही हैरान करने वाले खुलासे किए हैं। आइए आपको ऐसे ही 5 खुलासों के बारे में बताते हैं।

दिल्ली में वारदात को अंजाम देने से ठीक एक दिन पहले राहुल ने अपने पड़ोसी की पत्नी से दुष्कर्म किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल मीणा राजस्थान के अलवर जिले का

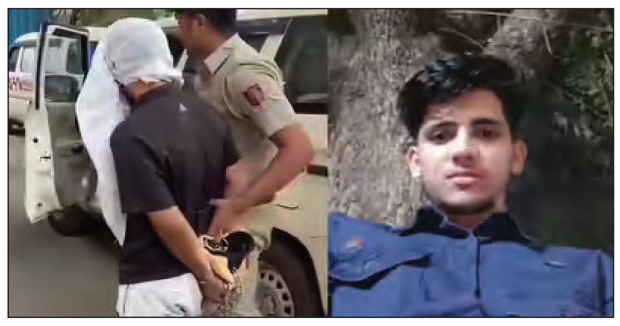

राजगढ़ में पीड़िता के पति को अपनी बाइक पर बैठाकर शादी समारोह में ले गया था। पड़ोसन का पति वहीं रुक गया। राहुल अकेला लौटा और पड़ोसी के घर में घुस गया। वहां, जान से मारने की धमकी देकर उसने पड़ोस की पत्नी के साथ दुष्कर्म किया।

राहुल मीणा ने पहले हमला कर लड़की को बेहोश किया। फिर उसके साथ रेप करने के बाद मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर उसका मर्डर कर दिया। मर्डर के बाद वह की लाश को सीढ़ियों से घसीटकर नीचे रूम तक ले गया। दरअसल, राहुल को लॉकर खोलकर पैसे चुराने थे और लॉकर सिर्फ थंब इंप्रेशन से ही खुलता था। जब लड़की का थंब लगाने के बाद भी लॉकर नहीं खुला तो उसने उसे पेंचकस से खोला। अलमारी से कैश निकालने के बाद वह लड़की के भाई की पेंट पहनकर वहां से फरार हो गया।

हत्यारे राहुल मीणा को ऑनलाइन गेम तीन पत्ती में पैसे लगाने की बुरी लत थी। उसके लिए वह लोगों से पैसे उधार लेता था और ऑनलाइन गेमिंग में हार जाता था। उसने आसपास के घरों में काम करने वाले कई नौकरों से पैसे उधार ले रखे थे, जिसका पता आईआरएस अधिकारी को चल चुका था। इसलिए एक महीने पहले उसे काम से निकाल दिया गया था।

आरोपी राहुल मीणा को पता था कि आईआरएस अधिकारी और उनकी पत्नी सुबह-सुबह जिम जाते हैं। उसे यह भी पता था कि नौकरों के लिए डुप्लीकेट चाबी कहां रखी जाती है। राहुल ने इसी बात का फायदा उठाया और डुप्लीकेट चाबी लेकर सीधा घर के अंदर दाखिल हो गया।

भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान है और नई दिल्ली का अफ्रीका के साथ संबंध समानता, परस्पर सम्मान और साझा प्रगति के सिद्धांतों पर आधारित एक स्पष्ट दृष्टिकोण से निर्देशित है।

जयशंकर ने आगामी 'भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन-4 के लोगो, थीम और वेबसाइट के अनावरण के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हम यहां भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन ढांचे के माध्यम से भारत और अफ्रीका के बीच स्थायी साझेदारी में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए एकत्रित हुए हैं।' विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-अफ्रीका संबंध 'हमारे सभ्यतागत संबंधों' पर आधारित हैं, जो सदियों से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच संबंध के माध्यम से विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, 'उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत ने अफ्रीकी देशों के प्रति एकजुटता दिखाई थी और इससे हमारे संबंध और भी मजबूत हुए।' विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी अफ्रीका से भी गहराई से जुड़ी हुई है। ''संघर्ष, एकजुटता, लचीलेपन और आकांक्षाओं का हमारा साझा इतिहास हमारी साझेदारी को आकार देता है। आज अफ्रीका भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत 2047 की परिकल्पना और अफ्रीका का 'एजेंडा 2063' सतत विकास और समावेशी विकास के माध्यम से समृद्धि और प्रगति की दिशा में पूरक रोडमैप हैं।

जयशंकर ने यह भी कहा कि कई उच्च स्तरीय राजनीतिक वार्ताओं के साथ भारत और अफ्रीका के बीच प्रमुख स्तंभों पर संबंध मजबूत हुए हैं, और भारत वैश्विक व्यवस्था में अफ्रीका के उचित स्थान का लगातार समर्थन कर रहा है।

चुनाव कराए ही क्यों जा रहे?

बंगाल में वोटिंग के बीच कपिल सिब्बल का निर्वाचन आयोग पर हमला

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वोटिंग जारी है। इसी बीच पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला किया है। उन्होंने आयोग पर पर पश्चिम बंगाल में मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित रखने का प्रयोग करने का आरोप लगाया और पूछा कि चुनाव कराए ही क्यों जा रहे हैं।

राज्यसभा सदस्य ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधते हुए तंज किया कि उन्हें तो पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना चाहिए।

कपिल सिब्बल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'निर्वाचन आयोग (पश्चिम बंगाल चुनाव): मताधिकार छीनने का एक प्रयोग है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना चाहिए। मेरा सवालः चुनाव कराए ही क्यों जा रहे हैं?'

पश्चिम बंगाल में गुरुवार को पहले चरण का मतदान हो रहा, जहां सियासी मुकाबला लगातार बेहद ध्रुवीकृत होता जा रहा है। इस चुनावी परिदृश्य में भ्रष्टाचार और रोजगार जैसे मुद्दे पीछे छूटते नजर आ रहे हैं। वहीं पहचान, नागरिकता और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का विवाद राजनीतिक बहस के केंद्र में है।

सुकेश ने जैकलीन को जेल से लेटर लिखा

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। 200 करोड़ रुपए के मनी लॉनड्रिंग मामले में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के अप्रूवर बनने के आवेदन के बीच आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से उन्हें फिर लेटर लिखा है। 21 अप्रैल को लिखे इस लेटर में सुकेश ने जैकलीन को बेबी बोम्मा और माय जैकी कहा। लेटर में उसने लिखा कि प्यार और जंग में सब जायज है और वह हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा, चाहे कुछ भी हो जाए। सुकेश ने अपने मैसेज में यह भी कहा कि तुम मेरी हो और मैं तुम्हारा हमेशा रहूंगा। उसने जैकलीन के लिए यह भी लिखा कि वह उन्हें बहुत याद करता है और यह रिश्ता उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। लेटर के अंत में उसने JFS फॉरएवर लिखते हुए खुद को बेबी बॉय बताया। सुकेश चंद्रशेखर धोखाधड़ी और मनी लॉनड्रिंग मामलों में जेल में बंद है। सुकेश ने जेल से जैकलीन को अब तक एक दर्जन से अधिक लेटर भेजे हैं। वह लगभग हर खास मौके जैसे होली, ईस्टर, क्रिसमस, वैलेंटाइन डे, महिला दिवस और जन्मदिन पर लेटर लिखता रहा है।

बंगाल के कुमारगंज में बीजेपी प्रत्याशी को दौड़ाकर पीटा

आसनसोल में भाजपा एमएलए अग्निमित्रा की कार पर हमला, मुर्शिदाबाद में ममता-हुमायूं कबीर समर्थक भिड़े

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि सुवेंदु हमले से बचने के लिए भाग रहे हैं। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ है। इसके बावजूद भीड़ सुवेंदु को पीटती है। हमला करने वाले लोगों की पहचान कन्फर्म नहीं है।

बर्नपुर के रहमतनगर इलाके में आसनसोल साउथ विधानसभा सीट से भाजपा विधायक और उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर भी हमला हुआ। घटना के समय विधायक कार में ही मौजूद थीं। हमले में उनकी गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। बंगाल में कई अन्य जगहों पर बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें आ रही हैं। कई जगह ईवीएम खराब होने की शिकायत भी आई हैं। पश्चिम बंगाल में फर्स्ट फेज की 152 सीटों पर और तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर वोट डाले जा रहे

हैं। मुर्शिदाबाद के नौदा में वोटिंग से पहले बुधवार देर रात देसी बम फेंका गया था। इसमें कई लोग घायल हो गए थे। इसके बाद आम जनता उन्नयन पार्टी के चीफ हुमायूं कबीर सुबह घटनास्थल पर पहुंचे तो उनका विरोध हुआ। इस दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं के साथ उनकी झड़प भी हुई। इसके बाद वे धरने पर बैठ गए।

उन्होंने कहा कि पुलिस टीएमसी कार्यकर्ताओं के साथ गुंडागर्दी कर रही है। हमारे समर्थकों के साथ मारपीट की जा रही है। सिलीगुड़ी में भी वोटिंग के दौरान भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई।

वहीं मालदा के एक बूथ पर ईवीएम खराब होने से हंगामा हो गया। लोगों ने चुनाव अधिकारी को घेर लिया और आपत्ति जताई। इस बीच पूरे राज्य में सुबह से पोलिंग बूथ पर लंबी कतारें दिख रही हैं। यहां महिलाओं की संख्या ज्यादा है। ऐसा ही हाल तमिलनाडु में देखा जा रहा है। यहां के बूथों पर वेबकास्टिंग (लाइव मॉनीटरिंग) के जरिए चुनाव आयोग निगरानी कर रहा है। राज्य की बाकी 142 सीटों पर दूसरे फेज में 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। नतीजा 4 मई को आएगा।

बीरभूम में भाजपा उम्मीदवार जगन्नाथ चटोपाध्याय ने टीएमसी पार्षद शिप्रा मजूमदार और उनके पति पर वोटरों का रास्ता रोकने का आरोप लगाया है। टीएमसी पार्षद शिप्रा मजूमदार ने आरोपों पर कहा- यह झूठ है। मैं नियम जानती हूं, यहां किसी की पारिवारिक समस्या हुई है वे मुझे बता रहे थे, इसलिए मैं यहां खड़ी हूं। वोट देना सभी का लोकतांत्रितक अधिकार है, उसमें मैं क्यों दखल दूंगी। बंगाल के सुजापुर विधानसभा सीट से टीएमसी उम्मीदवार सबीना यास्मीन ने केंद्रीय बलों पर मतदान में रुकावट डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- केंद्रीय बल कई मतदान केंद्रों पर परेशानी पैदा कर रहे हैं। उनका काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, लेकिन वे ID कार्ड चेक कर रहे हैं।

सीबीएससी 10वीं सेशन 2 एग्जाम की डेटशीट जारी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी) ने दूसरे सत्र की परीक्षा के लिए डेटशीट जारी कर दी है। सीबीएससी द्वारा जारी की गई डेटशीट के अनुसार, सीबीएससी कक्षा 10वीं की सेकेंड सेशन की परीक्षा 15 मई से शुरू होगी जो 21 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी। वे स्टूडेंट जो 10वीं सेशन 1 एग्जाम में शामिल थे और अधिकतम 3 विषयों में मार्क्स सुधारना चाहते हैं। जिन्हें पहले फेज में 'कंपार्टमेंट' मिला है या जो 2025 के कंपार्टमेंट कैटेगरी में थे।

बोर्ड द्वारा अनुमति प्राप्त स्पोर्ट्स छात्र और प्रथम/तृतीय अवसर वाले कंपार्टमेंट छात्र भी सेशन 2 परीक्षा दे सकते हैं। वे छात्र जो पहले सेशल में तीन या अधिक विषयों में अनुपस्थित थे, ये एग्जाम नहीं दे सकते हैं। इससे पहले सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन यानी सीबीएससी ने 10वीं सेशन 1 का रिजल्ट 15 अप्रैल 2026 को जारी किया था।

तेल साफ करने वाली रिफाइनरियों पर गुप्त हमले

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत से बीते 57 दिनों में भारत, अमेरिका, पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया की कच्चा तेल साफ करने वाली 11 रिफाइनरियों में अचानक आग लगने, विस्फोट या लीक होने जैसी घटनाएं हुई हैं। इन्हीं में से एक राजस्थान में बालोतरा के पचपदरा रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स है, जहां हाल ही में आग लग गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस रिफाइनरी का 21 अप्रैल को उद्घाटन करने वाले थे, मगर उससे एक दिन पहले ही यानी 20 अप्रैल को आग लगने की घटना हो गई, जिसके बाद पीएम का दौरा टाल दिया गया। मामले की जांच की जा रही है। देश और दुनिया की इन रिफाइनरियों को लेकर हुई घटनाओं से साजिश थ्योरी को जन्म दे दिया है। सोशल मीडिया पर कई एक्सपर्ट भी इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठा रहे हैं। पूरी बात समझते हैं।

रिफाइनरी की सबसे ताजा घटना पाकिस्तान की नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड से जुड़ी है। पाकिस्तान की नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड की दक्षिण पश्चिमी बलूचिस्तान स्थित दारिग्वान साइट पर एक अज्ञात बंदूकधारी ने हमला कर दिया। इसके बाद इस साइट पर सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन चलाकर इस सुरक्षित किया। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर अमेरिका-ईरान युद्ध पर करीब से नजर रखने वाले एक एक्सपर्ट ने कहा-28 फरवरी से अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ा हुआ है, जिससे पूरी दुनिया में एनर्जी संकट पैदा हो गया है। रिफाइनरियों के साथ हुई दुर्घटनाओं को लेकर टाइमिंग को समझते हैं।

एक्सपर्ट ने कहा-चार महाद्वीपों में कोई मिसाइल नहीं, कोई ड्रोन नहीं, महज एक्सीडेंट हुआ, वो भी तब जब दुनिया मिडिल ईस्ट सप्लाई का विकल्प तलाश रही है। ऐसे में यह एक तरह का गुप्त हमले हैं, जिसे ग्लोबल एनर्जी मार्केट्स पर दबाव बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। देशों को मजबूर किया जा रहा है कि वो युद्ध में शामिल होने से इनकार कर दें।

सोशल मीडिया एक्स पर इसे संयोग या साजिश का नाम दिया जा रहा है। एक एक्सपर्ट ने दावा किया-अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद से 20 से ज्यादा रिफाइनरियों पर हमले, अचानक आग लगने या खराब होने की घटनाएं हुई हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2026

सुविचार: सहनशील बनो सहनशीलता कायरता नहीं वीरता है

टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी, बस सेवाएं ठप्प

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों की हड़ताल गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल के कारण राज्यभर में बस सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गईं, जिससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को कई जगहों पर बसें डिपो से बाहर नहीं निकलीं, जिससे यात्रियों को दूसरे साधनों का सहारा लेना पड़ा। इस दौरान निजी वाहन चालकों ने मौके का फायदा उठाकर अधिक किराया वसूला, जिससे लोगों की दिक्कत और बढ़ गई।

हड़ताल को तेज करते हुए टीजीएसआरटीसी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के अध्यक्ष ई. वेंकन्ना ने कर्मचारियों से सभी डिपो और कार्यशालाओं पर इकट्ठा होकर 'महा धरना' में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, हड़ताल जारी रहेगी। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि सरकार द्वारा बनाई गई समिति के साथ बातचीत बेनतीजा रही। 32 मांगों पर चर्चा हुई, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। कर्मचारी 2021 के वेतन संशोधन में प्रस्तावित 30 प्रतिशत वेतन वृद्धि को बिना कटौती लागू करने की मांग कर रहे हैं।

इसके अलावा, वे ग्रेटर हैदराबाद में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन और हाल के कर्मचारी तबादलों का भी विरोध कर रहे हैं। स्थिति को देखते हुए कई बस डिपो पर पुलिस बल तैनात किया गया है। कुछ जगहों पर अधिकारियों ने निजी ड्राइवरों की मदद से सीमित बस सेवाएं चलाने की कोशिश की, लेकिन इससे ज्यादा राहत नहीं मिल पाई।

वहीं, टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई नागी रेड्डी ने कर्मचारियों से हड़ताल खत्म करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन कर्मचारियों की समस्याओं को सुलझाने के लिए गंभीर है और इस मामले में आईएएस अधिकारियों की समिति भी बनाई गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि बातचीत के दौरान हड़ताल जारी रखना नियमों के खिलाफ है और इससे कर्मचारियों की नौकरी पर भी खतरा आ सकता है।

फिलहाल, कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच गतिरोध बना हुआ है, जिसके कारण बस सेवाएं सामान्य नहीं हो पाई हैं और यात्रियों की परेशानी जारी है।

आदिलाबाद जिले में कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

यात्रियों को भारी परेशानी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले में टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर गुरुवार को दूसरे दिन भी देखने को मिला। हड़ताल के चलते पूरे इलाके में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही। जानकारी के अनुसार, टीजीएसआरटीसी की 500 से अधिक बसें आदिलाबाद, उत्नर, निर्मल, भैंसा, मंचेरियल और आसिफाबाद के छह डिपो में खड़ी रहीं। केवल करीब 100 किराए की बसें ही चल पाईं। ऐसे में हजारों यात्रियों को सफर करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बस सेवाएं बाधित होने के कारण लोगों को ऑटो, जीप, मिनीवैन और टैक्सी जैसे निजी साधनों का सहारा लेना पड़ा, जिससे उन्हें ज्यादा किराया चुकाना पड़ा।

कला वेदिका के विशेष स्मारिका का मंत्री श्रीधर बाबू ने किया विमोचन

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने गुरुवार को सचिवालय में 'कला वेदिका' सांस्कृतिक संस्था द्वारा प्रकाशित विशेष स्मारिका का विमोचन किया। यह स्मारिका संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्वर्गीय दुद्दिल्ला शीपाद राव की स्मृति में तैयार की गई है। बताया गया कि श्रीपाद राव के घनिष्ठ मित्र आर.वी. रमणमूर्ति ने वर्ष 1960 के दशक में 'कला वेदिका' की स्थापना की थी। तब से यह संस्था निरंतर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है। श्रीपाद राव का इस संस्था से गहरा जुड़ाव रहा और उन्होंने करीब 20 वर्षों तक इसके अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दीं। संस्था के 60वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रकाशित इस विशेष स्मारिका की पहली प्रति 'कला वेदिका' मासिक पत्रिका के संपादक भुवन रायवरपु, सदस्य कोमर्राजु रविकुमार और पुट्टमराजु सीताराम ने मंत्री श्रीधर बाबू को भेंट की।

भाजपा कार्यालय में भगीरथ महर्षि जयंती धूमधाम से मनाई गई

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा राज्य कार्यालय में भगीरथ महर्षि जयंती का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने भगीरथ महार्षि के चित्र पर माल्यार्पण कर विशेष पूजा-अर्चना की। रामचंदर राव ने सागर (मछुआरा) समाज सहित राज्य के सभी लोगों को जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस दिवस को उत्सव के रूप में मनाना समाज के परिश्रम, नैतिक मूल्यों और निर्माण में उनके योगदान का सम्मान है।

इस दौरान उन्होंने राज्य में जारी आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 41 दिन का नोटिस दिए जाने के बावजूद कांग्रेस सरकार की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं मिलना निराशाजनक है। उन्होंने सरकार के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि कर्मचारियों की मांगों के प्रति जिद्दी रुख अपनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरटीसी हड़ताल को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार पूर्व बीआरएस सरकार की गलतियों को दोहरा रही है और चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल जेएसी नेताओं को वार्ता के लिए आमंत्रित करे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को आरोप-प्रत्यारोप के बजाय समाधान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने नादेंडला भास्कर राव के पार्थिव शरीर पर अर्पित की श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नादेंडला भास्कर राव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। रामचंदर राव ने गुरुवार को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित दिवंगत नेता के निवास पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मुख्य आधिकारिक प्रवक्ता एन.वी. सुभाष भी मौजूद रहे। इसके बाद उन्होंने दिवंगत नेता के पुत्र एवं जनसेना पार्टी के नेता नादेंडला मनोहर से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। रामचंदर राव ने कहा कि नादेंडला भास्कर राव का निधन भाजपा कार्यकर्ताओं और तेलुगु राज्यों के लोगों के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अविभाजित राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।

बस हड़ताल से ऑटो चालकों ने अधिक किराया वसूला

> बढ़े किराया देने को मजबूर नागरिक

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी की जारी हड़ताल ने शहर की दैनिक यातायात व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। बस सेवाएं लगभग ठप होने के कारण अब अधिकतर यात्रियों को ऑटो-रिक्शा पर निर्भर रहना पड़ रहा है। बसों की कमी के चलते यात्रियों के पास सीमित विकल्प बचे हैं, जिससे शहर के प्रमुख मार्गों पर ऑटो की मांग अचानक काफी बढ़ गई है। इसका सीधा फायदा ऑटो चालकों को मिला है और उनकी आमदनी में इजाफा हुआ है। पिछले दो वर्षों से ऑटो चालक 'महालक्ष्मी' मुफ्त यात्रा योजना के कारण आय में कमी की शिकायत कर रहे थे, लेकिन मौजूदा हड़ताल ने उन्हें अस्थायी राहत दी है। वहीं, दूसरी ओर यात्रियों की परेशानी भी बढ़ गई है। कई लोगों ने शिकायत की है कि कुछ ऑटो चालक, खासकर व्यस्त समय और भीड़भाड़ वाले रास्तों पर, मनमाना किराया वसूल रहे हैं। कुल मिलाकर, हड़ताल ने जहां ऑटो चालकों की कमाई बढ़ाई है, वहीं यात्रियों के लिए सफर महंगा और मुश्किल बना दिया है।

एबीवीपी का प्रदर्शन छात्रों को अगली कक्षा में प्रमोट करने की मांग

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को तेलंगाना राज्य तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण बोर्ड (एसबीटीईटी) के कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। राज्य सचिव एम. रामबाबू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और डिप्लोमा छात्रों ने एसबीटीईटी कार्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन किया और छात्रों को अगली कक्षा में प्रमोट करने की मांग उठाई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें अलग-अलग पुलिस थानों में भेज दिया।

सीएमसी आयुक्त का दौरा, नागरिक सुविधाओं की समीक्षा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (सीएमसी) की आयुक्त जी. श्रीजना ने गुरुवार को कुकटपल्ली जोन का फील्ड दौरा किया और विभिन्न नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विनायक पार्क और वरिष्ठ नागरिक पार्कों का जायजा लिया। उनके साथ जोनल कमिश्नर,

डिप्टी कमिश्नर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। आयुक्त ने जमीनी स्तर पर नागरिक सुविधाओं की स्थिति का आकलन करते हुए स्थानीय नागरिकों से बातचीत की और जनसेवाओं पर उनकी राय जानी। उन्होंने 99 डेज एक्शन प्लान- 'प्रजा पालन प्रगति प्रणालिका' के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) के बीच कंपोस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए पार्कों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़कों पर गड्ढों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य कराने को कहा। उन्होंने पार्कों में ओपन जिम उपकरण लगाने और बेहतर वॉकिंग ट्रैक विकसित करने के निर्देश भी दिए।

सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए स्वीपिंग प्वाइंट्स को व्यवस्थित करने तथा आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया।

दोपहिया चोरी में शामिल पांच नाबालिग पकड़े

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी के मामलों में शामिल पांच नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से तीन मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी नाबालिग मिलकर एक गिरोह बनाकर काम कर रहे थे और हैदराबाद के साथ-साथ कर्नाटक में भी बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे।

राज्य में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता, आपूर्ति मांग से अधिक

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग ने स्पष्ट किया है कि तेलंगाना में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है।

गुरुवार को जारी दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल (एमएस) की औसत आपूर्ति 5,883 किलोलीटर रही, जबकि 22 अप्रैल को 9,406 किलोलीटर की आपूर्ति की गई। वहीं डीजल (एचएसडी) की औसत आपूर्ति 7,348 किलोलीटर रही और 22 अप्रैल को 13,420 किलोलीटर डीजल उपलब्ध कराया गया।

पुलिसकर्मी की पिटाई का वीडियो वायरल, जांच शुरू

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टोलीचौकी इलाके में एक युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया है। वीडियो में एक पुलिसकर्मी युवक को बेंत से मारते हुए दिखाई दे रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब पुलिस गश्ती टीम ने एक होटल के पास कुछ युवकों को देखा। पुलिस को देखते ही वे भागने लगे, जिसके बाद पुलिस ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया। आरोप है कि टोलीचौकी पुलिस स्टेशन में तैनात कांस्टेबल ने युवक के साथ दुर्व्यवहार किया और उसे लाठी से पीटा। बाद में युवक को पुलिस स्टेशन ले जाया गया। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी उसे दो बार पकड़ा गया था, लेकिन समझाकर छोड़ दिया गया था।

इस मामले पर एसीपी गोलकोंडा सैयद फैज ने कहा कि पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि घटना सुबह करीब 4 बजे की है, जब पुलिस ने कुछ लोगों से पूछताछ की तो वे गाली देते हुए भाग गए। अधिकारी ने कहा कि वीडियो में दिख रही घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और मामले की जांच जारी है।

आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल को शिवसेना का समर्थन किया

> एमजीबीएस डिपो पर प्रदर्शन

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में जारी आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में शिवसेना ने गुरुवार को हैदराबाद के एमजीबीएस (महात्मा गांधी बस स्टेशन) डिपो पर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सिंकारू शिवाजी और प्रदेश महासचिव जी. सुधाकर कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। इस दौरान सिंकारू शिवाजी ने आरटीसी कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के हिंसक या आत्मघाती कदम न उठाएं और अपने परिवारों का ध्यान रखते हुए धैर्यपूर्वक तथा कानूनी तरीके से अपनी लड़ाई जारी रखें। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में आने से पहले किए गए वादों को पूरा नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के समय दिए गए आश्वासनों के विपरीत अब आरटीसी कर्मचारियों को उनके अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। शिवाजी ने सवाल उठाया कि सरकार अपने घोषणापत्र में किए गए वादों को क्यों लागू नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र में आरटीसी की सुरक्षा और पीआरसी देने का वादा किया गया था, लेकिन अब सरकार उससे पीछे हटती नजर आ रही है। उन्होंने सरकार पर सत्ता के अहंकार में कर्मचारियों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि धूप और बारिश में जनता की सेवा करने वाले कर्मचारियों को आज आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो सरकार की विफलता को दर्शाता है। शिवसेना नेता ने मांग की कि आरटीसी कर्मचारियों के दो पीआरसी बकाये ब्याज सहित तुरंत चुकाए जाएं और उन्हें सरकारी कर्मचारियों के समान दर्जा दिया जाए।

आरटीसी हड़ताल पर कांग्रेस के रुख को लेकर जग्गा रेड्डी का हमला

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी में टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष टी. जग्गा रेड्डी ने आरटीसी कर्मचारियों की चल रही हड़ताल के बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल (चाहे कांग्रेस, भाजपा या बीआरएस) सत्ता में आने के बाद अपने पुराने रुख से नहीं पलटना चाहिए।

विपक्ष में रहते हुए किसी मुद्दे का समर्थन करना और सत्ता में आने के बाद उसके विपरीत रुख अपनाना गलत है। जग्गा रेड्डी ने साफ कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर दोहरा रवैया अपनाना ठीक नहीं है और वे ऐसे व्यवहार का विरोध करेंगे। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर हड़ताल के मुद्दे पर कांग्रेस का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को मौजूदा स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि इस समय राज्य में आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल जारी है और कर्मचारी भी सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगा रहे हैं।

हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार को डीजीपी पद पर पदोन्नति मिली है। उन्होंने आज कार्यभार ग्रहण करने के बाद नई जिम्मेदारी के साथ सेवा जारी रखने का संकल्प जताया।

टीएसआरटीसी हड़ताल को लेकर पुलिस सख्त, हॉल मालिकों को चेतावनी

विकाराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल को देखते हुए विकाराबाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने फंक्शन हॉल और टेंट हाउस मालिकों को हड़ताल से जुड़ी किसी भी गतिविधि से दूर रहने के निर्देश दिए हैं। तंडूर थाना प्रभारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर फंक्शन हॉल, कन्वेंशन हॉल और कम्युनिटी हॉल के मालिकों को चेतावनी दी है कि वे हड़ताल के समर्थन में किसी भी कार्यक्रम के लिए अपने परिसर किराए पर न दें। पुलिस के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रम गैरकानूनी हैं और इसके लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है। इसके अलावा, टेंट हाउस संचालकों को भी निर्देश दिया गया है कि वे हड़ताल से जुड़े किसी भी आयोजन के लिए कुर्सियां या टेंट उपलब्ध न कराएं। पुलिस ने साफ कहा है कि यदि कोई व्यक्ति इन निर्देशों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो सब-इंस्पेक्टर निलंबित, नौ एसआई का तबादला

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा में वारंगल पुलिस आयुक्तालय ने कार्रवाई करते हुए दो पुलिस सब-इंस्पेक्टरों को निलंबित कर दिया है। यह कदम उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच के बाद उठाया गया। पुलिस आयुक्त सनप्रीत सिंह ने नरसम्पेट थाने के एसआई रवि कुमार और सीएआर विंग में तैनात ए. प्रवीण कुमार को निलंबित करने के आदेश जारी किए। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। इसके अलावा, पुलिस आयुक्त ने वारंगल कमिश्नरेट के अंतर्गत तैनात नौ सब-इंस्पेक्टरों का भी तबादला किया है। इन्हें अलग-अलग थानों में नई तैनाती दी गई है। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई को अनुशासन बनाए रखने के कदम के रूप में देखा जा रहा है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Mangi Yellaiah S/o. Mangi Sailoo, R/o. H. No. 1-19/3, Hanuman Galli, Nandipet Mandal, Nizamabad Disrtrict, Telangana - 503212,. I intend to change my name from Mangi Yellaih to Mangi Yellaiah, my name wrongly mention in my son's service record and other record purpose.Affidavit date:23/04/2026

I, Ramavtar Naharwal, Father of No. 17015801X, Hav, Yogesh Kumar Naharwal, R/o, Dist : Kotputli - Behror, Rajasthan, changed my name from Ramavtar Naharwal to Ramawtar, vide Affidavit No. 466455 dt. 21.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Lalee Devi, Mother of No. 17015801X, Hav, Yogesh Kumar Naharwal, R/o, Dist: Kotputli - Behror, Rajasthan, changed my name from Lalee Devi to Lali Devi vide Affidavit No. 466457 dt. 21.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बंद कमरे में मिली गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड की लाश

लिव-इन में पति-पत्नी बनकर रह रहे थे, परिवार को शादी का पता नहीं

गुड्डू पासवान, मृतक   ज्योति, मृतक

गौतम बुद्ध नगर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में बंद कमरे में गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड की लाश मिली है। दोनों किराए के मकान में पति-पत्नी बनकर रह रहे थे। बुधवार देर रात मकान के आसपास रहने वाले लोगों को बदबू आई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची तो लड़के का शव फंदे से लटका मिला, जबकि युवती का शव फर्श पर पड़ा था। शुरुआती जांच में पुलिस हत्या के बाद खुदकुशी की आशंका जता रही है। मामला नॉलेज पार्क के तुगलपुर गांव का है।

थाना प्रभारी के मुताबिक, दोनों के परिवार को सूचना दी गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया- युवक का नाम गुड्डू पासवान उर्फ गोलू (30) और लिव-इन पार्टनर का नाम ज्योति(24) है। दोनों तीन साल से साथ रह रहे थे। पुलिस ने जब युवक के परिवार से बात की तो पता चला कि उसकी शादी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ज्योति एक निजी अस्पताल में हाउसकीपिंग का काम करती थी। हालांकि, वह 20 दिनों से काम पर नहीं जा रही थी। गुड्डू बेरोजगार था। शव बुधवार शाम करीब 6 बजे कमरे से बरामद हुए। जो एक दिन पुराने बताए जा रहे हैं। पड़ोसियों ने बताया कि गुड्डू के बेरोजगार होने को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। ज्योति के नौकरी छोड़ने के बाद घर का खर्च मुश्किल हो गया था, जिससे झगड़े और बढ़ गए थे। दोनों को आखिरी बार 20 अप्रैल को देखा गया था। जिस मकान में वे रह रहे थे, उसके मकान मालिक कहीं और रहते हैं। उसी मकान में रहने वाले युवक ने बदबू आने पर मकान मालिक को सूचना दी, जिसके बाद मामला सामने आया।

पुलिस प्रथम दृष्टि में युवती की मौत गला दबाने से होने की आशंका है। फिर इसके बाद युवक ने फंदे पर लटक कर जान दे दीजे। हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही साफ होगी। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन पुलिस को एक मोबाइल फोन मिला है, जिसकी जांच की जा रही है।

कमरा अंदर से बंद था, ऐसे में किसी तीसरे व्यक्ति की एंट्री की संभावना फिलहाल नहीं मानी जा रही है। पुलिस अब इस एंगल पर जांच कर रही है कि युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया।

युवक करीब 8 महीने पहले यहां रहने आया था और तीन महीने बाद युवती भी उसके साथ रहने लगी। दोनों ने मकान मालिक से खुद को पति-पत्नी बताया था।

पूर्णिया में महिला थानाध्यक्ष शबाना आजमी सस्पेंड

वर्दी में रील बनाना पड़ा भारी, विभाग ने एसओपी का उल्लंघन माना; पहले भी विवादों में रही हैं

पूर्णिया, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर वर्दी में रील बनाकर पोस्ट करना पूर्णिया की महिला थानाध्यक्ष को महंगा पड़ गया। नियमों को ताक पर रखकर इंस्टाग्राम पर वीडियो डालने के मामले में थानाध्यक्ष शबाना आजमी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय पहले ही ये निर्देश जारी कर चुका है कि कोई भी पुलिसकर्मी वर्दी में रील या वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करेगा। इसे अनुशासन और वर्दी की गरिमा से जुड़ा गंभीर मामला माना गया है। बावजूद इसके, पूर्णिया में तैनात महिला थानाध्यक्ष लगातार अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वर्दी में रील्स पोस्ट कर रही थीं। जैसे ही यह मामला सामने आया, विभाग ने इसे सीधे-सीधे एसओपी का उल्लंघन माना।

प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बिना देरी के कड़ी कार्रवाई की और शबाना आजमी को सस्पेंड कर दिया गया। ये कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी शबाना आजमी के सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सवाल उठते रहे हैं। हालांकि, इस बार मामला विभागीय नियमों के स्पष्ट उल्लंघन से जुड़ा था, इसलिए कार्रवाई भी सख्त हुई।

एसपी स्वीटी सहरावत ने बताया कि वर्दी की गरिमा के साथ किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच पुलिसकर्मियों के आचरण पर अब खास नजर रखी जा रही है। सभी पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी गई है कि वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल बेहद सावधानी और नियमों के तहत ही करें।

ज्योति सिंह ने भगवान से मां बनने की मन्नत मांगी

नाक तक सिंदूर लगाए नजर आईं, कहा- खुशहाल जिंदगी चाहिए; कोर्ट में चल रहा तलाक केस

आरा(भोजपुर), 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह और ज्योति सिंह के तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। इस मुश्किल के दौर में भी ज्योति सिंह खुशहाल जिंदगी जीने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में अपनी ज्योति सिंह अपनी बहन जूही सिंह के ब्लॉग में नजर आईं, जहां उन्होंने खुलकर अपनी निजी जिंदगी, परिवार और भविष्य की योजनाओं पर बात की।

ब्लॉग में ज्योति सिंह ने बताया कि उन्होंने मन्नत मांगी है, और चाहती हैं कि उनका रिश्ता कभी न टूटे। ज्योति नाक से सिंदूर लगाए नजर आईं, जिस पर उन्होंने कहा कि सिंदूर लगाने से एक अलग ही निखार आता है। वह अक्सर बनारस आती हैं और भगवान भोलेनाथ की भक्त हैं। यहां आकर उन्हें मानसिक शांति मिलती है। ज्योति ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने भगवान से एक खास मन्नत मांगी है, लेकिन अभी आपलोगों के साथ शेयर नहीं कर सकती हूं। ज्योति सिंह अपनी मां के लिए चाय बना रही थीं। इसी बीच उनकी बहन के बेटे भोलू को गोदी में उठाकर इशारों-इशारों में उन्होंने यह जरूर संकेत दिया कि वह मन्नत इनके (यानी बच्चे के) रूप में देख सकते हैं।

अपने भविष्य को लेकर बात करते हुए ज्योति ने कहा कि उन्हें नहीं पता उनकी शादी का आगे क्या होगा, लेकिन वह अपनी बहनों के साथ एक खुशहाल जिंदगी जीना चाहती हैं। अगर भविष्य में हालात ऐसे बने, तो वह अपनी बहनों के साथ एक घर लेकर रहना चाहेंगी, ठीक वैसे ही जैसे 'फ्रेंड्स' सीरीज में दोस्त साथ रहते हैं। इस दौरान उनकी बहनों ने भी उनकी इस इच्छा का समर्थन किया और भगवान से दुआ की कि वे हमेशा इसी तरह साथ रहें। वहीं, दूसरे ज्योति सिंह अपनी बहनों के साथ वाराणसी की गलियों और घाटों पर घूमती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने अपने परिवार के बारे में बताते हुए कहा कि वह तीन बहनों में दूसरे नंबर पर हैं, लेकिन उनकी शादी सबसे पहले हो गई थी। उनकी बड़ी बहन जूही अब तक अविवाहित हैं, जबकि छोटी बहन की भी अभी शादी नहीं हुई है। ज्योति ने इस बात पर भी खुलकर प्रतिक्रिया दी कि अक्सर लोग सवाल उठाते हैं कि बड़ी बहन के होते हुए छोटी की शादी कैसे हो गई। इस पर उन्होंने साफ कहा कि उनका परिवार ऐसी सोच नहीं रखता। हर किसी को अपनी जिंदगी के फैसले लेने की आजादी है। जूही ने खुद अपने पिता से साफ कह दिया था कि वह शादी नहीं करना चाहतीं, जबकि पवन सिंह का रिश्ता उनके लिए आया था, जिसे परिवार ने स्वीकार कर लिया। बता दें कि पवन सिंह की पहली पत्नी नीलम सिंह ने साल 2015 में आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद भोजपुरी सुपर स्टार पवन सिंह के अफेयर की चर्चा जाने-माने भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह के साथ होने लगी। इस बीच पवन सिंह ने उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रहने वाले रामबाबू सिंह की बेटी ज्योति सिंह के साथ 7 मार्च 2018 को शादी की।

मिर्जापुर में सड़क हादसा-11 की मौत, 9 जिंदा जले

ट्रॉले से टकराकर बोलेरो में आग लगी, बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार

मिर्जापुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के मिर्जापुर में बुधवार रात सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश से गिट्टी लादकर आ रहा ट्राला ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया। ट्राले ने पहले स्विफ्ट कार को टक्कर मारी, फिर एक ट्रक से जा टकराया। कार, ट्राले और ट्रक के बीच फंस गई। इस दौरान पीछ से आ रही बोलेरो ट्रेलर में जा घुसी। बोलेरो में तेज धमाके के साथ आग लग गई। ड्राइवर समेत नौ लोग जिंदा जल गए। सभी मृतक आपस में रिश्तेदार थे। इनके अलावा स्विफ्ट कार का ड्राइवर और ट्रक के क्लीनर की भी मौत हो गई। हादसा ड्रमडगंज थाना क्षेत्र में हुआ।

एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने बताया- बोलेरो सवार सभी लोग जिगना थाना के नरैना गांव के रहने वाले थे। परिवार मैहर से बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था। हादसे में 8 साल के बच्चे और उसकी मां की भी मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल ट्रक क्लीनर को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया।

मिर्जापुर-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात साढ़े 9 बजे बड़का मोड़ से एक ट्राला गिट्टी लादकर जा रहा था। अचानक उसका ब्रेक फेल हो गया। इसी बीच ट्राले के पीछे चल रही एक बोलेरो भी ढलान से नीचे उतर रही थी। तभी बेकाबू ट्राला स्विफ्ट कार को रौंदते हुए एक ट्रक से टकरा गया। तभी पीछे से आ रही बोलेरो ट्राले से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो में तुरंत आग लग गई। आग लगने से बोलेरो में सवार सभी यात्री अंदर ही फंस गए और जिंदा जल गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग तेजी से बचाव कार्य में जुट गए। लेकिन, तेज आग के कारण किसी को बचाया नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अपर्णा रजत कौशिक, सीओ लालगंज अमर बहादुर और लालगंज और हलिया थाने की फोर्स भी मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। मिर्जापुर डीएम के मुताबिक, मिर्जापुर के जिगना थाने नरैना निवासी अरुण सिंह का परिवार बेटे शिवा (7) साल का मुंडन कराने मैहर गया था। हादसे में शिवा और उसकी मां वंदना सिंह (38) की भी मौत हो गई है। इसके अलावा परिवार के ही वीणा सिंह (47), बेटे पीयूष सिंह (15) और बेटी सोनम की भी जान चली गई। बोलेरो में सवार प्रियंका (42), कार्तिकेय (18), पंकज सिंह (40), सोनम (9) और विष्णु (बोलेरो ड्राइवर, निवासी रामपुर) की जिंदा जलकर मौत हो गई। प्रियंका सिंह और कार्तिकेय सिंह मध्यप्रदेश के थे, जो मुंडन में शामिल होने आए थे। वहीं, स्विफ्ट कार सवार मृतक जय प्रकाश (27) सोनभद्र के थे। ट्रक क्लीनर विकास भी मध्य प्रदेश का रहने वाला था।

केजीएमयू के कई डिपार्टमेंट में फर्जी डॉक्टर की गहरी पैठ

2 सहयोगी के नाम सामने आए, लारी कार्डियोलॉजी में करते थे ब्रेनवॉश

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केजीएमयू में पकड़े गए 12वीं पास फर्जी डॉक्टर हस्साम अहमद की जड़ें कैंपस के कई विभागों तक फैली हैं। लारी कार्डियोलॉजी में उसकी सबसे ज्यादा पकड़ थी। यहीं के एक फैक अहमद मंसूरी नाम के कार्डियक टेक्नीशियन को कार्डियो सेवा फाउंडेशन का को-फाउंडर भी बताया जा रहा है।

इसके अलावा कुछ साल पहले डीएम कार्डियोलॉजी की पढ़ाई कर चुके डॉक्टर से उसकी ट्यूनिंग बताई जा रही है। आशंका ये भी है कि लारी कार्डियोलॉजी से ही ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण और लव जेहाद का खेल शुरू होता था। जो आगे चलकर ऑर्थो और सर्जरी जैसे कई बड़े विभागों तक फैला हुआ था। आरोपी के प्रभाव और संपर्कों को लेकर जांच एजेंसियां जानकारी जुटा रही हैं। लारी में साल 2023 बैच के कार्डियक टेक्नीशियन प्रोग्राम के स्टूडेंट फैक अहमद मंसूरी को 12वीं पास फर्जी डॉक्टर हस्साम अहमद का बेहद करीबी बताया जा रहा है। वो हस्साम की एनजीओ कार्डियो सेवा का 'को-फाउंडर' भी है।

हस्साम से लिंक सामने आने के बाद उसके फाइनल सेमेस्टर का रिजल्ट रोककर उसकी डिटेल मांगी गई है। डॉ. केके सिंह ने बताया कि मेडिकल काउंसिल से उसका रिजल्ट होल्ड करा दिया गया है। उसकी सारी डिटेल्स मंगाकर गहन जांच की जा रही है। इसके अलावा लारी कार्डियोलॉजी में साल 2023 में डीएम कार्डियोलॉजी करके निकले डॉ.तनवीर अहमद की जांच भी केजीएमयू प्रशासन की तरफ से शुरू की गई है। मौजूदा समय नक्खास इलाके में उसकी क्लीनिक बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि हस्साम के मेडिकल कैम्प में ये जरूर शामिल होते थे। इसके अलावा कुछ वर्ष पूर्व डीएम कार्डियोलॉजी की पढ़ाई कर चुके एक डॉक्टर के साथ भी आरोपी की करीबी होने की बात कही जा रही है। पुलिस और प्रशासन यह पता लगाने में जुटे हैं कि इन संपर्कों का स्वरूप क्या था?

पुलिस और केजीएमयू प्रशासन की पूछताछ में ब्रेनवॉश, धर्मांतरण जैसे गंभीर दावे शामिल हैं। हालांकि अभी तक इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि तथ्यों के आधार पर ही निष्कर्ष निकाले जाएंगे।

इस बीच बुधवार को केजीएमयू परिसर में मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए स्पेशल रीच प्रोग्राम यानी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। डॉ. केके सिंह ने बताया कि शिविर में छात्रों को बाहरी लोगों के किसी भी लालच या झांसे में न आने की सख्त सलाह दी गई। उन्हें स्पष्ट रूप से कहा गया कि अंजान व्यक्तियों से दूरी बनाकर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। यदि कोई व्यक्ति आपको परेशान या गुमराह करने की कोशिश करता है, तो इसकी शिकायत तुरंत की जाए। किसी भी संस्थान या कॉन्फ्रेंस से संबंधित जानकारी को आधिकारिक माध्यमों से सत्यापित करना जरूरी है।

फौजी ने पत्नी की हत्या की, बेटा बोला- सजा मिले

बरेली में चुपचाप घर पहुंचा, गला घोंटकर मार डाला

गीता सिंह मृतक   भारत सिंह (आरोपी पति)

बरेली , 23 अप्रैल (एजेंसियां)। 'मम्मी को पापा ने मारा है। पापा कई दिनों से बरेली में ही छिपकर रह रहे थे, लेकिन हमसे झूठ बोला कि वह पंजाब में ड्यूटी पर हैं। कल वह उस वक्त घर आए, जब हम दोनों भाई स्कूल गए हुए थे। उन्होंने मौका पाकर मम्मी की जान ले ली।'

यह कहना है 14 साल के मासूम दृश्य का। जिसने अपनी मां को खो दिया और पिता की असलियत दुनिया के सामने ला दी।मां की मौत के बाद दृश्य और उसका छोटा भाई हर्ष पूरी तरह टूट चुके हैं। दरअसल, बरेली के सुभाषनगर स्थित वैष्णोधाम कॉलोनी में 21 अप्रैल को फौजी भारत सिंह की पत्नी गीता की दिनदहाड़े घर में गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। जब घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल हुई, तो सुबह 11:17 बजे एक संदिग्ध शख्स मुंह ढककर और छाता लगाकर अंदर दाखिल होता दिखा। एक घंटे बाद वही शख्स बाहर निकला।

पुलिस ने जब बड़े बेटे दृश्य को यह फुटेज दिखाई, तो उसकी चीख निकल गई। उसने बताया कि यह शख्य कोई और नहीं, बल्कि उसके पिता भारत सिंह हैं। पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले दृश्य के मामा के लड़के सचिन कुमार यादव ने भी सीसीटीवी दिखाया। उसने भी आरोपी की पहचान की। सचिन ने बुधवार को भारत सिंह, उसके पिता और भाई के खिलाफ हत्या की नामजद एफआईआर कराई है। भतीजे के मुताबिक, भारत सिंह का किसी महिला के साथ अवैध संबंध था। इसका विरोध करने पर उसने अपनी पत्नी गीता की हत्या कर दी। आरोपी फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

बक्सर में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, 44.4 डिग्री पहुंचा तापमान

बिहार के 10 जिलों में हीट वेव का अलर्ट, मौसम विभाग ने की घरों में रहने की अपील

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने बिहार के 10 जिलों में आज हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में दिन के समय गर्म हवा चलेगी। अगले 3 दिन तक उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-मध्य बिहार के कई हिस्सों में अतिकतम पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर या सामान्य से 4 डिग्री अधिक रहने की आशंका है। फिलहाल गर्मी से 7 दिन तक राहत की उम्मीद नहीं है।

बुधवार को बक्सर (डुमरांव) में पारा 44.4 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। ये अप्रैल के इतिहास के 'ऑल टाइम रिकॉर्ड' (44.5 डिग्री, 30 अप्रैल 2016) से महज 0.1 डिग्री कम है। चौंकाने वाली बात यह है कि 2016 में ये रिकॉर्ड महीने के आखिरी दिन बना था, लेकिन इस बार 8 दिन पहले ही सूरज ने आग उगलनी शुरू कर दी है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बिहार में इस वक्त शुष्क पश्चिमी हवाओं का प्रभाव है। नमी की कमी और तेज धूप के कारण जमीन तेजी से गर्म हो रही है। पछुआ हवा के कारण वातावरण में नमी कम हो रही है, जिससे तापमान लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि फिलहाल बारिश या तेज आंधी की कोई संभावना नहीं है, इसलिए तापमान में तत्काल गिरावट की उम्मीद नहीं है। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने, अधिक पानी पीने और धूप से बचाव की सलाह दी है।

पटना में पिछले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक पटना में अगले कुछ दिनों तक तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। तेज धूप और गर्म हवा के कारण दिन में बाहर निकलना मुश्किल रहेगा।

पटना समेत आसपास के जिलों में सुबह से ही धूप तेज रहेगी। रात के तापमान में भी ज्यादा गिरावट नहीं होगी, जिससे गर्मी से राहत कम मिलेगी।

पटना में 10 साल की बच्ची का अपहरण, फिर हत्या

आंख-चेहरे पर कई जगह जख्म; स्कूल यूनिफॉर्म में घर के पास ही मिला शव

रोशनी कुमारी मृतका

फुलवारीशरीफ, , 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना में 10 साल की छात्रा की अपहरण के बाद हत्या की गई है। बच्ची का शव उसके घर से करीब 500 मीटर दूर एक गली से कंबल में लिपटा हुआ मिला।

मामला बाईपास थाना क्षेत्र का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने एफएसएल टीम और डॉग स्क्वाड को भी छानबीन के लिए बुलाया है। बच्ची का नाम रोशनी कुमारी है। वो 6वीं क्लास में पढ़ती थी। बच्ची बुधवार सुबह से लापता थी। बच्ची के पिता अनु यादव ने बताया कि, 'हम आसपास के घरों में दूध बेचते हैं। बुधवार सुबह बेटी पास के शिवकुमार ठाकुर के घर दूध देने निकली थी, उसके बाद नहीं लौटी। हम उसे तलाशते रहे। हमने बेटी को स्कूल से लेकर गांव में सब जगह ढूंढा, लेकिन वो नहीं मिली। रिश्तेदारों के घर भी गए। सोचा वो वहां चली गई होगी। बेटी वहां भी नहीं मिली। इसके बाद हमने बाईपास थाने को सूचना दी। पुलिस ने भी हमारे साथ गांव में घूम-घूमकर पड़ताल की। पुलिस ने शिवकुमार ठाकुर से भी बात की। शिवकुमार ने बताया कि बेटी उसके घर दूध देने आई थी। दूध देने के बाद वो वहां से निकल गई। मेरी कुछ लोगों से दुश्मनी तो है, लेकिन पता नहीं किसने मेरी बच्ची को मारकर फेंक दिया। स्कूल यूनिफॉर्म में ही उसकी बॉडी मिली है।'

सहारनपुर में मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार

पुलिस को देखते ही फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

सहारनपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सहारनपुर में देर रात को पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान बदमाश ने पुलिस पर गोली चला दी। जिसके बाद पुलिस को भी काउंटर फायरिंग करनी पड़ी। जिसमें बदमाश के पैर पर गोली लग गई और वो घायल हो गया। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया है। उसके बाद से एक तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद हुई है। मामला थाना सरसावा क्षेत्र का है।

सीओ नकुड़ रुचि गुप्ता ने बताया कि देर रात थाना सरसावा पुलिस टीम बोन्सा पुलिया से ग्राम बिडवी जाने वाले मार्ग पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार व्यक्ति ग्राम बिडवी की ओर से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह वापस मुड़कर भागने लगा।

संदेह होने पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। भागते समय आरोपी कच्चे रास्ते पर बाइक से अनियंत्रित होकर गिर गया। इसके बाद उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी और खेतों की ओर भागने लगा। जिसके बाद पुलिस को काउंटर फायरिंग करनी पड़ी। जिसमें आरोपी के बाएं पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान कुलदीप के रूप में हुई है। उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीओ ने बताया कि आरोपी थाना सरसावा में बाइक चोरी और मोबाइल लूट के मुकदमा में फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और चोरी की बाइक बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में चोरी, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और लूट समेत एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

एसजीपीजीआई महिला रेजिडेंट का साथी डॉक्टर ने यौन शोषण किया

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। एसजीपीजीआई लखनऊ की रेजिडेंट डॉक्टर ने साथी डॉक्टर पर यौन शोषण और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। मामले में पीड़ित महिला रेजिडेंट डॉक्टर की तहरीर पर एसजीपीजीआई थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पीड़िता का आरोप है कि पहले आरोपी ने झांसा देकर उसके साथ शारीरिक बनाए और गर्भनिरोधक गोलियां खिलाईं। जब पीड़िता ने उसकी बात नहीं मानी तो आरोपी ने उसका शोषण करना शुरू कर दिया। उसे धमकी दी और उसकी बदनामी करने लगा। जिसके चलते पीड़िता मानसिक अवसाद में चली गई। लंबी लड़ाई और कई दरवाजे खटखटाने के बाद आखिरकार उसकी आवाज सुनी गई। पश्चिम बंगाल की मूल निवासी महिला रेजिडेंट (एमडी छात्रा) मौजूदा समय हॉस्टल में रहती हैं। पुलिस को दी तहरीर में उसने लिखा है कि उसके एक साथी रेजिडेंट डॉक्टर द्वारा शादी का झांसा देकर शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया। पीड़िया न्याय के लिए दो महीने से भटक रही थी आख़िरकार मंगलवार रात पुलिस ने आरोपी डॉक्टर दिल्ली नागलोई निवासी सचिन गुप्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है, लेकिन वह अभी फरार है। पीड़िता के अनुसार नवंबर 2023 में दोनों के बीच पढ़ाई के दौरान दोस्ती हुई, जो धीरे-धीरे गहरे रिश्ते में बदल गई। सचिन ने शादी का भरोसा दिलाकर उसके करीबियां बढ़ाईं। इसी भरोसे में वह उसके साथ रही, लेकिन यह रिश्ता अगस्त 2024 आते-आते उसके लिए मानसिक और शारीरिक पीड़ा का कारण बन गया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसे कई बार शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। संस्थान के हॉस्टल, विभाग, होटल और कार तक में उसका यौन शोषण किया। इतना ही नहीं, उसे जबरन नशा कराया गया और गर्भनिरोधक गोलियां भी दी जाती रहीं। जब पीड़िता ने शादी की बात कही तो आरोपी पीछे हट गया। उसने दूरी बनानी शुरू कर दी और अन्य लड़कियों से नजदीकियां बढ़ा लीं। विरोध करने पर पीड़िता को ही विभाग में बदनाम किया जाने लगा। इस सबके बीच वह मानसिक रूप से टूट गई और एक बार हॉस्टल में ही आत्महत्या का प्रयास भी किया, लेकिन आसपास के लोगों ने समय रहते बचा लिया। पीड़िता ने 24 फरवरी को पुलिस से शिकायत की। इसके बाद 16 मार्च को विशाखा कमेटी, 24 मार्च को वन स्टॉप सेंटर और 30 मार्च को महिला आयोग में गुहार लगाई, लेकिन उसे सिर्फ इंतजार ही मिला।

32 जिलों में लू की चेतावनी, पारा 44सी

गोरिल्ला को तरबूज, बाघ को ओआरएस पिलाया जा रहा; 26 अप्रैल से आंधी-तूफान का अलर्ट

वाराणसी, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। आज यानि गुरुवार को 32 जिलों में हीट वेव (लू) का अलर्ट है। सुबह से तेज धूप निकली है। उमस का एहसास हो रहा है। तेज हवा चल रही है। मौसम विभाग का कहना है कि आज से 3 दिन यानी 25 अप्रैल तक गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। पारा 45सी के पार पहुंच सकता है। हालांकि, 26 अप्रैल से मौसम एक बार फिर बदलेगा। पश्चिमी यूपी से आंधी-तूफान के साथ बारिश का दौर शुरू होगा। जो धीरे-धीरे पूरे प्रदेश को अपनी जद में ले लेगा। ऐसे में 28 अप्रैल तक पूरे यूपी में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। हालांकि, 29 अप्रैल से गर्मी फिर से अपने सख्त तेवर दिखाएगी। पिछले 24 घंटों की बात करें तो प्रदेश के 30 जिलों का पारा 40सी या इससे ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। बांदा सबसे गर्म रहा। यहां दिन में पारा 43.8सी पहुंच गया। न्यूनतम तापमान के मामले में बिजनौर को छोड़कर सभी जिलों में पारा 20सी से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया।

लखनऊ जू में जानवरों के लिए बर्फ की सिल्ली, साफ पानी और कूलर के इंतजाम किए गए हैं।

बाड़ों को ठंडा रखने के लिए 48 स्प्रिंकलर (फव्वारे) लगाए गए हैं। गोरिल्ला को तरबूज-ककड़ी खिलाया जा रहा है। वाराणसी के सारनाथ में मिनी जू में हिरण और बारहसिंगा को खरबूजा-खीरा खिलाया जा रहा है। पक्षियों की डाइट बदल दी गई है। कानपुर में बाघ के लिए ओआरएस के इंतजाम किए गए हैं। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- महाराष्ट्र के आसपास बने एंटी-साइक्लोन के असर से अगले 2-3 दिनों में तापमान में 2-3सी की बढ़ोतरी हो सकती है। पूरा प्रदेश लू की जद में रहेगा। 26 अप्रैल से पश्चिमी यूपी से बारिश के नए दौर की शुरुआत होगी। 3 दिन तक पूरे प्रदेश में बारिश होगी। इससे गर्मी से कुछ राहत मिलगी।

लखनऊः सुबह से भीषण गर्मी पड़ रही है। तेज धूप की वजह से उमस महसूस हो रही है। तेज हवा बेअसर लग रही है। पारा 40 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। रात के वक्त भी उमस का एहसास हो रहा है।

वाराणसीः गर्मी-लू से शहर तप रहा है। बीते तीन दिनों की तरह तापमान 42.2 डिग्री दर्ज किया गया। 28 अप्रैल को वाराणसी और आसपास के जिलों में हल्की बारिश के चलते तपिश से कुछ राहत मिल सकती है।

मेरठः सुबह से ही तेज धूप है।

उपमुख्यमंत्री ने तेजस्वी पर किया पलटवार कहा- वह खुद क्या हैं? पहले उनसे पूछा जाए

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर बहुत ही तीखा प्रहार किया है। उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि वह खुद क्या हैं?

उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव खुद ही बताएं कि वह क्या हैं? पहले उनसे यह पूछा जाए। दरअसल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लॉ एंड ऑर्डर पर एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने बिहार के बिगड़ते लॉ एंड ऑर्डर पर सवाल उठाया था। बिहार में हो रहे अपराधिक घटनाओं पर

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा था कि अपराधी अब सम्राट हो गए हैं। तेजस्वी यादव के इसी बयान पर उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव ने न सिर्फ पलटवार किया बल्कि काफी सख्त शब्दों में आक्रामक प्रहार भी किया। उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव से ही पहले यह पूछा जाए कि वह क्या हैं?

दरअसल आज वीर कुंवर सिंह की जयंती के मौके पर उप मुख्यमंत्री विजेंद्र यादव के साथ विधायक दल के नेता श्रवण कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री विजय सिन्हा वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे थे। माल्यार्पण करने के बाद वह जब बाहर निकलने लगे तभी पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने यह बयान दिया। सबसे पहले उन्होंने कहा कि हमलोग बिहार में बदलाव चाहते हैं ताकि बिहार में विकास आगे बढ़े। बिहार में शांति की स्थापना हो सके। इसके बाद पत्रकारों के सवाल पर उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर बिफर पड़े। फिलहाल उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव के द्वारा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर दिए गए इस बयान का जवाब नहीं आया है।

कोर्ट की वीडियो पोस्ट पर हाई कोर्ट सख्त

केजरीवाल को नोटिस, गूगल और एक्स को भी आदेश- सभी क्लिप तुरंत हटाएं

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कोर्ट की कार्यवाही का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। अदालत ने साफ कहा कि न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा बनाए रखना बेहद जरूरी है और किसी भी तरह की अनधिकृत रिकॉर्डिंग या प्रसारण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स एक्स, गूगल और मेटा को निर्देश दिया है कि कोर्ट की कार्यवाही से जुड़े सभी वीडियो और पोस्ट तुरंत हटाए जाएं। मेटा की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उन्होंने पहले ही ऐसे कंटेंट को हटा दिया है, जबकि गूगल को भी निर्देश दिया गया कि यदि ऐसे वीडियो मौजूद हैं तो उन्हें तुरंत हटाया जाए।

पीआईएल में केजरीवाल और रवीश कुमार पर गंभीर आरोप

यह मामला अधिवक्ता वैभव सिंह की ओर से दायर जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें केजरीवाल, कई अन्य नेताओं और पत्रकार रवीश कुमार पर कोर्ट की कार्यवाही के वीडियो को अवैध रूप से रिकॉर्ड और साझा करने का आरोप लगाया गया है। याचिका में इन सभी के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग भी की गई है।

पूरा मामला दिल्ली के चर्चित एक्साइज पॉलिसी केस से जुड़ा है, जिसमें केजरीवाल ने 13 अप्रैल को खुद अदालत में पेश होकर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष अपनी दलीलें रखी थीं। इसी सुनवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एक अहम सवाल उठाया कि क्या कानून का उल्लंघन करने वाले ऐसे पोस्ट अपने आप हटाए जा सकते हैं। इस पर मेटा के वकील ने कहा कि तकनीकी रूप से यह संभव नहीं है, लेकिन कोर्ट या सरकार के आदेश मिलने पर 24 घंटे के भीतर ऐसे कंटेंट को हटा दिया जाता है।

हाईकोर्ट ने इस मामले में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी पक्षकार बनाते हुए जवाब मांगा है। साथ ही मंत्रालय के सचिव को अगली सुनवाई में पेश होने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 6 जुलाई को तय की गई है, जिससे इस मुद्दे की गंभीरता और बढ़ गई है।

पीआईएल में यह भी आरोप लगाया गया है कि केजरीवाल द्वारा खुद कोर्ट में बहस करना और उसकी रिकॉर्डिंग का वायरल होना एक सोची-समझी साजिश हो सकती है, ताकि जनभावनाओं को प्रभावित किया जा सके। याचिकाकर्ता ने इस पूरे मामले की जांच के लिए SIT गठित करने की भी मांग की है, जिससे आने वाले दिनों में यह मामला और गर्मा सकता है।

सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल में होगी कई पुराने चेहरों की छुट्टी

24 अप्रैल के बाद कभी भी कैबिनेट विस्तार

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में भाजपा के नेतृत्व में पहली बार बनी सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा अब तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी दिल्ली में भाजपा के बड़े नेताओं से मुलाकात करने के बाद पटना में पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से भेंट की है।

इसके बाद यह तय माना जा रहा है कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार कर दिया जाएगा। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के समय जदयू कोटे से दो उप मुख्यमंत्री बनाए गए थे।

पिछली सरकार में भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री थे, जबकि जदयू के खाते में मुख्यमंत्री सहित नौ मंत्री थे। इसके अलावा लोजपा (रामविलास) के दो और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के एक-एक मंत्री शामिल थे। इधर, बताया जाता है कि जदयू अपने कोटे में मंत्रियों की संख्या बढ़ाने का दबाव बना रही है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नीतीश कुमार की हालिया मुलाकात को इसी संदर्भ से जोड़ा भी जा रहा है। हालांकि एनडीए में मंत्रियों को लेकर कोई तनातनी हो इसकी संभावना नहीं के बराबर है। इधर, सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा और जदयू के नए चेहरों को जगह मिलना तय है, जिससे कई पुराने मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 24 अप्रैल को बहुमत साबित करेंगे। जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद मई की शुरुआत में बिहार मंत्रिमंडल विस्तार होने की पूरी संभावना है। पिछली सरकार के संतुलन को बरकरार रखते हुए भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), हम और रालोमो के बीच पदों का बंटवारा लगभग तय है।

हालांकि इस बार कई पुराने नामों की जगह नए चेहरों को मौका मिलना निश्चित माना जा रहा है। हालांकि छोटे दलों में मंत्रिमंडल में चेहरा बदलने की उम्मीद नहीं के बराबर है। ऐसे में लोगों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की निगाह मंत्रिमंडल विस्तार पर टिकी हुई हैं।

रोहित पवार ने बारामती में खोला चुनावी जंग का कच्चा चिट्ठा बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे बड़ा केंद्र माना जाने वाला बारामती एक बार फिर चर्चा में है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के नेता रोहित पवार ने एक बड़ा बयान देकर सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि कुछ लोग जानबूझकर बारामती में 'पवार बनाम पवार' की लड़ाई करवाना चाहते हैं ताकि इस परिवार की साख और विरासत को खत्म किया जा सके। बारामती उपचुनाव के दौरान वोट डालने के बाद रोहित पवार ने जो बातें कहीं, उन्होंने भविष्य की राजनीति की एक नई तस्वीर पेश कर दी है।

रोहित पवार का निशाना सीधे तौर पर भाजपा और उनके सहयोगियों पर था। उन्होंने कहा कि बारामती की जनता कभी नहीं चाहती कि पवार परिवार के लोग आपस में लड़ें, लेकिन महायुति सरकार में शामिल कुछ दल इस तरह की प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा दे रहे हैं। रोहित का मानना है कि यह सब शरद पवार साहब और

दिवंगत अजीत पवार द्वारा बनाई गई विरासत को मिटाने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पर्दे के पीछे से ऐसी चालें चल रहे हैं जिससे 2029 के चुनावों में भी परिवार के ही दो सदस्य आमने-सामने खड़े हो जाएं।

2029 के चुनाव को लेकर क्या है नई चर्चा?

भविष्य की राजनीति को लेकर रोहित पवार ने एक अंदेशा जताया है। उन्होंने कहा कि अगर अजीत पवार की पार्टी से जय पवार मैदान में उतरते हैं, तो मुमकिन है कि उनके सामने युगेंद्र पवार को खड़ा होना पड़े। अगर ऐसा होता है, तो बारामती के लोग एक बार फिर उसी पारिवारिक जंग को देखेंगे जिसे वे पसंद नहीं करते। रोहित ने स्पष्ट किया कि न तो परिवार और न ही जनता इस तरह की कलह चाहती है, लेकिन राजनीतिक गठबंधन अपने फायदे के लिए ऐसा माहौल बना रहे हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव में ननद-भाभी यानी सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार के बीच मुकाबला हुआ था, जिसमें सुप्रिया सुले की जीत हुई। उसके बाद सुनेत्रा पवार को राज्यसभा भेजा गया और अब बारामती उपचुनाव में वह फिर से उम्मीदवार हैं। नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव में चाचा अजीत पवार और उनके भतीजे युगेंद्र पवार के बीच बड़ी टक्कर हुई थी। उस चुनाव में अजीत पवार ने एक लाख से ज्यादा वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। अब चर्चा जय पवार को लेकर है, जिन्होंने खुद कहा है कि लोग चाहते हैं कि वह 2029 का चुनाव लड़ें।

रोहित पवार ने एक बहुत बड़ी बात कही कि अजीत पवार दोनों गुटों को एक करना चाहते थे। उन्होंने दावा किया कि अगर अजीत पवार आज जीवित होते, तो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों का विलय हो चुका होता। रोहित के अनुसार, अगर अजीत दादा होते और यह विलय हो जाता, तो वह पूरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि 2029 में अजीत पवार ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनते। यह बयान दिखाता है कि परिवार के भीतर अब भी पुराने रिश्तों और अजीत पवार की कमी को महसूस किया जा रहा है।

जय पवार और श्रीनिवास पवार की क्या है राय?

इस पूरे विवाद पर परिवार के अन्य सदस्यों की भी प्रतिक्रिया आई है। अजीत पवार के छोटे बेटे जय पवार का कहना है कि जनता की मांग है कि वह 2029 में चुनाव लड़ें, लेकिन फिलहाल वह केवल एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में सेवा करना चाहते हैं। वहीं, अजीत पवार के भाई श्रीनिवास पवार ने इस पूरी बहस को ही गैर-जरूरी बताया है। उन्होंने कहा कि 2029 अभी बहुत दूर है और जो चीजें भविष्य में होनी हैं, उन पर अभी से टिप्पणी करना ठीक नहीं है।

ओडिशा में गर्मी के चलते दोपहर में जनगणना रोकी गई

राजस्थान-यूपी में सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा; देश के 16 शहरों में पारा 43C के पार

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तर प्रदेश

और महाराष्ट्र के कई शहरों में पारा 40C से 45C के बीच बना हुआ है।

महाराष्ट्र का वर्धा और ओडिशा का झारसुगुड़ा बुधवार को 44.6C तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। वहीं देश के 16 शहरों में पारा 43C से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। हीटवेव को देखते हुए ओडिशा सरकार ने दोपहर के समय जनगणना प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। यानी फील्ड स्टाफ सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के दौरान सड़कों पर नहीं भटकेंगे।

राजस्थान और यूपी में ठंडक के लिए सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा है। बीकानेर, ग्वालियर के जू में जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं। इधर, दिल्ली के स्कूलों में वॉटर बेल सिस्टम लागू किया जाएगा। हर 45 से 60 मिनट में घंटी बजाई जाएगी, ताकि छात्रों को पानी पीने की याद दिलाई जा सके और डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके।

देश के पूर्वोत्तर में सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा में आंधी बारिश का अलर्ट है। तटीय राज्यों आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, कोंकण और गोवा के अलावा तेलंगाना में आंधी-बारिश के साथ उमस भरा मौसम रहेगा। महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में ओले गिरने का अलर्ट है।

अतिथि बनकर आया, 'देवता' बनकर ठगा! स्कूटी की 'लाल रेडियम पट्टी' ने सलाखों के पीछे पहुंचाया, 3 जिलों में 10 से ज्यादा वारदातें

सागर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के चांचौड़ा-बीनागंज क्षेत्र में पुलिस ने एक ऐसे शातिर ठग को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जो पिछले दो वर्षों से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। यह आरोपी अतिथि बनकर घरों में घुसता और महिलाओं को अपनी बातों के सम्मोहन में उलझाकर उनके गहने उतरवा लेता था। गुना, राजगढ़ और शिवपुरी जिलों में दहशत का पर्याय बन चुके राजू उर्फ दीपक पुत्र बरिन्द्र विश्वकर्मा (28) निवासी दुवे कॉलोनी अशोकनगर को गिरफ्तार कर लिया गया।

पकड़ा गया आरोपी राजू उर्फ दीपक बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम देता था। वह खुद को दूर का रिश्तेदार बताकर घर में प्रवेश करता था।

पिछले दिनों कुंभराज के बीनागंज में लहरचा रोड निवासी तनीषा व्यास के साथ भी उसने ऐसी ही वारदात की थी। मकान के उद्घाटन का फर्जी निमंत्रण कार्ड देने के बहाने वह घर में घुसा और महिला के मायके व ससुराल का हवाला देकर उसका विश्वास जीता।

पुलिस अधीक्षक हितिका ने बताया कि आरोपी ने व्यक्ति ने पीड़ित महिला को स्वयं को उनका रिश्तेदार बताते हुए मकान उद्घाटन का निमंत्रण देने की बात कही। बातचीत के दौरान अन्य रिश्तेदारों का उल्लेख कर विश्वास जीत लिया। तत्पश्चात पानी मांगने के बहाने घर के अंदर प्रवेश कर गया। बातचीत के दौरान उसने स्वयं के शरीर में देवता आना और पूजा-पाठ जानने वाला बताकर घर में परेशानियों एवं गृह क्लेश की बात कहकर भयभीत किया और फिर गृह शुद्धिकरण के नाम पर उसके पहने हुए सोने के आभूषण उतरवाकर ले लिए और उसे बातों में उलझाकर फरार हो गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने गुना के अलावा राजगढ़ और शिवपुरी जिलों में इसी सम्मोहन पैटर्न पर 7 से 8 वारदातें करना स्वीकार किया है। वह पिछले दो सालों से सक्रिय था और विभिन्न थानों की पुलिस उसे तलाश रही थी, लेकिन पहली बार वह पुलिस के हत्थे चढ़ा है। पुलिस अब उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड मांगेगी, जिससे अन्य वारदातों और चोरी किए गए जेवरातों की बरामदगी हो सके।

हनीमून से पहले ही 'हवा' हो जाती थी 4 पतियों वाली लुटेरी दुल्हन!

राजगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजगढ़ जिले की ब्यावरा सिटी थाना पुलिस एक शातिर लुटेरी दुल्हन को गिरफ्तार किया है। जो अब तक चार शादियां कर लोगों से लाखों की ठगी कर चुकी है। हर बार ये लुटेरी दुल्हन सीधे-साधे कुंवारे लड़कों को निशाना बनाती थी और उन्हें शादी का झांसा देकर उनसे जेवरात और नकदी लूट कर शादी के चंद घंटे बाद ही फरार हो जाती थी। और हर बार पुलिस से बचने के लिए अपना नाम एवं मोबाइल सिम लगातार बदलती रहती थी।

ब्यावरा सिटी थाना पुलिस के अनुसार फरियादी रामगोपाल पिता हजारीलाल वर्मा निवासी बांकपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी शादी नहीं होने पर उसके पिता हजारीलाल वर्मा ने गांव की ही गोकुल वर्मा से अच्छी लड़की देखने को कहा था। इसके बाद गोकुल ने अपने साड़ू भोपाल के बैरसिया

भोपाल में शादी के मंडप से उठा लाई राजगढ़ पुलिस

निवासी जमनालाल वर्मा के द्वारा 2 लाख रुपए देकर 23 अप्रैल को ब्यावरा शहर के अंजलि लाल मंदिर पर दुल्हन दिव्या भवनानी श्री राम गोपाल की शादी कर दी गई थी। लेकिन शादी के करीब 1 घंटे बाद ही दुल्हन दिव्या गोकुल और जमनालाल बाथरूम का बहाना कर वहां से फरार हो गए थे। जिसके बाद पुलिस ने गोकुल और जमनालाल को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन करीब 1 वर्ष बाद लुटेरी दुल्हन अब पुलिस के हत्थे चढ़ी है। लुटेरी दुल्हन को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है, उसके पहले से दो बच्चे हैं। अब तक वह चार दफा शादी कर जेवर-नकदी लेकर फरार हो चुकी है।

पुलिस ने बताया कि लुटेरी की दुल्हन के द्वारा रामगोपाल के अलावा तीन शादियां कर चुकी है। दिव्या के एक बेटा और एक बेटी भी है। हर बार नकदी और जेवरात लेकर शादी के अगले दिन फरार हो जाती थी। पुलिस ने बताया कि लुटेरी दुल्हन को पकड़ने के लिए पुलिस में करीब 15 सीडीआर निकली तो पता चला कि दिव्या नागपुर में है। लेकिन पुलिस वहां पहुंचती उससे पहले ही दिव्या शादी आकाश से करके उसे चूना लगाकर भोपाल आ चुकी थी। इसी बीच पुलिस ने उसे शादी रचाने के बाद ही भोपाल से गिरफ्तार कर लिया। लुटेरी दुल्हन हर बार पुलिस से बचने के लिए अपना नंबर और नाम बदल लेती थी।

महिला सिपाही की गला दबाकर हत्या के आरोप में पति हिरासत में

बेतिया, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम चंपारण के सहोदरा थाना क्षेत्र के सुपौली गांव में एक महिला सिपाही की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतका की पहचान पटना जिला बल में तैनात संकेशी कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों ने इस घटना को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए ससुराल पक्ष पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है।

इस संबंध मे मृतका की मां लंगवती देवी और बड़ी बहन मीरा देवी ने बताई की संकेशी कुमारी ने 7 मार्च 2025 को परिवार की सहमति से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद वो अपने ससुराल में रह रही थीं। 21 अप्रैल 2026 को वह अपनी छोटी बहन की शादी में शामिल होने मायके आई थी, जहां घर में खुशियों का माहौल था। शादी के अगले दिन सुबह करीब 7 बजे उसका पति गाली-गलौज कर अपने साथ घर ले गया, लेकिन उसी दिन शाम करीब 7 बजे उनकी आत्महत्या की खबर मिली।

संकेशी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जब मायके पक्ष के लोग सुपौली स्थित ससुराल पहुंचे तो उन्होंने महिला सिपाही संकेशी कुमारी का शव जमीन पर पड़ा पाया। परिजनों का दावा है कि शव पर गला दबाने के निशान थे, जिससे उन्हें हत्या की आशंका है। उनका आरोप है कि ससुराल पक्ष ने घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। परिवार के मुताबिक, संकेशी कुमारी चार महीने की गर्भवती थी और आने वाले बच्चे को लेकर कई योजनाएं बना रही थीं। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

सूचना मिलते ही घटनास्थल पर बेतिया पुलिस पहुंच तेजी से कार्रवाई करते हुए मृतका के पति सुजीत कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं अन्य ससुराल पक्ष के सदस्य फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बेतिया जीएमसीएच में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार, रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और फॉरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं।

I-पैक रेड मामला, एससी बोला- ऐसी याचिकाएं सुनना खतरा ईडी अफसरों के व्यक्तिगत अधिकार हैं तो क्या सीएम ममता के नहीं हैं

नई दिल्ली/कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन I-पैक रेड मामले पर ईडी की याचिका पर सुनवाई हुई। ईडी अफसरों की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलीलें रखीं। उन्होंने कहा कि ईडी अफसरों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है।

ईडी ने कहा- 'रूल ऑफ लॉ' समानता के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। जब 'रूल ऑफ लॉ' का उल्लंघन होता है, तो एजेंसी और उसके अधिकारी व्यक्तिगत और आधिकारिक अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

इस पर जस्टिस पी.के. मिश्रा और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने कहा- अगर हम इस तरह की याचिकाएं सुनते रहे, तो खतरा है। यह कोर्ट अनुच्छेद 32 की याचिकाओं से भर जाएगा। क्या हमें इसे बढ़ावा देना चाहिए या खारिज करना चाहिए?

ईडी ने कहा, 'कोलकाता में ईडी अफसरों को रोका गया, बंधक बनाया गया। उनके खिलाफ व्यक्तिगत अपराध हुए हैं। वे पीड़ित हैं।' इस पर कोर्ट ने पूछा- अगर ईडी अधिकारियों के व्यक्तिगत अधिकार हैं, तो क्या मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के व्यक्तिगत अधिकार नहीं हैं?

ईडी इस साल 8 जनवरी को पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी I-पैक दफ्तर और उसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के कोलकाता स्थित घर और दफ्तर पर रेड करने पहुंची थी। यह कंपनी बंगाल में टीएमसी का चुनावी कैंपेन संभालती है। I-पैक का टीएमसी से 2019 लोकसभा चुनाव से जुड़ाव रहा है।

रेड के दौरान ममता और बंगाल पुलिस के कई अधिकारी वहां पहुंचे। आरोप है कि ममता वहां से कई फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अपने साथ ले गईं। ममता ने कहा कि उन फाइलों में उनकी राजनीतिक पार्टी से जुड़ी जानकारी थी।

दूसरी ओर, ईडी का कहना है कि ये छापे 2020 के मनी लॉन्ड्रिंग केस के तहत किए जा रहे थे। एजेंसी की याचिका के अनुसार, ममता की दखल के कारण जांच से जुड़े जरूरी फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक सबूत वहां से हटा दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि जब कोई मुख्यमंत्री किसी केंद्रीय एजेंसी की चल रही जांच में दखल देता है, तो इसे केंद्र और राज्य सरकार के बीच का विवाद नहीं कहा जा सकता। ममता की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें रखीं। उन्होंने कहा- ईडी को जांच करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। यह सिर्फ उनका काम है, अधिकार नहीं। सिंघवी ने कहा- ईडी का अधिकारी जब काम कर रहा है, तो वह सिर्फ 'सरकारी कर्मचारी' है। वह अपने विभाग से अलग किसी अधिकार का दावा नहीं कर सकता।

इधर, दिल्ली की एक कोर्ट ने गुरुवार को I-पैक के को-संस्थापक और डायरेक्टर विनेश चंदेल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने चंदेल को 10 दिन की हिरासत पूरी होने के बाद कोर्ट में पेश किया गया था।

14 अप्रैल को कोर्ट ने ईडी को चंदेल से 10 दिन तक पूछताछ की इजाजत दी थी। ईडी ने 13 अप्रैल को चंदेल को इस मामले में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। चंदेल पेशे से वकील हैं, I-पैक में 33% हिस्सेदारी रखते हैं।

I-पैक यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है। यह राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। कंपनी और उसके को-फाउंडर प्रतीक जैन पर करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।

पूरा मामला 2,742 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। इसमें कारोबारी अनूप मजी पर कोयला तस्करी में शामिल होने का आरोप है। ईडी के मुताबिक, मजी के नेतृत्व में एक कोयला तस्करी गिरोह बंगाल में ईसीएल के इलाकों से कोयला चोरी और अवैध खनन करता था और उसे विभिन्न फैक्ट्रियों/प्लांट्स में बेचता था।

ट्रम्प ने आर्मी के बाद नौसेना चीफ को बर्खास्त किया

ईरान जंग के बीच परमाणु विभाग के साइंटिस्ट भी सस्पेंड, हनी ट्रैप में फंसे थे

वॉशिंगटन, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के भीतर लगातार बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को आर्मी चीफ रैंडी जॉर्ज को हटाया था। अब नौसेना प्रमुख जॉन फेलन को भी पद से बर्खास्त कर दिया है।

इसके साथ ही परमाणु विभाग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी एंड्रयू हग को संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में सस्पेंड किया गया है, जो कथित तौर पर हनी ट्रैप में फंस गया था।

यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका, ईरान के साथ जंग में उलझा हुआ है। फारस की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना एक्टिव है।

पेंटागन की तरफ से छोटा सा बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई, लेकिन हटाए जाने की स्पष्ट वजह नहीं बताई गई। हालांकि सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों से फेलन और पेंटागन के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार मतभेद चल रहे थे। खासकर नौसेना के जहाज निर्माण कार्यक्रम, काम करने के तरीके और नेतृत्व को लेकर उनके और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच टकराव बढ़ता जा रहा था।

दरअसल, अमेरिका अपनी नौसेना को मजबूत करने के लिए नए युद्धपोत, पनडुब्बियां और सपोर्ट जहाज तेजी से बनाना चाहता है। इसके लिए बड़े स्तर पर शिपबिल्डिंग सुधार शुरू किए गए थे, जैसे नए जहाजों के डिजाइन को तेज करना, निर्माण प्रक्रिया को आधुनिक बनाना और प्राइवेट शिपयार्ड के साथ तालमेल बेहतर करना।

इन योजनाओं में कई दिक्कतें आ रही थीं। जहाजों के बनने में देरी हो रही थी, कई प्रोजेक्ट तय समय से काफी पीछे चल रहे थे। लागत भी लगातार बढ़ रही थी, यानी बजट से ज्यादा खर्च हो रहा था। हेगसेथ का मानना था कि जरूरी सैन्य सुधारों को लागू करने में फेलन काफी धीमे हैं।

वहीं, फेलन का सीधे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संपर्क करना भी विवाद की वजह बना। दरअसल फेलन सीधे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संपर्क कर रहे थे, जबकि आम तौर पर ऐसा नहीं किया जाता।

अमेरिकी सेना में एक तय कमांड चेन होती है। यानी फैसले और जानकारी नीचे से ऊपर एक तय क्रम में जाती है। जैसे नौसेना के अधिकारी पहले अपने सीनियर को रिपोर्ट करते हैं, फिर रक्षा मंत्रालय के जरिए बात राष्ट्रपति तक पहुंचती है।

लेकिन आरोप था कि फेलन ने इस तय व्यवस्था को नजरअंदाज करते हुए सीधे राष्ट्रपति से बात की या अपने मुद्दे रखे। इससे हेगसेथ नाराज हो गए थे।

रैंडी जॉर्ज- समय से एक साल पहले जबरन निकाले गए

अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को 2 अप्रैल को हटा दिया गया। रैंडी का पद साल 2027 में समाप्त होने वाला था।

उनके जाने के बाद वाइस चीफ ऑफ स्टाफ जनरल क्रिस्टोफर ला नेव कार्यवाहक आर्मी चीफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। ला नेव पहले हेगसेथ के सहायक रह चुके हैं। इस पूरे मामले में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं दी गई है। पेंटागन ने सिर्फ इतना कहा कि वह रिटायर हो रहे हैं और उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

ट्रंप के 'नरक' वाले पोस्ट पर भारत के पक्ष में कूदा ईरान

अमेरिका को असली जहन्नुम बताया

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अपनी मर्यादा की सारी सीमाएं लांघकर भारत को 'नरक' बताने की गलती की है। इसपर ईरान ने उसे जमकर लताड़ा है और कहा है कि असली नरक तो अमेरिका है और भारत तो 'सभ्यता का पालना' है।

डोनाल्ड ट्रंप की ताजा हरकत का जवाब दिया है भारत में हैदराबाद स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के कॉन्सुलेट जनरल ने। इसने अपने एक्स पोस्ट में भारत के साथ-साथ चीन को भी सभ्यता का पालना बताया है और अमेरिका को असली जहन्नुम।

चीन और भारत सभ्यता के पालने हैं। असल में नरक तो वह (अमेरिका) है, जिसके युद्ध-अपराधी राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने ईरान की सभ्यता को नष्ट करने की धमकी दी है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की सभ्यता मिटाने की दी धमकी

दरअसल, ईरान के साथ युद्ध के दौरान एक मौके पर ट्रंप ने उसे धमकी दी थी कि अगर ईरान उनकी शर्तों को नहीं मानता और होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोलता तो वह उसकी सभ्यता को पाषाण युग में पहुंचा देंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि 'आज रात एक पूरी सभ्यता मिट जाएगी।'

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन को 'नरक' बताया

ईरान ने भारत और चीन को लेकर ताजा प्रतिक्रिया ट्रंप की ओर से ट्रूथ सोशल पर किए गए एक पोस्ट पर दी है।

इसमें उन्होंने माइकल सैवेज के कंजर्वेटिव टॉक शो की एक ट्रांसक्रिप्ट साझा की है।

इसमें सैवेज ने अमेरिकी जन्मजात नागरिकता के खिलाफ बहुत ही आक्रामक अंदाज में बोला है।

सैवेज ने कहा कि कथित रूप से गर्भावस्था के आखिर में दूसरे देशों के लोग अमेरिका चले आते हैं, जिससे उनके बच्चों को खुद ही अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है।

फिर वे अपने परिवार वालों को अमेरिका बुला लेते हैं, जिसमें भारत और चीन जैसे देश भी शामिल हैं।

इन देशों को वह 'धरती पर नरक जैसी जगह' बताते हैं।

सबसे पुरानी सभ्यताओं में शामिल हैं भारत और चीन

भारत और चीन दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में गिनी जाती है, जिनका अतीत हजारों-हजार साल पुराना है।

जबकि अमेरिका की स्थापना ही 1776 में हुई और वह मुश्किल से 250 साल की सभ्यता बन पाया है।

ईरान की सभ्यता भी अमेरिका से काफी पुरानी है।

इस समय ईरान और अमेरिका युद्ध के बीच में खड़े हैं। इस युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रुक गई है, जिससे दुनिया का बड़ा हिस्सा परेशान है।

सबसे ज्यादा परेशानी झेलने वालों में भारत और चीन के अलावा खाड़ी के देश हैं।

यह युद्ध भी अमेरिका की वजह से शुरू हुई, जिसके चलते दुनिया की बड़ी आबाद के सामने तेल और गैस का संकट खड़ा हुआ है।

ऐसे समय में अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारत और चीन के लिए जिस भाषा को हवा देने की कोशिश की गई है, वह उसके सुपर पावर होने की स्थिति को बौना कर रहा है।

झारखंड 10वीं बोर्ड रिजल्ट जारी

गुमला में 99 .32% स्टूडेंट पास, चतरा 24वें स्थान पर, हजारीबाग से सबसे ज्यादा टॉपर

रांची, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने गुरुवार को 10वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इन परिणामों में गुमला जिला 99.32 प्रतिशत उत्तीर्ण छात्रों के साथ राज्य में पहले स्थान पर रहा। वहीं, चतरा जिला 91.20 प्रतिशत उत्तीर्ण छात्रों के साथ 24वें स्थान पर रहा, जो सबसे कम उत्तीर्ण प्रतिशत वाला जिला है।

टॉपर स्टूडेंट में सबसे ज्यादा हजारीबाग इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राएं रहीं। जैक द्वारा फरवरी/मार्च माह में आयोजित इन परीक्षाओं में राज्य भर से कुल 4 लाख 22 हजार 109 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। इनमें से 4 लाख 2 हजार 178 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं।

इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय (हजरीबाग) की प्रियांशु कुमारी, एस एस उच्च विद्यालय, बानो (सिमडेगा) की शिवांगी कुमारी, प्रेमचंद उच्च विद्यालय मेसरा, (रांची) के प्रेम कुमार साहू तथा संत अलोसियस (रांची) के सनी कुमार ने संयुक्त रूप से 99.60% नंबर लाकर राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

वहीं, इस वर्ष परीक्षा का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 95.27 रहा। प्रथम स्थान पर रहे गुमला जिले में कुल 13 हजार 760 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 13 हजार 667 छात्र उत्तीर्ण हुए।

घोषित परिणामों के अनुसार, कुल 2 लाख 26 हजार 957 छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। 1 लाख 60 हजार 673 छात्र द्वितीय श्रेणी में और 14 हजार 548 छात्र तृतीय श्रेणी में पास हुए हैं।

नेपाल में भारत को पछाड़कर अमेरिका ने मारी बाजी

बालेन शाह पर डोरे डाल रहे ट्रंप, बढ़ेगी टेंशन

काठमांडू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत का पड़ोसी देश नेपाल इन दिनों वैश्विक महाशक्तियों के बीच जंग का मैदान बना हुआ है। नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद से ही भारत, चीन और अमेरिका के बीच शह और मात का खेल जारी है। हालांकि, इसमें अमेरिका ने भारत और चीन को पछाड़ते हुए बड़ी बाजी मार ली है। यह बाजी इतनी बड़ी है कि इससे भारत की टेंशन बढ़ गई है। आशंका है कि इससे नेपाल सरकार पर अमेरिका का प्रभुत्व बढ़ सकता है। ऐसे में भारत नेपाल में पल-पल बदलते हालात पर करीबी नजर बनाए हुए है। चीन भी नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियों के सहारे फिर से प्रभाव जमाने की कोशिश में है।

दरअसल, नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद भारत एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल काठमांडू भेजने वाला था। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश सचिव विक्रम मिस्री करने वाले थे, जिसके बाद प्रधानमंत्री बालेन शाह का भारत का राजकीय दौरा होना था। भारत की ओर से उच्च स्तरीय दौरे की तैयारियां चल रही थीं और नेपाल के साथ आंतरिक चर्चाएं भी जारी थीं, लेकिन अमेरिका का उच्च स्तरीय दौरा पहले हो गया। ट्रंप प्रशासन ने दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों की प्रधान उप सहायक सचिव एलिस वेल्स को नेपाल भेज दिया। यह नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद पहला विदेशी उच्चस्तरीय दौरा है।

विदेश मामलों के विशेषज्ञ, आईडीएसए की एक्जिक्यूटिव काउंसिल के पूर्व सदस्य और कई विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर रह चुके सुख देव मुनि ने अमेरिकी डिप्लोमेट के नेपाल दौरे को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत को काठमांडू में एलिस वेल्स के दिए गए बयानों को ध्यान से सुनना चाहिए। सुख देव मुनि ने अमेरिकी कांग्रेस की विदेश मामलों की समिति के समक्ष वेल्स की गवाही का हवाला देते हुए कहाः 'संयुक्त राज्य अमेरिका नेपाल पर प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास नहीं करता है, न ही चीन या कोई अन्य देश।'

उन्होंने दावा किया कि यहां अमेरिकी राजनयिक का 'किसी और देश' से तात्पर्य भारत से था। उन्होंने यह भी कहा कि शीत युद्ध के प्रारंभिक दौर में, अमेरिका ने नेपाल में भारत के प्रभाव को नियंत्रित करने का भी प्रयास किया था। वेल्स की यात्रा से भारत पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। नेपाल-भारत संबंध अद्वितीय हैं। वेल्स की यात्रा से ज्यादा बदलाव नहीं आएगा, लेकिन यह एक संकेत है कि अमेरिका नेपाल में अपनी भागीदारी बढ़ाने का इरादा रखता है।

संतोष साव हत्याकांड का मुख्य शूटर रोहतास से गिरफ्तार

बेटे की शादी की वजह से पिता की हुई थी हत्या, लड़की के भाई ने कराई थी हत्या

पलामू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू के छतरपुर में 2024 के चर्चित संतोष साव हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले में फरार चल रहे मुख्य शूटर रजनीश कुमार उर्फ छोटू सिंह को बिहार के रोहतास से गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया था कि इस हत्या की वजह पारिवारिक रंजिश थी, जो एक अंतरजातीय प्रेम विवाह से जुड़ी थी।

आरोपी आशुतोष कुमार सिंह की बहन ने संतोष साव के बेटे के साथ अंतरजातीय प्रेम विवाह किया था। इस रिश्ते को लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद था। बताया जाता है कि आशुतोष ने बदला लेने के लिए बाहर से शूटर बुलाए थे।

29 अप्रैल 2024 को संतोष प्रसाद पर छतरपुर स्थित गर्ल्स स्कूल गेट के पास हमला किया गया।

हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने इस मामले में पहले ही मुख्य साजिशकर्ता आशुतोष कुमार सिंह उर्फ बुट्टा और उसके सहयोगी रोशन कुमार को गिरफ्तार कर लिया था। उनके पास से अवैध हथियार और कारतूस भी बरामद किए गए थे।

मुख्य शूटर रजनीश कुमार उर्फ छोटू सिंह (23) घटना के बाद से फरार था। पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी और आखिरकार उसे बिहार के रोहतास जिले से गिरफ्तार कर लिया गया।

बलूचिस्तान का सोना और तांबा 'चुरा' रहा था पाकिस्तान

विद्रोहियों के हमले में 9 खनिकों की मौत

इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बलूचिस्तान से तांबा और सोना चुराना पाकिस्तान को महंगा पड़ रहा है। इस सूबे के चगाई जिले में स्थित एक खदान पर अज्ञात हमलावरों के हमले में 9 खनिकों की मौत हुई है। ये सभी खनिक उस खदान में सोना और तांबा की खुदाई में शामिल थे। इस खदान को चलाने वाली कंपनी माइनिंग कंपनी नेशनल रिसोर्सेज लिमिटेड (एनआरएल) ने कहा कि यह हमला बुधवार शाम को हुआ। कंपनी ने बताया कि फ्रंटियर कोर समेत सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई की, इलाके को सुरक्षित किया और एक क्लीयरेंस ऑपरेशन शुरू किया।

विद्रोहियों के हमले में 9 लोगों की मौत

कंपनी ने अपने बयान में लोगों के हताहत होने की जानकारी को छिपाने की कोशिश की। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने इस हमले में 9 लोगों के मौत की पुष्टि की है। चगाई प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, कम से कम नौ कर्मचारी, जिनमें दो सुरक्षा गार्ड भी शामिल थे, मारे गए। पुलिस ने भी इस हमले और नौ लोगों की मौत की पुष्टि की। सभी नौ शवों को दलबांदिन के प्रिंस फहद अस्पताल ले जाया गया।

अपने बयान में, एनआरएल ने कहा कि वह बलूचिस्तान में स्थानीय समुदायों के विकास और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिसका मुख्य ज़ोर आजीविका में सुधार और आर्थिक उत्थान में योगदान देने पर है। कंपनी ने दावा किया, दारीगवान साइट पर काम करने वाले 90 प्रतिशत से ज़्यादा लोग बलूचिस्तान के ही हैं। एनआरएल ने कहा कि वह संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है और उसने दोहराया कि उसके कर्मचारियों और ऑपरेशन्स की सुरक्षा और हिफाज़त उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

एनआरएल एक पाकिस्तानी माइनिंग कंपनी है, जिसे लकी सीमेंट, फातिमा फर्टिलाइजर और लिबर्टी मिल्स के बीच एक जॉइंट वेंचर के तौर पर बनाया गया है। यह कंपनी चगाई में तांबा-सोना और सीसा-जस्ता के भंडारों की खोज में सक्रिय रूप से लगी हुई है और उसने कई महत्वपूर्ण खनिज खोजों की जानकारी दी है।

रूस के सबसे घातक स्टील्थ फाइटर जेट को खरीदने की तैयारी में चीन का पड़ोसी

पुतिन ने भारत को फिर भेजा प्रस्ताव

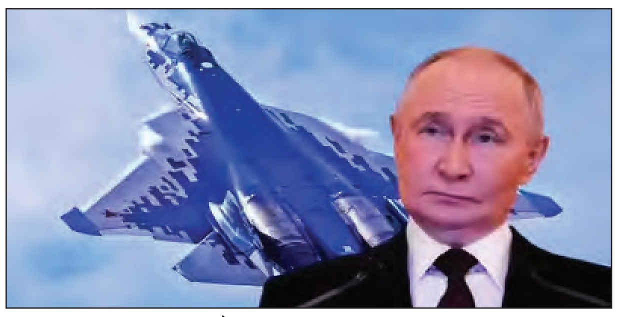

हनोई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। वियतनाम के रक्षा मंत्रालय ने 2030 के दशक की शुरुआत में रूसी एसयु-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को खरीदने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संभावना है कि इन विमानों का उपयोग उसकी अग्रिम पंक्ति में तैनात 12 एसयु-27 और 30 एसयु-22 चौथी पीढ़ी लड़ाकू विमानों को बदलने में किया जाएगा। सबसे पहले 2017 के मध्य में वियतनामी अखबार 'डेट वियत' में खबरें सामने आई थीं कि मंत्रालय 2030 के आसपास से 12-24 एसयु-57 विमानों को खरीदने की योजना बना रहा है। इसके बाद जनवरी 2019 की शुरुआत में भी इस संबंध में और खबरें सामने आईं।

वियतनाम के पास आज लड़ाकू विमानों का जो बेड़ा है वह पूरी तरह से सोवियत और रूसी विमानों से बना है। इसी तरह उसकी थल सेना, नौसेना और वायु रक्षा नेटवर्क भी आपूर्तिकर्ता के रूप में रूस पर ही अत्यधिक निर्भर हैं।

एसयु-57 को वियतनाम के अपने हवाई बेड़े को आधुनिक बनाने के लिए अब तक का सबसे संभावित विकल्प माना जाता है। इस विमान की खास तौर पर लंबी रेंज इसे देश के ठिकानों से दक्षिण चीन सागर के विवादित जलक्षेत्रों में गश्त करने में सक्षम बनाती है।

एसयु-57 की लंबी रेंज और शक्तिशाली सेंसर चौथी और पांचवीं पीढ़ी के खतरों के खिलाफ बड़े क्षेत्र की सुरक्षा के लिए सबसे उपयुक्त हैं। साथ ही यह वियतनाम की जमीन-आधारित एयर डिफेंस सिस्टम, दूसरे जहाजों और अन्य विमानों के साथ पूरी तरह से तालमेल बिठा सकता है और डेटा लिंक के जरिए जानकारी साझा कर सकता है। रूस ने इसी फाइटर जेट से यूक्रेन के कई एयर डिफेंस सिस्टम और रडार तबाह किए हैं जिससे इस विमान की डिमांड अब काफी बढ़ गई है। रूसी सेना ने यूक्रेन के खिलाफ हवा से हवा में होने वाली लड़ाई और दुश्मन के भारी सुरक्षा वाले हवाई क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल किया है। इसके मिसाइल हमले काफी ज्यादा असरदार माने गये हैं। अप्रैल के मध्य में रूसी रक्षा निर्यात समूह 'रोसोबोरोनएक्सपोर्ट' ने इस बात की पुष्टि की है कि कई देशों ने पहले ही इस विमान के लिए अपने ऑर्डर दे दिए हैं। ईरान, भारत और उत्तर कोरिया के साथ-साथ वियतनाम को भी इस विमान के सबसे संभावित ग्राहकों में से एक माना जा रहा है।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे जहाजों से वसूला पहला टोल टैक्स

तेहरान, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने कहा है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट से टोल टैक्स वसूलना शुरू कर दिया है। समाचार एजेंसी एएफपी ने ईरानी संसद के सेकंड उपाध्यक्ष के हवाले से इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों से अपना पहला टोल राजस्व इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। उसने मौजूदा प्रतिबंधों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रति बैरल एक नया शुल्क लागू किया है। ईरान ने जहाजों से टोल उस वक्त वसूलना शुरू किया है जब डोनाल्ड ट्रंप ने उसे धमकी दे रखी थी।

होर्मुज स्ट्रेट से टोल वसूलने की शुरूआत होने का मतलब है कि ईरानी अधिकारियों ने डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी को हवा में उड़ा दिया है। शिन्हुआ न्यूज के मुताबिक इस कदम से यह रणनीतिक जलमार्ग एक तेहरान टोल बूथ में बदल गया है जिससे सालाना 70 से 80 अरब डॉलर की कमाई होने का अनुमान है। हालांकि नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं बनी हुई हैं।

ईरान ने लंबे समय से यह दावा किया है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से अब टोल वसूलना शुरू करेगा। उसने कहा था कि होर्मुज को वो कंट्रोल करता है इसलिए वहां से गुजरने वाले विदेशी जहाजों को 'सुरक्षा शुल्क' या 'टोल' देना चाहिए। अब ईरान ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि उसने इस टोल से अपनी पहली राजस्व राशि हासिल कर ली है। हालांकि अभी ये पता नहीं चल पाया है कि वो जहाज किस देश का है जिसने टोल टैक्स चुकाया है। ईरान के विदेश मंत्री ने पहले होर्मुज स्ट्रेट खोलने की बात कही थी लेकिन बाद में वो अपने दावे से पलट गये और ऐसा IRGC के दबाव से किया गया था।

बता दें कि होर्मुज स्ट्रेट से दुनिया का लगभग 20% से 30% कच्चा तेल गुजरता है। यह खाड़ी देशों जैसे सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, इराक को खुले समुद्र से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है।

होर्मुज को बाइपास करने के लिए इजरायल ने तेज किया भारत वाले कॉरिडोर पर काम

तेल अवीव, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायली अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वो इंडिया मिडिल ईस्ट इकोनॉमिक कॉरिडोर यानि IMEC का काम तेज करने के लिए कोशिशें शुरू कर दी हैं। इसका मकसद होर्मुज स्ट्रेट से ईरान के दबदबे को कम करना और एक बाइपास मार्ग तैयार करना है। यह गलियारा खाड़ी, जॉर्डन और इजरायल के रास्ते भारत को यूरोप से जोड़ता है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। इजरायल के अधिकारियों का कहना है कि ऐसा कॉरिडोर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ईरान के प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकता है और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से जुड़े विचार इजरायल के सैन्य विकल्पों को सीमित न करें।

इस प्रोजेक्ट की घोषणा बाइडन प्रशासन ने 7 अक्टूबर के हमले से कुछ हफ्ते पहले की थी लेकिन गाजा में युद्ध के बाद इसमें इजरायल की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे और सऊदी अरब की हिचकिचाहट की बड़ी वजह यही है।

लेकिन होर्मुज बंद होने के बाद सऊदी भी एक वैकल्पिक मार्ग चाहता है जिसने इजरायली विदेश मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के सामने एक दुर्लभ दरवाजा खोल दिया है।

डूरंड लाइन को नहीं मानते पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा

काबुल, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। तालिबान के सीमा मामलों के मंत्री नूरुल्लाह नूरी ने कहा है कि पाकिस्तान चाहता है कि कथित डूरंड लाइन को ही दोनों देशों के बीच सीमा बना दिया जाए। तालिबानी मंत्री ने कहा कि वह पाकिस्तान के इस नापाक इरादे को खारिज करते हैं और पुरजोर तरीके से कहते हैं कि डूरंड लाइन कोई आधिकारिक सीमा रेखा नहीं है। नूरी ने कहा कि पाकिस्तान का यह भी इरादा है कि अफगानिस्तान में कोई भी मजबूत सरकार आए ही नहीं। तालिबानी मंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दोनों ही देशों में जोरदार लड़ाई के बाद सीमा बंद है।

पाकिस्तान डूरंड लाइन पर बाड़ लगाना चाहता है लेकिन तालिबानी इसका कड़ा वरोध कर रहे हैं। तालिबानी मंत्री ने अफगानिस्तान के तखार प्रांत में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह चेतावनी दी। नूरी ने कहा कि अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं करना चाहती है। उन्होंने साथ ही यह भी चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान पर युद्ध को थोपा गया तो अपनी जमीन की रक्षा करना हर अफगानी का फर्ज होगा। तालिबानी नेता नूरी ने कहा कि पाकिस्तान का नापाक एजेंडा यह है कि वह नहीं चाहता है कि पूरे अफगानिस्तान में एक मजबूत सरकार बने।

नूरी ने कहा कि पाकिस्तान चाहता है कि अफगानिस्तान पर उसका प्रभाव रहे। अफगान मंत्री ने कहा, 'पाकिस्तान चाहता है कि जो सीमा रेखा हमारे सीने पर से गुजरती है, उस काल्पनिक डूरंड लाइन को एक आधिकारिक सीमा बना दयिा जाए लेकिन हमने पुरजोर तरीके से कहा है कि यह एक आधिकारिक सीमा नहीं है और कभी होगी भी नहीं।' नूरी ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा कि देश का वर्तमान सिस्टम अफगान महिलाओं और पुरुषों के मान्यताओं, संस्कृति और मूल्यों के आधार पर है।

दुर्गाष्टमी तिथि का धार्मिक महत्त्व

शुक्ल पक्ष अष्टमी
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
अष्टमी तिथि आरंभ: 23 अप्रैल 2026 को रात्रि 08:49 बजे शुरू हो चुकी है
अष्टमी समाप्त तिथि: 24 अप्रैल 2026 को शाम 07:22 बजे

अष्टमी तिथि हिन्दू पंचांग में हर माह आने वाली एक पवित्र तिथि है। यह तिथि विशेष रूप से देवी पूजन, व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। अष्टमी तिथि को मां दुर्गा और भगवान शिव के विभिन्न रूपों की पूजा के लिए समर्पित किया गया है। इसके अलावा, कुछ विशेष अष्टमियों का महत्त्व अलग-अलग पर्वों और व्रतों के कारण और भी बढ़ जाता है।

अष्टमी तिथि को देवी दुर्गा और उनके आठवें रूप महागौरी की पूजा के लिए समर्पित माना जाता है। यह दिन नवरात्रि के दौरान विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है, जब भक्त मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं।

दुर्गाष्टमी: शारदीय और चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि को दुर्गाष्टमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मां दुर्गा की विशेष पूजा की जाती है।

महाअष्टमी: यह नवरात्रि का आठवां दिन होता है, जिसमें कन्या पूजन और हवन जैसे धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं।

महत्वपूर्ण अष्टमी व्रत और पर्व

राधा अष्टमी: श्रीकृष्ण की प्रेयसी राधा रानी का जन्मोत्सव भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है।

सीतला अष्टमी: फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। इस दिन माता शीतला की पूजा होती है, और भक्त बासी भोजन का सेवन करते हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी: भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को धूमधाम से मनाया जाता है।

गोपाष्टमी: कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को भगवान कृष्ण की गोचारण लीला के उपलक्ष्य में गोपाष्टमी मनाई जाती है।

अष्टमी व्रत की विधि

अष्टमी तिथि पर व्रत रखने वाले भक्त प्रातःकाल स्नान कर शुद्ध वस्त्र धारण करते हैं।

पूजा के लिए मां दुर्गा या संबंधित देवता की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

दीप जलाकर, फल, फूल, और नैवेद्य अर्पित करें।

दुर्गा चालीसा और सप्तशती का पाठ करें।

व्रत के दिन भक्त फलाहार करते हैं और अगले दिन पारण के साथ व्रत संपन्न करते हैं।

अष्टमी तिथि का ज्योतिषीय महत्त्व

अष्टमी तिथि को चंद्रमा की स्थिति का विशेष महत्त्व होता है। यह तिथि उन व्यक्तियों के लिए शुभ मानी जाती है, जो आध्यात्मिक प्रगति और मन की शांति चाहते हैं। देवी पूजन से न केवल जीवन में संतुलन और समृद्धि आती है, बल्कि बाधाओं का नाश भी होता है।

अष्टमी तिथि के लाभ

अष्टमी तिथि पर व्रत और पूजा करने से भक्तों को विशेष लाभ मिलता है:

मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति।

शत्रु बाधाओं का नाश और रोगों से मुक्ति।

मां दुर्गा की कृपा से जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता।

अष्टमी व्रत तिथि समय 2026

अष्टमी तिथि का हर माह अलग-अलग धार्मिक और आध्यात्मिक महत्त्व है। यह तिथि देवी दुर्गा की कृपा प्राप्त करने और जीवन के कष्टों से मुक्ति पाने का उत्तम अवसर है। श्रद्धा और विश्वास के साथ अष्टमी व्रत और पूजा करने से भक्तों को अक्षय पुण्य और ईश्वर की असीम कृपा प्राप्त होती है।

सीता नवमी का दिन बढ़ाता है धन–सौभाग्य

वैशाख शुक्ल नवमी तिथि शुरू - 24 अप्रैल 2026, रात 7.21
वैशाख शुक्ल नवमी तिथि समाप्त - 25 अप्रैल 2026, शाम 6.27
सीता नवमी मध्याह्न मुहूर्त - सुबह 10:58 - दोपहर 01:34

सीता नवमी 25 अप्रैल 2026 को है। वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाने वाली सीता नवमी को जानकी जयंती भी कहा जाता है, इस दिन सीता माता के प्राकट्य का उत्सव मनाया जाता है। इस दिन व्रत और पूजा करने से व्यक्ति को सोलह प्रकार के दान के समान पुण्य फल प्राप्त होता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता का जन्म धरती से हुआ था, इसलिए उन्हें "भूमि पुत्री" कहा जाता है। खास बात यह है कि भगवान श्रीराम और माता सीता का जन्म एक ही नक्षत्र में हुआ माना जाता है, इसलिए राम नवमी के बाद सीता नवमी की पूजा करना अत्यंत आवश्यक बताया गया है।

जन्म नहीं सीता जी का प्राक्ट्य हुआ

"अयोनिजा जगन्माता भूमेः कन्या यशस्विनी।
सीता नाम्ना प्रसिद्धा सा सर्वलोकनमस्कृता॥"

अर्थः सीता माता अयोनिजा (गर्भ से नहीं, बल्कि पृथ्वी से प्रकट) हैं, धर्म ग्रंथों के अनुसार वैशाख शुक्ल नवमी के दिन राजा जनक को खेत जोतते समय पृथ्वी से एक दिव्य कन्या प्राप्त हुई थी, जिन्हें उन्होंने अपनी पुत्री के रूप में स्वीकार किया। वही माता सीता थीं। माता सीता को लक्ष्मी जी का स्वरूप माना जाता है।

सीता नवमी क्यों मनाई जाती है

सीता नवमी के दिन देवी जानकी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि, धन-धान्य और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है। विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के लिए यह व्रत अत्यंत फलदायी माना जाता है, क्योंकि इससे पति की लंबी उम्र और दांपत्य जीवन की मजबूती का आशीर्वाद मिलता है।

सीता नवमी की पूजा विधि

इस दिन माता सीता और भगवान राम की विधि-विधान से पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

विशेषकर रामचरितमानस या सुंदरकांड का पाठ करना पुण्यदायी होता है।

सीता माता के भूमि से प्रकट होने के कारण खेत, हल और धरती की पूजा करना शुभ माना जाता है।

अन्न, वस्त्र, फल और जल का दान करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है।

विवाहित महिलाएं सुहाग की वस्तुएं (चूड़ी, सिंदूर आदि) अर्पित कर अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं।

गरीबों और कन्याओं को भोजन कराएं। इससे विशेष पुण्य और माता सीता का आशीर्वाद मिलता है।

हम समय का सही इस्तेमाल कर जीवन को सफल बना सकते हैं

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

सही समय आज भी है और हर दिन आता है। हर दिन शुभ समय और अभिजीत मुहूर्त भी होता है। नई ऊर्जा भी रोज हमारे पास आती है। उन्हें समझकर हम जीवन में समन्वय और लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए हमें बुद्धि, विवेक और चातुर्य की आवश्यकता है। यह ज्ञान और क्षमता आपको रोज प्राप्त होती रहती है। इसलिए हर दिन का उपयोग सही दिशा में करके हम जीवन को अधिक सफल, संतुलित और अर्थपूर्ण बना सकते हैं।

केदारनाथ शिवलिंग त्रिभुज क्यों है ?

केदारनाथ शिवलिंग की कहानी क्या है

भक्तों केदारनाथ धाम के कपाट खुल गया है। उखीमठ से बाबा केदार की डोली केदारनाथ पहुंच गई है। इस मंदिर से भक्तों की आस्था बहुत गहरी है। हर साल लाखों की तादाद में भक्त यहां दर्शन करने पहुंचते हैं और उनके दर्शन मात्र से धन्य हो जाते हैं। इस मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है। भक्तों बता दें कि इस मंदिर की विशेष मान्यता है। भक्तों बाबा केदार साल में कुल 6 महीने ही यहां पर विराजमान रहते हैं। गर्मी में बर्फ पिघलने लगती है और सारे रास्ते साफ हो जाते हैं। यही वजह है कि यहां दर्शन करना आसान हो जाता है। भक्तों सर्दी में यहां रास्तों पर मंदिर में पहुंचना संभव नहीं है। इस कारण ही मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं इस दौरान बाबा केदार की चल विग्रह डोली को उखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में लाया जाता है। भक्त पूरी ठंड बाबा केदार की यहीं पर पूजा होती है।

गर्मी शुरू होते ही बाबा केदार वापस केदारनाथ धाम पहुंच जाते हैं। अब मंदिर फिर से खुल गया है, तो भक्तों आप दर्शन करने जा रहे हैं तो चलिए वहां का दिलचस्प इतिहास आपको बताते हैं।

भक्तों यहां जानिए इतिहास

केदारनाथ मंदिर को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना गया है। इसे स्वयंभू यानी अपने आप प्रकट हुआ शिवलिंग भी कहा जाता है। मान्यता है कि महाभारत के युद्ध के बाद पांडव अपने पापों से मुक्ति पाना चाहते थे और इसलिए वह भगवान शिव को ढूंढ रहे थे। शिव भगवान उनके कर्मों से बेहद नाराज थे। वह उन्हें दर्शन नहीं देना चाहते थे। ऐसे में उन्होंने भैंसे रूप धारण कर लिया।

प्रचलित पौराणिक कथा के अनुसार भीम ने जैसे ही उन्हें पहचान लिया, भगवान शिव वैसे ही जमीन में समा गए। पर उस समय उनकी पीठ का हिस्सा उपर रह गया। और अब केदारनाथ में इसे ही शिवलिंग के रूप में पूजा जाता है। भक्तों इस मंदिर का निर्माण शंकराचार्य ने करवाया था। मान्यता है कि यहां पर आए हुए हर भक्त के बाबा केदार दुख हर लेते हैं।

त्रिकोणीय शिवलिंग का रहस्य

केदारनाथ का शिवलिंग बाकी 11 ज्योतिर्लिंगों से काफी अलग है। सामान्य शिवलिंग जहां गोल आकार के होते हैं। पर यह शिवलिंग त्रिकोणीय आकार का बना है। माना गया है कि यहां पर सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है।

तुलसी के पत्ते तोड़ने से पहले जान लें ये जरूरी नियम

सनातन परंपरा में तुलसी के पौधे को बहुत ज्यादा पवित्र माना गया है। यही कारण है कि आपको यह पौधा हिंदू धर्म से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के घर में दिख जाएगा। औषधीय गुणों वाले इस पौधे को हिंदू धर्म में धन की देवी माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। जिसकी पत्तियों को अर्पित किए बगैर भगवान श्री विष्णु की पूजा पूरी नहीं होती है।

तुलसी पूजा के नियम

सबसे पहला नियम यह कि यदि आपने अपने घर में तुलसी का पौधा लगा रहा है तो उसके आस-पास स्वच्छता और पवित्रता बना कर रखें और नियमित रूप से जल दें। यदि आप अपने घर में तुलसी का पौधा लगाना चाहते हैं तो इसे सही दिन और सही दिशा में लगाएं। तुलसी का पौधा यदि संभव हो तो गुरुवार और शुक्रवार के दिन अपने घर के उत्तर या फिर पूर्व दिशा में लगाएं। इस दिशा में लगा तुलसी का पौधा सारे दोष को दूर करता हुआ सुख-समृद्धि प्रदान करता है।

तुलसी के पौधे को कभी भी बगैर स्नान किए या फिर अपवित्र अवस्था में न छुएं और न ही उसमें जल चढ़ाएं। तुलसी के भूलकर भी पौधे के पास चप्पल-जूते, जूठे बर्तन या फिर कचरा आदि न रखें।

तुलसी माता को सूर्योदय के समय जल देना सबसे उत्तम माना गया है। सूर्यास्त के बाद तुलसी जी को जल नहीं अर्पित करना चाहिए।

तुलसी जी को मंगलवार, रविवार और एकादशी तिथि वाले दिन जल अर्पित नहीं करना चाहिए और न ही इस दिन उसके पत्ते तोड़ने चाहिए। तुलसी के पौधे पर निकलने वाली मंजरी को समय-समय पर हटाते रहना चाहिए।

तुलसी के पत्ते 11 दिनों तक बासी नहीं माने जाते हैं, इसलिए प्रतिदिन पत्ते तोड़ने की बजाय आप इसे एक बार में तोड़कर अपने पास रख सकते हैं।

हिंदू मान्यता के अनुसार कभी भूलकर भी तुलसी के पौधे के पास शिवलिंग नहीं रखना चाहिए।

हिंदू मान्यता के अनुसार तुलसी जी को माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। ऐसे में यदि आप आपके घर में तुलसी का पौधा है तो शाम के समय उसके पास शुद्ध देशी घी का दीया जरूर जलाना चाहिए। तुलसी के लिए दीया जलाने के बाद उसे उसकी जड़ से थोड़ा दूर रखना चाहिए।

वैष्णो देवी जा रहे हैं तो सावधान! भूलकर भी यहां न खरीदें माता को चढ़ाने वाली चांदी

माता वैष्णो देवी की यात्रा हर साल लाखों श्रद्धालुओं के लिए सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था और विश्वास का प्रतीक होती है। लोग यहां अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और चढ़ावे में कुछ न कुछ जरूर अर्पित करते हैं। लेकिन अगर यही चढ़ावा धोखे में बदल जाए तो? हाल ही में सामने आई एक चौंकाने वाली जांच ने श्रद्धालुओं के भरोसे को हिला दिया है। चांदी के नाम पर जो चीज़ खरीदी जा रही है, वह असल में खतरनाक धातुओं का मिश्रण निकली। यह सिर्फ आर्थिक धोखा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। ऐसे में सवाल उठता है क्या श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खुला खिलवाड़ हो रहा है?

चांदी के नाम पर मिलावट का बड़ा खेल

वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ावे के रूप में दी जाने वाली चांदी को लेकर हाल ही में एक बड़ी जांच हुई। इसमें पता चला कि जो चांदी श्रद्धालु खरीद रहे हैं, उसमें असली चांदी की मात्रा बेहद कम है। कई मामलों में यह सिर्फ 5 से 6 प्रतिशत तक ही पाई गई। बाकी हिस्सा कैडमियम और लोहे जैसे सस्ते और खतरनाक धातुओं से भरा हुआ था।

20 टन चांदी की जांच में चौंकाने वाले आंकड़े

मंदिर प्रशासन द्वारा लगभग 20 टन चांदी को सरकारी टकसाल में जांच के लिए भेजा गया था। उम्मीद थी कि इससे सैकड़ों करोड़ रुपये की असली चांदी निकलेगी। लेकिन शुरुआती रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया। अनुमानित 500 करोड़ रुपये की चांदी में से केवल करीब 30 करोड़ रुपये की असली चांदी ही सामने आई।

कैडमियम: दिखने में चांदी, असल में जहर

स्वास्थ्य पर गंभीर असर

कैडमियम एक ऐसी धातु है जो देखने में चांदी जैसी लगती है, लेकिन बेहद जहरीली होती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। जब इसे पिघलाया जाता है, तो इससे निकलने वाला धुआं और भी खतरनाक हो जाता है। इससे काम करने वाले श्रमिकों की जान तक खतरे में पड़ सकती है।

नियमों के बावजूद खुलेआम इस्तेमाल

भारतीय मानक ब्यूरो के नियमों के अनुसार, उपभोक्ता उत्पादों में कैडमियम का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। इसके बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में इसका उपयोग होना प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करता है।

कहां से आ रही है नकली चांदी?

रिपोर्ट के मुताबिक, यह मिलावट मुख्य रूप से कटरा और वैष्णो देवी मार्ग के आसपास की दुकानों में हो रही है। श्रद्धालु अक्सर यात्रा के दौरान वहीं से चांदी के सिक्के या आभूषण खरीदते हैं, बिना यह जांचे कि वह असली है या नहीं। दिलचस्प बात यह है कि तिरुपति या सिद्धिविनायक जैसे अन्य बड़े मंदिरों में इस तरह की शिकायतें सामने नहीं आई हैं।

70 किलो में सिर्फ 3 किलो असली

एक उदाहरण ने इस घोटाले की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया। टकसाल में भेजे गए 70 किलो चांदी के एक बैच में से सिर्फ 3 किलो ही असली चांदी निकली। बाकी पूरी तरह मिलावटी थी। इसे अलग करने में महीनों का समय लगा।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 24 अप्रैल - 2026

जंग में घिरता ऊर्जा बाजार

मध्य-पूर्व में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी बनकर उभर रहा है। हाल के घटनाक्रमों ने यह संकेत दे दिया है कि यदि यह टकराव और गहराता है, तो उसका सबसे बड़ा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और आम लोगों की जेब पर पड़ेगा। दरअसल, ईरान पर अमेरिकी और इजराइली दबाव तथा संभावित सैन्य कार्रवाई की आशंकाओं ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी है। दुनिया का बड़ा हिस्सा अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी क्षेत्र पर ही निर्भर है। ऐसे में यदि युद्ध की स्थिति बनती है या समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ता है, तो तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होना तय है। इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ेगा और महंगाई की नई लहर उठ सकती है। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सीधा असर परिवहन, कृषि, उद्योग और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ना तय है। यानी यह संकट केवल विदेश नीति का विषय नहीं रहेगा, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को भी प्रभावित करेगा। चिंता की बात यह भी है कि इस तनाव का असर केवल तेल तक सीमित नहीं रहेगा। यदि स्थिति बिगड़ती है, तो वैश्विक व्यापार मार्गों पर भी असर पड़ सकता है। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा होगा और कई देशों की आर्थिक वृद्धि दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पहले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी और युद्धों के कारण दबाव में है, ऐसे में एक नया संकट उसे और कमजोर कर सकता है। अमेरिका और इजराइल की आक्रामक रणनीति तथा ईरान की जवाबी चेतावनियों ने स्थिति को और उलझा दिया है। कूटनीतिक समाधान की संभावना लगातार कमजोर होती दिख रही है। यदि बातचीत की जगह सैन्य कार्रवाई ने ली, तो इसका परिणाम केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक संकट का रूप ले लेगा। इसलिए, जरूरी है कि सभी पक्ष संयम और संवाद का रास्ता अपनाएं। भारत जैसे देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा को कैसे मजबूत करे। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना, रणनीतिक तेल भंडार को मजबूत करना और आयात के स्रोतों में विविधता लाना अब समय की मांग बन चुका है। केवल प्रतिक्रिया देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि दीर्घकालिक नीति बनाकर ऐसे संकटों से निपटने की तैयारी होगी। साथ ही, यह भी समझना होगा कि मध्यपूर्व की हर हलचल अब वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित करती है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि समय रहते प्रभावी हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो यह संकट और गहराता जाएगा। स्पष्ट है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव केवल तीन देशों का मामला नहीं है। यह पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शांति को बनाए रखने के लिए अब ठोस और जिम्मेदार कदम उठाने होंगे।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विस्फोट की आशंका

संजीव ठाकुर

पश्चिम एशिया की तपती रेत पर एक बार फिर बारूद की गंध तेज हो गई है, और इस बार केंद्र में है अमेरिका, ईरान, इजरायल का जटिल त्रिकोण, जिसमें पाकिस्तान एक ऐसे संदेशवाहक की भूमिका में फँसता दिख रहा है जो न पूरी तरह किसी का हो पाया और न ही अपने घर की हालत संभाल पाया। हार्मुज़ जलडमरूमध्य, जिसे दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र माना जाता है, इस संभावित टकराव का सबसे खतरनाक मोर्चा बन चुका है। यहां से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर ज़रा-सी चिंगारी भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में विस्फोट कर सकती है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी क्षेत्रीय गतिविधियों को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है, जबकि इजरायल इसे अपने अस्तित्व के लिए सीधा खतरा मानता है और समय-समय पर ईरानी ठिकानों पर हमले करता रहा है। हाल के महीनों में घटनाओं की श्रृंखला ने तनाव को और अधिक तीखा कर दिया है।

लाल सागर में जहाजों पर हमले, सीरिया और इराक में मिलिशिया गतिविधियाँ, और गाज़ा संघर्ष के बाद बढ़ा हुआ क्षेत्रीय असंतुलन, इन सबने हालात को विस्फोटक बना दिया है। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान ने खुद को एक मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उसके लिए भारी पड़ता दिख रहा है। आर्थिक रूप से पहले से जूझ रहे देश ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की मेहमाननवाज़ी के लिए महंगे होटलों और सुरक्षा इंतजामों पर भारी खर्च किया, जिसका बोझ आखिरकार उसकी आम जनता पर टैक्स और महंगाई के रूप में पड़ा, और यही कारण है कि देश के भीतर असंतोष की लहर तेज हो गई है। पाकिस्तान की यह स्थिति घर का न घाट जैसी हो गई है। एक ओर वह अमेरिका को खुश रखने की कोशिश करता है, दूसरी ओर ईरान जैसे पड़ोसी को नाराज़ भी नहीं करना चाहता, और इसी संतुलन की कोशिश में उसकी आंतरिक आर्थिक स्थिति और अधिक कमजोर और जर्जर हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हालिया बयानों में स्पष्ट संकेत दिया है कि अमेरिका क्षेत्र में अपने हितों और सहयोगियों की सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है, और यदि ईरान ने उकसावे वाली गतिविधियाँ बंद नहीं कीं तो कठोर जवाब दिया जाएगा। यह बयान सीधे तौर पर सैन्य कार्रवाई की संभावना को खारिज नहीं करता बल्कि उसे एक रणनीतिक विकल्प के रूप में खुला रखता है। दूसरी ओर ईरान का रुख भी उतना ही सख्त है तेहरान का कहना है कि वह अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय प्रभाव की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यदि उसके हितों पर हमला हुआ तो जवाब निर्णायक और व्यापक होगा। ईरानी नेतृत्व बार-बार यह दोहरा रहा है कि हार्मुज़ जलडमरूमध्य उसकी रणनीतिक पकड़ में है और जरूरत पड़ने पर वह वैश्विक तेल आपूर्ति को बाधित कर सकता है, जो दुनिया के लिए एक भयावह संकेत है। इस पूरे समीकरण में इजरायल की भूमिका भी बेहद आक्रामक बनी हुई है वह ईरान के परमाणु ठिकानों और उसके सहयोगी नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार सैन्य विकल्पों पर विचार करता रहा है, और कई बार गुप्त अभियानों के जरिए ईरान को नुकसान पहुंचा चुका है। इन तीनों शक्तियों के बीच बढ़ती अविश्वास की खाई किसी भी छोटे घटनाक्रम को बड़े युद्ध में बदल सकती है, और हार्मुज़ जलडमरूमध्य इसका सबसे संवेदनशील बिंदु है, जहां एक मिसाइल, एक ड्रोन या एक गलतफहमी भी वैश्विक संकट का कारण बन सकती है। पाकिस्तान की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे दयनीय दिखाई देती है। एक ओर वह खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इस तरह की मध्यस्थता करता है, लेकिन दूसरी ओर उसकी आर्थिक हकीकत उसे इस भूमिका के लिए तैयार नहीं होने देती विदेशी कर्ज, महंगाई, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता से जूझते देश के लिए यह कूटनीतिक साहस कहीं न कहीं आत्मघाती साबित हो रहा है। आम पाकिस्तानी नागरिक के लिए यह स्थिति और भी पीड़ादायक है, क्योंकि वह न तो इन वैश्विक रणनीतियों का हिस्सा है और न ही उसके पास इनका कोई लाभ है।

फिलहाल युद्ध का खतरा टल गया है

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम आगे बढ़ाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने यह कदम मौजूदा सीजफायर के खत्म होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया है। उन्होंने कहा कि वे ईरान की तरफ से कोई प्रपोजल मिलने तक जंगबंदी को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे जंग फिलहाल के लिए टल गई है और मध्यस्थ पाकिस्तान को अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का नया दौर आयोजित करने के लिए समय मिल गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि हमने इस बात को समझा है कि ईरान की सरकार गंभीर रूप से बंटी हुई है। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ ने मुझसे सीजफायर बढ़ाने का अनुरोध किया। हमसे कहा गया है कि हम ईरान पर तब तक हमले ना किए जाएं, जब तक कि उनके नेता और प्रतिनिधि एकमत से कोई प्रस्ताव लेकर नहीं आ जाते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे लिखा कि पाकिस्तान की गुजारिश पर मैं युद्धविराम को तब तक के लिए बढ़ा रहा हूं जब तक कि ईरान की ओर से प्रपोजल पेश नहीं कर दिया जाता और चर्चाएं पूरी नहीं हो जातीं, चाहे वह किसी भी नतीजे पर पहुंचें। मैंने अपनी सेना को निर्देश दिया है कि वह नाकेबंदी जारी रखे और बाकी सभी मामलों के लिए तैयार रहे। डोनाल्ड ट्रंप के इस ऐलान से फिलहाल के लिए लड़ाई के फिर से शुरू होने का खतरा टल गया है। हालांकि अभी भी दोनों पक्षों के बीच गहरे मतभेद बने हुए हैं। अमेरिकी बातचीत टीम का नेतृत्व करने के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान की प्रस्तावित यात्रा टाल दी गई है। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान पर अमेरिका की नाकेबंदी भी अभी जारी है।

अपनी और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की ओर से मैं राष्ट्रपति ट्रंप का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने हमारी सीजफायर को आगे बढ़ाने की बात मान ली। मुझे उम्मीद है कि दोनों पक्ष सीजफायर का पालन करेंगे और इस्लामाबाद में बातचीत के दूसरे दौर में इस संघर्ष को हमेशा के खत्म करने के लिए व्यापक शांति समझौता कर पाएंगे। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने पाकिस्तानी की युद्धविराम को आगे बढ़ाने की गुजारिश को मान लिया ताकि चल रही कूटनीतिक कोशिशें आगे बढ़ सकें। पाकिस्तान इस संघर्ष के बातचीत के जरिए हल के लिए अपनी पूरी कोशिशें जारी रखेगा। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले करते हुए युद्ध शुरू किया, जो करीब छह हफ्ते तक चला। आखिरकार 8 अप्रैल को ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जंगबंदी हुई। इस बीच 11 अप्रैल को पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत हुई लेकिन बेनतीजा रही। फिलहाल इस सीजफायर को आगे बढ़ाया गया है।

संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान के साथ सीजफीयर बढ़ाने के अमेरिका के ऐलान को तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम बताया है। उन्होंने कहा है कि यह ऐलान ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीति और भरोसा बनाने के लिए एक जरूरी जगह बनाएगा। हम सभी पक्षों को इस गति को बनाए रखने और ऐसे कामों से बचने की अपील करते हैं, जो सीजफायर को कमजोर कर सकते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी, ट्रम्प, जो यह स्पष्ट करके ईरान को डराना चाहते थे कि वह ऐसा कुछ नहीं करेंगे, को खुद संघर्ष विराम को समाप्त करना पड़ा और युद्धविराम को अस्थायी रूप से बढ़ाना पड़ा।

यह ट्रम्प की लाचारी है, जिसे ईरान ने देखा है और स्पष्ट रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के दबाव के सामने खड़े होने और पसीना बहाने के उनके इरादे को दर्शाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य को वापस लेने, ईरान का परमाणु ईंधन वापस लेने, देश को राखने आदि के वादों के बाद, ट्रम्प को ईरान के सामने झुकना पड़ा। लोकसत्ता ने पिछले एक महीने अपने संपादकीय में कहा था कि वेनेजुएला नहीं, बल्कि ईरान ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेगा, लेकिन ट्रंप को निराशा पहुंचाएगा। ईरान ने न केवल यह स्पष्ट रुख अपनाया है कि हम तब तक अमेरिका के साथ बातचीत नहीं करेंगे, बल्कि उसने इसे आज तक बरकरार रखा है। ईरान ने ऐसा नहीं किया होता, ताकि अगर वह अमेरिकी दबाव के आगे झुक जाता और पाकिस्तान में वार्ता में भाग लेता तो उसे एक तरह से आत्मसमर्पण माना जाता। ईरान ने ऐसा बिल्कुल नहीं होने दिया। उन्होंने अमेरिका को और आगे बढ़ाने का फैसला किया। ऐसा प्रतीत होता है।

ऐसा नहीं है कि ईरान को इस बात का एहसास नहीं है कि ऐसा करने से जो भी संचार सूत्र होगा, वह भी टूट जाएगा। फिर भी वह इतना कठोर रुख अपनाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यदि संचार का पुल वास्तव में टूट जाता है, तो ईरान शारीरिक रूप से प्रभावित होगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि नैतिक झटका केवल संयुक्त राज्य अमेरिका को ही भुगतना पड़ेगा, क्योंकि ईरान के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। यदि संयुक्त राज्य अमेरिका नए हवाई हमले करता है, तो कुछ और पुल, इमारतें, बांध, बिजली संयंत्र आदि ध्वस्त हो जाएंगे और कुछ सौ लोगों की जान चली जाएगी। वे वैसे भी चले गए हैं और अचल संपत्ति बर्बाद हो गई है। ऐसा नहीं है कि ईरान ने गणना नहीं की कि संयुक्त राज्य अमेरिका और क्या करेगा , लेकिन इसके विपरीत, इसने संयुक्त राज्य अमेरिका की समस्या को बढ़ा दिया, क्योंकि अगर ईरान वार्ता और सुलह के लिए सहमत नहीं होता, तो यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक सवाल होता।लेकिन झुकेंगे नहीं झुकेंगे की नीति गिर गई है। किसी भी युद्ध में बुद्धिमान लोग एक सावधानी बरतते हैं।यह सच्चाई और बुद्धिमत्ता रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय तक चले युद्ध में भी प्रदर्शित होगी, जिन्होंने विरोधी देशों के राष्ट्राध्यक्षों पर हमला नहीं किया है, इसलिए नहीं कि वे ऐसा नहीं कर सकते, बल्कि इसलिए कि उन्हें एक महत्वपूर्ण क्षण में बातचीत के लिए आगे आने के लिए विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व की आवश्यकता है। प्रतिद्वंद्वी को सबसे अधिक नुकसान होता है, और यह एक तरह की लाचारी पैदा करता है। यह 'जो आप करना चाहते हैं वह करें' का एक जिद्दी स्वर बनाता है। यह ईरान के व्यवहार से स्पष्ट है। यह सच है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई पहले हमले में मारे गए थे क्योंकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू एक नरसंहार नेता थे। लेकिन इससे सवाल खड़ा हो गया कि किससे बात की जाए। खामेनी, जो अपने नब्बे के दशक में हैं, कितने समय तक स्वाभाविक रूप से जीवित रहे होंगे? लेकिन जब तक ऐसा था, संयुक्त राज्य अमेरिका के पास ईरान के साथ बातचीत करने का एक तरीका था, लेकिन बहादुरी के नाम पर उन्होंने पहले झटके में खामेनेई को मार डाला, और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका शासन परिवर्तन, शासन परिवर्तन चाहता था, और ऐसा नहीं हुआ।

क्या एआई के प्रयोग से उत्पन्न संकटों के लिए तैयार हैं?

डॉ. शैलेश शुक्ला

मानव सभ्यता के इतिहास में तकनीकी क्रांतियों ने सदैव हमारे अस्तित्व की दिशा को बदला है किंतु वर्तमान में कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जो तीव्र विस्तार हम देख रहे हैं, वह पूर्ववर्ती सभी आविष्कारों से मौलिक रूप से भिन्न है। यह केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक समानांतर बुद्धिमत्ता है जो हमारे सोचने, निर्णय लेने और सामाजिक ताने-बाने को समझने के पारंपरिक तरीकों को चुनौती दे रही है।

आज जब हम इस प्रश्न पर विचार करते हैं कि क्या हम इस तकनीक से उत्पन्न संकटों के लिए तैयार हैं तो उत्तर केवल तकनीकी प्रगति में नहीं, बल्कि हमारी नैतिक, कानूनी और सामाजिक तैयारियों में छिपा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जेनेरेटिव एआई के उदय ने सूचनाओं की सत्यता पर एक गहरा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। डीपफेक तकनीक और परिष्कृत एल्गोरिदम के माध्यम से जिस प्रकार से भ्रामक सूचनाएं या मिसइन्फॉर्मेशन फैलाई जा रही हैं, उसने न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित किया है बल्कि व्यक्तिगत गरिमा को भी जोखिम में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रिपोर्टों के अनुसार, पिछले 2 वर्षों में एआई-जनित भ्रामक सामग्रियों में 900 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति दर्शाती है कि हमारी कानूनी प्रणालियां और डिजिटल साक्षरता के मानक इस गति का मुकाबला करने में फिलहाल अक्षम सिद्ध हो रहे हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो कृत्रिम मेधा का प्रभाव रोजगार के बाजारों पर अत्यंत गहरा और बहुआयामी होने वाला है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की भविष्य की नौकरियों से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के कारण अगले दशक में करोड़ों नौकरियों के स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन आएगा। जहाँ एक ओर यह तकनीक उत्पादकता बढ़ाने और नए प्रकार के व्यवसायों को जन्म देने की क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह निम्न और मध्यम कौशल वाले श्रमिकों के लिए एक बड़ा विस्थापन संकट भी पैदा कर रही है।

क्या हमारी शिक्षा प्रणालियां और कौशल विकास कार्यक्रम इस गति से परिवर्तित हो रहे हैं कि वे भविष्य की कार्यशक्ति को इस नई व्यवस्था के अनुकूल बना सकें?

यह प्रश्न अनुत्तरित है क्योंकि विकासशील देशों में डिजिटल विभाजन आज भी एक कठोर वास्तविकता है। जब तक हम एक समावेशी तकनीकी ढांचे का निर्माण नहीं करते, तब तक कृत्रिम मेधा केवल वैश्विक असमानता को बढ़ाने का एक माध्यम बनकर रह जाएगी। इसके अतिरिक्त, एआई मॉडल्स के भीतर मौजूद 'एल्गोरिथमिक बायस' या पक्षपात एक और बड़ा संकट है, जो ऐतिहासिक डेटा के आधार पर लिंग, जाति और राष्ट्रीयता के प्रति पूर्वाग्रहों को अनजाने में सुदृढ़ कर रहा है।

तकनीकी सुरक्षा और स्वायत्त हथियारों का मुद्दा कृत्रिम मेधा के सबसे भयावह संकटों में से एक है। 'लीथल ऑटोनॉमस वेपन्स सिस्टम्स' या स्वायत्त घातक हथियार प्रणालियों का विकास वैश्विक शांति के लिए एक नई चुनौती पेश कर रहा है। जब युद्ध के मैदान में जीवन और मृत्यु का निर्णय एक एल्गोरिदम द्वारा लिया जाने लगेगा, तो मानवीय उत्तरदायित्व और युद्ध के अंतरराष्ट्रीय कानूनों का क्या होगा? संयुक्त राष्ट्र और कई वैश्विक मानवाधिकार संगठनों ने इस पर नियंत्रण की अपील की है, लेकिन महाशक्तियों के बीच एआई की प्रतिस्पर्धा ने एक नई डिजिटल शीत युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी है।

यह तकनीकी रेस हमें एक ऐसे बिंदु पर ले जा सकती है जहाँ नियंत्रण की लगाम मानव के हाथ से निकलकर मशीनों के पास चली जाए। सुरक्षा का अर्थ केवल भौतिक हथियारों से नहीं है, बल्कि डेटा की गोपनीयता और एल्गोरिदम के माध्यम से किए जाने वाले 'बिहेवियरल मैनिपुलेशन' या व्यवहारिक हेरफेर से भी है। बड़ी तकनीकी कंपनियाँ जिस प्रकार डेटा का एकत्रीकरण कर रही हैं, वह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वायत्तता को एक संकीर्ण घेरे में बंद कर रहा है।

पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी कृत्रिम मेधा की तैयारी पर प्रश्न उठना लाजिमी है। विशाल एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए अत्यधिक ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता होती है, जो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न कर सकता है।

एक शोध के अनुसार, एक बड़े लैंग्वेज मॉडल को प्रशिक्षित करने में उतनी कार्बन फुटप्रिंट पैदा होती है, जितनी पांच कारें अपने पूरे जीवनकाल में उत्सर्जित करती हैं। जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझती दुनिया के लिए यह एक अतिरिक्त भार है। इसलिए, जब हम एआई के संकटों की बात करते हैं, तो हमें 'सस्टेनेबल एआई' या संवहनीय कृत्रिम मेधा की दिशा में भी ठोस कदम उठाने होंगे। क्या हमारे पास ऐसी नीतियां हैं जो इन कंपनियों को पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी बना सकें?

वर्तमान में अधिकांश विनियमन केवल लाभ और तकनीकी श्रेष्ठता पर केंद्रित हैं, जबकि पारिस्थितिक संतुलन को हाशिए पर धकेल दिया गया है।

निष्कर्षतः, कृत्रिम मेधा के संकटों के लिए हमारी तैयारी अभी भी प्रारंभिक और खंडित अवस्था में है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'यूरोपीय संघ एआई अधिनियम' जैसे प्रयास एक सकारात्मक दिशा दिखाते हैं, लेकिन यह वैश्विक स्तर पर एक समान मानकों के बिना अपर्याप्त हैं। हमें एक ऐसे वैश्विक गठबंधन की आवश्यकता है जो न केवल तकनीक के विकास की निगरानी करे, बल्कि मानवीय मूल्यों, नैतिकता और न्याय को इसके केंद्र में रखे।

तैयारी का अर्थ केवल उन्नत फायरवॉल बनाना नहीं है, बल्कि एक जागरूक समाज का निर्माण करना है जो सत्य और मिथ्या के बीच अंतर कर सके। कृत्रिम मेधा एक शक्तिशाली लहर की तरह है, जिसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन यदि हम इसके लिए सही बांध और नहरें तैयार नहीं करते, तो यह हमारी सामाजिक व्यवस्था के तटबंधों को नष्ट कर सकती है।

हमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ अपनी नैतिक चेतना को भी उन्नत करना होगा, क्योंकि अंततः तकनीक का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि उसका विनाश। समय कम है और चुनौतियां अपार हैं, अतः भविष्य की तैयारी के लिए हमें आज ही अपनी प्राथमिकताओं को पुनः परिभाषित करना होगा।

साधारण जन से असाधारण शासन तक: पंचायती राज की नई परिभाषा

कृति जैन

जब गाँव की धूल भरी पगडंडी पर बैठा किसान निडर होकर अपनी बात रखता है और उसी स्वर से विकास की दिशा आकार लेने लगती है, तब लोकतंत्र अपनी सबसे जीवंत और वास्तविक पहचान में सामने आता है। 24 अप्रैल उस ऐतिहासिक व्यवस्था का प्रतीक बनकर सामने आता है जिसने सत्ता को बड़े दफ्तरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गाँव की खुली चौपालों तक पहुँचा दिया। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस यह संदेश देता है कि भारत की असली शक्ति ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि उन ग्राम सभाओं में बसती है जहाँ लोग अपने भविष्य का निर्णय स्वयं करते हैं। यह दिन उस सोच का सम्मान है जिसने यह सिद्ध किया कि शासन केवल ऊपर से नहीं चलता, बल्कि नीचे की सक्रिय भागीदारी से और अधिक मजबूत होता है।

1992 में पारित 73वें संविधान संशोधन ने, जो 24 अप्रैल 1993 को प्रभावी हुआ, ग्रामीण भारत के इतिहास में ऐसा निर्णायक परिवर्तन लेकर आया, जिसने पंचायतों को संवैधानिक मान्यता देकर उन्हें वास्तविक अधिकारों से सशक्त बनाया। इसके बाद गाँव केवल योजनाओं के उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि वे स्वयं निर्णय निर्माण की मुख्य इकाइयाँ बन गए। सड़क निर्माण, जल प्रबंधन, विद्यालय सुधार और विकास योजनाओं की दिशा अब ग्राम सभा में तय होने लगी। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक सुधार नहीं था, बल्कि जनभागीदारी को वास्तविक शक्ति देने वाली व्यवस्था थी। इससे ग्रामीण समाज को अपने संसाधनों और आवश्यकताओं को पहचानने तथा स्वयं निर्णय लेने का अवसर मिला, जिससे विकास अधिक व्यावहारिक और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बन गया। पंचायती राज व्यवस्था की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है, जिसने ग्रामीण समाज की कार्यशैली को गहराई से बदल दिया है। आरक्षण प्रणाली ने महिलाओं को नेतृत्व के अवसर देकर उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया के केंद्र में स्थापित किया है। आज 14 लाख से अधिक महिलाएँ सरपंच और पंचायत सदस्य के रूप में अपने गाँवों का नेतृत्व कर रही हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह परिवर्तन केवल पद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सोच में आए व्यापक बदलाव का संकेत है। जहाँ कभी उनकी भूमिका सीमित समझी जाती थी, वहीं अब वही महिलाएँ विकास की दिशा तय कर रही हैं और नए उदाहरण स्थापित कर रही हैं। डिजिटल क्रांति ने पंचायती राज व्यवस्था को नई पारदर्शिता और गति प्रदान करते हुए उसे अधिक प्रभावशाली बना दिया है। ई-ग्राम स्वराज, ऑनलाइन बजट निगरानी और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने पंचायतों के कार्यों को सरल, तेज़ और अधिक जवाबदेह बना दिया है। अब गाँव के लोग अपने मोबाइल फोन पर आसानी से देख सकते हैं कि विकास कार्यों के लिए कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग कहाँ किया गया। इससे जानकारी तक पहुँच आसान हुई है और लोगों की भागीदारी में भी वृद्धि हुई है। तकनीक ने दूरी की बाधाओं को समाप्त कर प्रशासन को अधिक तेज़ और सटीक बनाया है। ग्रामीण क्षेत्र अब केवल पारंपरिक व्यवस्था तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे आधुनिक डिजिटल प्रणाली का सक्रिय हिस्सा बन चुके हैं। उपलब्धियों के साथ-साथ पंचायती राज व्यवस्था के सामने कई गंभीर चुनौतियाँ भी खड़ी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। कई क्षेत्रों में पंचायतें अब भी स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं और बाहरी दबाव उनकी भूमिका को सीमित कर देते हैं। कुछ स्थानों पर ग्राम सभा केवल औपचारिक बैठक बनकर रह जाती है, जहाँ वास्तविक चर्चा और निर्णय प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। भ्रष्टाचार और जागरूकता की कमी भी कई इलाकों में बाधा बनी हुई है। फिर भी इसके विपरीत अनेक गाँव ऐसे हैं जहाँ पंचायतें पारदर्शिता और सक्रिय जनभागीदारी के बल पर विकास की नई और प्रेरक मिसालें प्रस्तुत कर रही हैं।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में जब दुनिया तेज़ी से सतत विकास और स्थानीय शासन की ओर अग्रसर है, तब पंचायती राज व्यवस्था की अहमियत और अधिक बढ़ जाती है। जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में स्थानीय निर्णय प्रणाली अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। अनेक गाँव सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और जैविक खेती के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। यह स्पष्ट करता है कि स्थानीय स्तर पर लिए गए निर्णय अधिक व्यावहारिक, सटीक और परिणामकारी होते हैं। भारत के ग्रामीण क्षेत्र अब केवल उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि वे नवाचार और परिवर्तन के सशक्त केंद्र बनकर उभर रहे हैं।

जवाबदेही और समीक्षा का एहसास कराता राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस केवल जश्न का अवसर नहीं है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या गाँवों को वास्तव में वह अधिकार, स्वतंत्रता और संसाधन मिले हैं जिनकी कल्पना की गई थी।

क्या ग्राम सभा केवल कागज़ों तक सीमित है या सच में निर्णय लेने का सशक्त और सक्रिय मंच बन चुकी है? इन सवालों के उत्तर ही भविष्य की दिशा तय करेंगे। फिर भी यह स्पष्ट है कि जहाँ पंचायतें सक्रिय, पारदर्शी और जवाबदेह हैं, वहाँ विकास की रफ्तार अधिक तेज़ और प्रभावशाली होती है।

चिड़िये पर ब्रह्मास्त्र

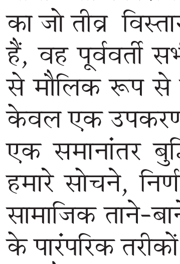

डॉ टी महादेव राव

भैया! लगता है हम लोग का यानी मनुष्यों के गिरने का क्रम दिन-ब दिन नीचे होते जा रहा है। शायद यह प्रश्न करना उचित होगा कि अब कहां तक गिरेंगे?

सही कह रहे हो छोटू! जो पक्षी हैं वे घायल होने या मरने पर ही नीचे गिरते हैं वरना नीचे आकर कभी-कभी दाना पानी चुगते हैं और चले जाते हैं। लेकिन मनुष्य भले ही जमीन पर निवास करता है लेकिन मानसिक स्तर पर इतना ज्यादा गिरा हुआ है कि मुझे लगता है कुछ ही दिनों में हम कथा कथित पाताल लोक को स्पर्श कर सकते हैं। तुम्हारे कहने पर एक बात मुझे याद आई कि हमारी मानसिकता, हमारा स्वार्थ, हमारी सोच हमें किस हद तक गिराती है? क्योंकि ऐसा करके हमाम में सब नंगे हैं वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए जीवन जिए जा रहे हैं। आपने कर कम किया और अपने मुंह मियां मिट्ठू बने जा रहे हैं। लेकिन यह बताएं पिछले आठ वर्षों से कान पकड़कर, नाक निचोड़ कर जो करों के पैसे अधिक से अधिक ले लिए हैं, जो हजम भी कर लिए गए हैं, उनका क्या? अब जब अपने स्वार्थ सिद्धि में रुकावटें आ रही हैं तो करों को कम करने का लॉलीपॉप लोगों को पकड़ा दिया है। जब लोगों का ध्यान वोट चोरी पर ज्यादा जा रहा था, लोग रैली कर रहे थे सामाजिक माध्यमों में बड़े भद्दे भद्दी कॉमेंट्स आ रहे थे तो हमने सब का ध्यान मोड़ने के लिए, जो गाली नहीं दी गई, जैसा नहीं कहा गया, उस पर भी महाभारत के धृतराष्ट्र की तरह अंधे आंसू, अति अभिनय और आदर्शहीनता का मुखौटा ओढ़े लोगों को कंफ्यूजिया रहे हैं ताकि एक प्रांत विशेष में जीतें और सत्ता पर काबिज हों । मैं यह कह रहा था भैया कि जैसे आपने गलत किया किसी ने आपको टोका। आपने गालियों की बरसात करके, यह जानते हुए भी कि आप गलत हैं, लेकिन क्योंकि आपको बड़े भैया का समर्थन है,उनका मार्गदर्शन है और उनका आशीर्वाद प्राप्त है कि आप शिशुपाल की तरह चाहे जितने भी पाप कर लें वे आपकी रक्षा करेंगे वाली बात है। ऐसे में जिसने आपकी ओर उंगली उठाई उसके प्रति यह जो नया रवैया अपनाया गया है वह किसी भी कोण से आपको अत्यंत स्तरहीन मानव ही कहेगा, घटिया राजनीतिक कहेगा और तो और या भी कहेगा कि आपको मनुष्य के समाज में रहने का भी कोई हक नहीं है। किसी को दबाने के लिए हमारे पास ईडी, सीबीआई, पुलिस, इनकम टैक्स, चुनाव आयोग के साथ साथ न्याय व्यवस्था का समर्थन तो है ही यह नया कोई औजार और मिल गया है, जिसके बारे में तुम चर्चा कर रहे हो छोटू! हां भैया! दो-तीन दिनों से अखबारों में, सामाजिक माध्यम में और हर जगह इस बात की चर्चा है कि चाचा से अलग हुए भतीजे ने, एक प्रशासनिक अधिकारी ने उप मुख्यमंत्री के किसी चमचे द्वारा की जा रही रेत खुदाई रोकी। इस पर उनकी क्लास लेने की कोशिश की गई, लेकिन वह महिला प्रशासनिक अधिकारी ने इनका धौंस नहीं माना। गलत करने पर इंकार कर दिया, अपना रुतबा दिखा दिया और सही को सही गलत को गलत कहके दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया। भतीजे को लगा जब बड़े भैया का मेरे सिर पर हाथ है, जहां है वहां सत्ता का साथ है, अब तो हर चीज उनके लिए दाल भात है। उन्होंने अपनी तरफ से बहुत कोशिश की कि उसे प्रशासनिक अधिकारी को झुका दिया जाए और अंत में मन माफिक कराया जाए। लेकिन वह ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी टस से मस नहीं हुई और अंत में उस अधिकारी को अपने काम करने के तरीके में सफलता मिली।

मालविका मोहनन अकेलेपन से टूट गईं थीं,

बोलीं - जब देखा कमरे में लौटकर बात करने वाला कोई नहीं था

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं।

उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा कि पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।

उन्होंने कहा कि दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।

अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।

'आपस में ज्यादा बातचीत नहीं होती थी'

सोनम खान ने माधुरी दीक्षित और संगीता बिजलानी संग शूटिंग का बताया किस्सा

पुरानी फिल्मों और उनके गानों का जादू समय बीतने के बाद भी लोगों के दिलों में बना रहता है। खासकर 80 और 90 के दशक की फिल्मों के गाने आज भी दर्शकों को उत्साह से भर देते हैं। उस दौर की शूटिंग के पीछे की कहानियां भी अक्सर बेहद दिलचस्प होती हैं, जो समय-समय पर कलाकार खुद साझा करते हैं। ऐसी ही एक याद को एक्ट्रेस सोनम खान ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने अपनी फिल्म 'त्रिदेव' के मशहूर गाने 'गजर ने किया है इशारा' की शूटिंग के अनुभवों की झलक दिखाई। सोनम खान ने इंस्टाग्राम पर एक पुराना वीडियो क्लिप शेयर किया, जिसमें वह, माधुरी दीक्षित और संगीता बिजलानी एक साथ इस गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में तीनों अभिनेत्रियों का ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा है। तीनों के डांस स्टेप्स काफी शानदार है। इस पोस्ट के जरिए सोनम ने दर्शकों को एक बार फिर 80 के दशक के उस सुनहरे समय की याद दिला दी।

इस पोस्ट के साथ सोनम खान ने कैप्शन में लिखा, जब मैं इस गाने की शूटिंग कर रही थी, उस समय मैं सेट पर सबसे छोटी थी। वहां माहौल कुछ ऐसा था जैसे ऑफिस में लोग एक-दूसरे से ज्यादा बात नहीं करते। शूटिंग के दौरान हम तीनों एक साथ काम तो कर रही थीं, लेकिन आपस में ज्यादा बातचीत नहीं होती थी। कभी-कभी काम के माहौल में ऐसा हो जाता है कि लोग एक-दूसरे से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन इसका असर काम पर नहीं पड़ता।

सोनम ने कहा कि मेरा मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं है और यह सिर्फ मेरे नजरिए से देखा गया एक अनुभव है। मैं इस शूट से जुड़े और भी दिलचस्प किस्से आने वाले समय में साझा करूंगी।"

'गजर ने किया है इशारा', फिल्म 'त्रिदेव' का एनर्जी से भरा गाना है।

फिल्म 'त्रिदेव' साल 1989 में रिलीज हुई थी और इसे राजीव राय ने निर्देशित किया था। इस फिल्म में सनी देओल, जैकी श्रॉफ, नसीरुद्दीन शाह जैसे बड़े अभिनेता थे। वहीं माधुरी दीक्षित, संगीता बिजलानी और सोनम खान ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई थी।

परिणीति चोपड़ा ने दिया सेल्फ लव का संदेश

बोलीं–फोन रखें दूर, अपनों के साथ बिताएं समय

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों मदरहुड़ के सुखद पलों का आनंद ले रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए सेल्फ लव और मानसिक शांति से जुड़े मुद्दों पर विचार शेयर किए। परिणीति चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने जीवन को सादगी और सकारात्मकता के साथ जीने की सलाह दी। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, ₹हमें छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद कर देना चाहिए। शरीर हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए इसकी आलोचना करने के बजाय हमें इसके प्रति दयालु होना चाहिए।

परिणीति चोपड़ा ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे अपने शरीर को बेहतर पोषण दें और इसे सक्रिय रखें, क्योंकि भविष्य में हमें इन पलों की कमी महसूस होगी।

परिणीति ने सभी को भागदौड़ भरी जिंदगी से ब्रेक लेने की सलाह देते हुए कहा, बाहर निकलें, खुले आसमान को देखें और सूरज की रोशनी को महसूस करें। असली खुशी भौतिक चीजों के पीछे भागने में नहीं, बल्कि सुकून के साथ वर्तमान को जीने में है। हमें अपनों के साथ बिताए गए समय को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

आज के दौर में स्मार्टफोन की लत पर कटाक्ष करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, अपना फोन नीचे रखें और सचमुच वहां मौजूद रहें जहां आप हैं और अपने प्रियजनों से खुलकर अपने प्यार का इजहार करें। किसी की मदद करना या किसी को प्यार भरा नोट लिखना वह खुशी देता है जिसे पैसों से नहीं खरीदा जा सकता।

पोस्ट के अंत में परिणीति ने एक बहुत ही व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने कहा कि जो चीजें या काम आपको मानसिक रूप से थका देते हैं, उन्हें 'ना' कहना सीखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन में हर उलझन को तुरंत सुलझाना जरूरी नहीं है। जरूरी यह है कि आप अपनी खुशी के लिए बदलाव करने का साहस रखें।

परिणीति चोपड़ा पिछली बार 2024 में रिलीज हुई 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने दिलजीत दोसांझ के साथ अभिनय किया था। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम है।

'पति पत्नी और वो 2' का गाना 'रूप दी रानी' रिलीज

अभिनेता आयुष्मान खुराना अभिनीत फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का नया गाना 'रूप दी रानी' बुधवार को रिलीज कर दिया है। आयुष्मान अपने इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, तीन हसीनाएं और पांडे जी का स्वैग...इसमें पूरा कन्फ्यूजन और मनोरंजन होगा। गाना 'रूप दी रानी' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना फिल्म के मजेदार माहौल को अच्छी तरह से दर्शाता है। इसकी कैची धुनों पर मुख्य कलाकार आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह जमकर थिरकते नजर आ रहे हैं। गाने को गुरु रंधावा और और हीर ने मिलकर गाया है। इसके बोल इंदीवर ने लिखे हैं, जबकि संगीत तनिष्क बागची ने दिया है। डांस की कोरियोग्राफी बॉस्को-लेस्ली मार्टिस ने की है। उन्होंने एक मजेदार हुक स्टेप भी तैयार किया है, जो शादी वाले सीन की ओर इशारा करता है। गाने के रंगीन और एनर्जेटिक विजुअल्स फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं।

मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित फिल्म 'पति पत्नि और वो दो' का निर्माण भूषण कुमार, रेणु रवि चोपड़ा ने किया है। यह 2019 की हिट फिल्म 'पति पत्नी और वो' फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में जहां कानपुर के इंजीनियर चिंटू त्यागी के विवाहेतर संबंध को मजेदार अंदाज में पर्दे पर दिखाया गया था।

इस बार प्रयागराज के प्रजापति पांडे की दुनिया को भी हल्के-फुल्के हास्य अंदाज में दिखाया जाएगा। दरअसल, इस बार फिल्म में प्रजापति पांडे के जीवन में तीन महिलाओं के आने से पैदा होने वाला कन्फ्यूजन को दिखााया जाएगा। फिल्म का टीजर पहले जारी किया जा चुका है, जिसे दर्शकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

फिल्म 'पति पत्नि और वो दो' 15 मई को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

परब्रमता चटर्जी के साथ काम कर खुश हैं निमृत कौर अहलूवालिया, बताया सबसे अच्छा इंसान

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है।

इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, "परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।"

फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है।

फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है।

इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम 'अब होगा हिसाब' बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं।

इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है।

बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म 'शौकी सरदार' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

पायल कपाड़िया बनीं कान फिल्म फेस्टिवल की क्रिटिक्स वीक जूरी की प्रेसिडेंट

इंडियन फिल्म प्रोड्यूसर पायल कपाड़िया को 65वें कान क्रिटिक्स वीक के जूरी के लिए प्रेसिडेंट चुना गया है। पायल एक जूरी को लीड करेंगी जिसमें क्यूबेक के एक्चर थियोडोर पेलरिन, सिंगर और सॉन्ग राइटर ओक्लू, घाना-ब्रिटिश प्रड्यूसर अम्पाडू और पत्रकार और वर्ल्ड फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर डोनसारोन कोवितवानित्चा शामिल हैं।

फ्रांसीसी सिनेमा क्रिटिक्स सिंडिकेट द्वारा आयोजित कान क्रिटिक्स वीक, फर्स्ट और सेकंड फीचर फिल्मों को प्रमुखता देने के लिए जाना जाता है। इस वर्ष, इस सेक्शन में 11 फिल्में दिखाई जाएंगी, जिनमें से सात कॉम्पिटिशन में शामिल होंगी। इन फिल्मों का सिलेक्शन 1,050 एंट्री में से किया गया है। यहां ये भी बताया गया है कि फीचर फिल्मों के साथ-साथ, करीब 2,400 एंट्री में से चुनी गई 13 शॉर्ट फिल्में भी दिखाई जाएंगी। पायल कपाड़िया और उनकी जूरी मुख्य कैटिगरी में विजेताओं का सिलेक्शन करेंगी, जिनमें बेस्ट फीचर फिल्म के लिए ला सेमेन डे ला क्रिटिक अमी पेरिस ग्रैंड प्राइज लुई रोएडेरर फाउंडेशन राइजिंग स्टार अवॉर्ड और बेस्ट शॉर्ट फिल्म के लिए सोनी डिस्कवरी प्राइज शामिल हैं। दरअसल कान फिल्म फेस्टिवल के साथ कपाड़िया का जुड़ाव वर्षों से लगातार बढ़ता जा रहा है। उनकी दूसरी फीचर फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का प्रीमियर 2024 में ऑफिशियल कॉम्पिटिशन में हुआ और इसे ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड मिला। इससे पहले, उनकी डॉक्यूमेंट्री 'ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग' को 2021 में डायरेक्टर्स फोर्टनाइट में दिखाया गया था, जहां इसे बेस्ट डॉक्यूमेंट्री के लिए 'ल'ओइल डी'ओर' अवॉर्ड मिला था।

'आसमानी' वर्ल्ड प्रीमियर के लिए तैयार, सयानी गुप्ता बोलीं-इस फिल्म को अपने बच्चे की तरह मानती हूं

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म 'आसमानी' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, ₹यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।₹ इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, 'गुड लक और फ्लाई।'

'आसमानी' सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है।

सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

कृतिका कामरा ने बताए 'मटका किंग' में गुलरुख के खास लुक के राज, कहा 'परवीन बॉबी से रेखा तक के स्टाइल को देखा'

भारतीय ओटीटी और फिल्मों की दुनिया में जब भी किसी पुराने दौर को पर्दे पर दोबारा दिखाया जाता है, तो उसके पीछे गहरी रिसर्च होती है। ऐसी ही एक कोशिश हाल ही में वेब सीरीज़ 'मटका किंग' में देखने को मिली, जहां अभिनेत्री कृतिका कामरा ने अपने किरदार गुलरुख के जरिए 1960 और 1970 के दशक के मुंबई का फैशन और माहौल फिर से जीवंत कर दिया। इस किरदार की तैयारी में उन्होंने न सिर्फ उस समय की मशहूर फिल्मों और सितारों को देखा, बल्कि उस दौर की असली जिंदगी, स्टाइल और सामाजिक माहौल को भी करीब से समझने की कोशिश की। कृतिका कामरा ने बताया कि उनके किरदार का लुक बनाने की शुरुआत एक खास तस्वीर से हुई थी, जो निर्देशक नागराज सर ने उन्हें दिखाई थी। यह तस्वीर परवीन बॉबी की थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद टीम ने जीनत अमान, शर्मिला टैगोर और रेखा जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों के स्टाइल और पर्सनैलिटी को भी देखा। कॉस्ट्यूम डिजाइनर प्रियंका दुबे ने मेरे साथ कई बार ट्रायल किए, ताकि हर आउटफिट, हर ड्रेस और हर लुक उस समय की असलियत को सही तरह से दिखा सके।

कृतिका ने कहा कि टीम ने उस दौर की असली तस्वीरों और दस्तावेजों को भी खंगाला। इसमें जैज क्लब, रेसिंग इवेंट्स और पारसी इवेंट्स के कार्यक्रमों की तस्वीरें शामिल थीं। इन सब चीजों ने मिलकर यह समझने में मदद की कि उस समय लोग कैसे रहते थे, कैसे कपड़े पहनते थे और उनका पूरा माहौल कैसा हुआ करता था। यही वजह है कि गुलरुख का किरदार सिर्फ एक फैशनेबल लुक नहीं बल्कि एक जीवंत समय का एहसास देता है।

कृतिका कामरा ने कहा कि मेरे किरदार को गढ़ने में सिर्फ कपड़े या मेकअप ही नहीं, बल्कि हर छोटी चीज का ध्यान रखा गया था। हेयरस्टाइल से लेकर जूते और एक्सेसरीज तक सब कुछ बहुत सोच-समझकर चुना गया। इन्हीं बारीकियों की वजह से मुझे अपने किरदार में ढलने और गुलरुख के आत्मविश्वास को समझने में मदद मिली। जब तक किरदार का पूरा लुक सही नहीं होता, तब तक उसकी असली भावना को पर्दे पर लाना मुश्किल होता है।

कीकू शारदा : संघर्ष के दिनों में छोटी-मोटी नौकरियां की, फिर ऐसे बदली किस्मत

टीवी की दुनिया में जब भी कॉमेडी का नाम लिया जाता है, तो कीकू शारदा का चेहरा लोगों के सामने जरूर आता है। कभी 'पलक' बनकर तो कभी 'बंपर' और 'बच्चा यादव' के किरदार में उन्होंने दर्शकों को इतना हंसाया कि लोग उनके स्क्रीन पर आने का इंतजार करने लगे। उनकी कॉमिक टाइमिंग, मजेदार डांस और अलग अंदाज ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। आज भले ही कीकू शारदा टीवी और ओटीटी की दुनिया का बड़ा नाम बन चुके हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें मुंबई में अपना खर्च चलाने के लिए छोटी-मोटी नौकरियां करनी पड़ी थीं। संघर्ष के उसी दौर ने उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत दी। कीकू शारदा का असली नाम राघवेंद्र अमरनाथ शारदा है। उनका जन्म 14 फरवरी 1975 को राजस्थान के जोधपुर में एक मारवाड़ी परिवार में हुआ था। उनका परिवार चाहता था कि कीकू फैमिली बिजनेस संभालें। लेकिन बचपन से ही उनका मन अभिनय और लोगों को हंसाने में लगता था। स्कूल के दिनों में वह ड्रामा और स्टेज शो में हिस्सा लेते थे। उनकी एक्टिंग को देखकर लोग खूब तालियां बजाते। यही से उन्होंने तय कर लिया कि वह अभिनय की दुनिया में ही अपना नाम बनाएंगे।

कीकू पढ़ाई में भी अच्छे थे। उन्होंने ग्रेजुएशन करने के बाद मार्केटिंग में एमबीए की पढ़ाई पूरी की। परिवार चाहता था कि वह अच्छी नौकरी करें या बिजनेस में हाथ बंटाएं, लेकिन उनके दिल में एक्टिंग का सपना था। अपने सपनों को पूरा करने के लिए वह मुंबई आ गए। हालांकि मुंबई में शुरुआत आसान नहीं थी। यहां उन्हें लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। काम न मिलने की वजह से उन्हें छोटी-मोटी नौकरी करनी पड़ीं, ताकि अपना खर्च चला सकें।

करीब दो साल तक संघर्ष करने के बाद उन्हें छोटे-छोटे रोल मिलने शुरू हुए। साल 2003 में उन्हें बच्चों के मशहूर शो 'हातिम' में 'होबो' का किरदार निभाने का मौका मिला। इस किरदार ने उन्हें पहली पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया, लेकिन असली सफलता उन्हें कॉमेडी शो 'एफआईआर' से मिली। इस शो में उन्होंने कॉन्स्टेबल मुलायम सिंह गुलगुले का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

कीकू की जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ तब आया, जब वह 'कपिल शर्मा शो' से जुड़े। 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में उनका 'पलक' वाला किरदार लोगों के दिलों में बस गया। उनकी मजेदार बातें और अजीब डांस स्टेप्स देखकर दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते थे। इसके बाद 'द कपिल शर्मा शो' में उन्होंने 'बंपर', 'बच्चा यादव' और कई मजेदार किरदार निभाए। इन किरदारों ने उन्हें टीवी का बड़ा कॉमेडी स्टार बना दिया।

टीवी के अलावा कीकू शारदा फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने 'फिर हेरा फेरी', 'धमाल', 'रेस', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'अंग्रेजी मीडियम' और 'जवानी जानेमन' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी कॉमिक एक्टिंग को हर जगह पसंद किया जाता है।

यशराज स्टूडियो में शूटिंग के दौरान शुरू हो गया था लेबर पेन : नेहा धूपिया

फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के लिए मां बनना सिर्फ एक निजी अनुभव नहीं होता, बल्कि इसके साथ कई जिम्मेदारियां और चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं। खासकर तब, जब करियर और परिवार दोनों को साथ लेकर चलना हो। इसी कड़ी में नेहा धूपिया ने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान काम को लेकर अपने अनुभव को साझा किया है। दरअसल, हाल ही में नेहा धूपिया, परिणीति चोपड़ा के नए टॉक शो 'मॉम टॉक्स ' में नजर आईं। इस शो में सेलेब्स अपने पेरेंटिंग अनुभव साझा करते हैं।

शो के दौरान नेहा ने अपनी प्रेग्नेंसी के समय का एक ऐसा अनुभव बताया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि वे अपने काम को लेकर इतनी समर्पित थीं कि प्रेग्नेंसी के आखिरी समय तक काम करती रहीं। नेहा धूपिया ने कहा, "मैंने करीब साढ़े आठ महीने की प्रेग्नेंसी तक काम किया। मैं चाहती थी कि मां बनने के बाद भी मेरा काम जारी रहे और मैं जल्द ही अपने प्रोफेशन में वापस लौट सकूं। मुझे शूटिंग के दौरान ही लेबर पेन शुरू हो गए थे। यह सब यशराज स्टूडियो में हुआ, जहां मैं काम कर रही थी। यह अनुभव मेरे लिए काफी अलग और यादगार रहा।"

शो में नेहा धूपिया ने कहा,'एक कामकाजी मां के लिए सबसे बड़ी चुनौती समाज की उम्मीदें होती हैं। मां बनने के बाद भी एक महिला को अपने सपनों और काम को जारी रखने का पूरा अधिकार है। मां बनने के बाद जिंदगी पूरी तरह बदल जानी चाहिए, ऐसा जरूरी नहीं है। महिलाओं को खुद तय करना चाहिए कि वे अपनी जिंदगी कैसे जीना चाहती हैं।

नेहा ने कहा, मां बनने के बाद काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता, लेकिन अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो यह संभव है। आज की महिलाएं पहले से ज्यादा आत्मनिर्भर हैं और वे अपने फैसले खुद लेना जानती हैं। ऐसे में जरूरी है कि उन्हें समाज से भी पूरा सहयोग मिले, ताकि वे बिना किसी दबाव के अपने करियर और परिवार दोनों को संभाल सकें।

नेहा धूपिया की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने 10 मई 2018 को अभिनेता अंगद बेदी से शादी की थी। कपल के दो बच्चे हैं, बेटी मेहर धूपिया बेदी और बेटा गुरिक सिंह धूपिया बेदी। नेहा अक्सर अपने बच्चों और परिवार के साथ बिताए गए पलों को सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।

किशोर कुमार बन सकते थे रणबीर कपूर इस वजह से चुना श्रीराम का रोल

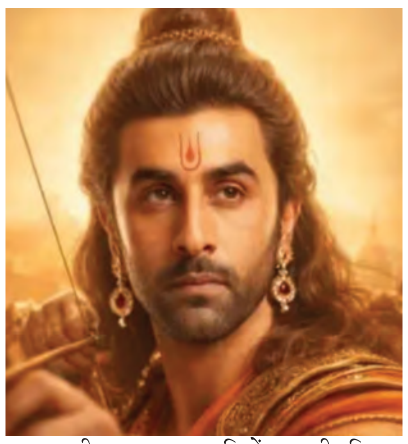

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं, लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस बड़े प्रोजेक्ट को चुनने से पहले उनके सामने एक और बड़ा ऑफर था- किशोर कुमार की बायोपिक।

फिल्ममेकर अनुराग बसु ने खुलासा किया कि रणबीर को एक समय पर दो बड़े प्रोजेक्ट्स में से चुनना था- एक तरफ किशोर कुमार की बायोपिक और दूसरी तरफ रामायण। दोनों फिल्मों की शूटिंग शेड्यूल टकरा रहे थे, जिसकी वजह से रणबीर एक साथ दोनों नहीं कर सकते थे।

अनुराग बसु के मुताबिक, यह फैसला रणबीर के लिए आसान नहीं था। किशोर कुमार जैसे दिग्गज कलाकार की जिंदगी को पर्दे पर उतारना भी एक चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प मौका था। लेकिन आखिरकार रणबीर कपूर ने रामायण को चुना। बसु मानते हैं कि यह सही फैसला था, क्योंकि भगवान राम जैसे पूजनीय और जटिल किरदार को निभाने के लिए न सिर्फ अभिनय क्षमता, बल्कि हिम्मत और समर्पण भी चाहिए होता है।

बसु ने रणबीर के लुक और उनकी तैयारी की भी जमकर तारीफ की। उनका कहना है कि रणबीर ने भगवान राम के किरदार को निभाने के लिए जिस तरह खुद को ढाला है, वह काबिले-तारीफ है। उनके अनुसार, "ऐसे किरदार को निभाने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है, क्योंकि दर्शकों की भावनाएं इससे जुड़ी होती हैं।"

खास बात यह भी है कि रणबीर इस फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। वह भगवान राम के साथ-साथ भगवान परशुराम का किरदार भी निभा रहे हैं। रणबीर ने खुद बताया कि इन किरदारों को समझने के लिए उन्होंने शूटिंग से पहले पूरे साल आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से तैयारी की।

नेशनल अवॉर्ड-विनर अनुपम पटनायक लाए मंत्र मुग्ध- डर, हंसी और जादू का फुल ऑन कॉकटेल

मुंबई मेकर्स ने बहुप्रतीक्षित ओड़िया फिल्म मंत्र मुग्ध का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, और भाईसाहब... वाइब्स बिल्कुल हटके हैं! इस फिल्म को डायरेक्ट किया है नेशनल अवॉर्ड जीत चुके अनुपम पटनायक ने, जिन्हें 69वें फिल्म फेस्टिवल में प्रतीक्ष्या के लिए सम्मान मिला था। अजीब बात ये है कि अनुपम खेर भी इस फिल्म का हिंदी रीमेक बनाने की तैयारी में हैं। कर्मा और गैंग्स ऑफ पुरी जैसी हिट ओटीटी सीरीज के बाद, मंत्र मुग्ध को प्रोड्यूस किया है अमिय पटनायक प्रोडक्शंस ने ओड़िया सिनेमा का 42 साल पुराना दमदार बैनर। फिल्म की शूटिंग 600 साल पुराने धराकोते पैलेस में 45 दिनों तक हुई है यानी लोकेशन भी फुल ऑन स्पूकी! ये फिल्म एक तगड़ा मिक्स है हॉरर, कॉमेडी, मिस्ट्री और फैंटेसी का बिल्कुल झकास कॉकटेल।

कहानी तीन दोस्तों की है, जो एक जोरदार हुए महल में गलती से किसी खतरनाक शक्ति को जगा देते हैं... और फिर शुरू होता है डर, हंसी और पागलपन से भरा एक संकरकोस्टर राइड! फिल्म में एक बड़ी एन्सेम्बल कास्ट है जिसमें सनोज कुमार, मनमय डे, सार्थक भारद्वाज, दीपनवित दासमोहपात्रा, सूर्यमयी महापात्रा, भूमिका दाश, हारा रथ, उमाकांत साहू, सोमा होता, निशांत मजीठिया, वर्षा पटनायक, चौधरी जयप्रकाश दास, आकाश राउत, पीहू महापात्रा, अंकिता मिश्रा, जगन्नाथ जगन, इशानी पांडा, सुजीत बराल, रितेन पटनायक और आशीष राउत अहम किरदारों में नजर आएंगे। कहानी अनुपम पटनायक और रोशन बिसोई ने मिलकर तैयार की है।

स्क्रीनप्ले रोहित गहलोत और अनुपम पटनायक ने लिखा है, जबकि डायलॉग्स प्रणब रथ के हैं। एडिशनल स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स में निशांत मजीठिया का भी योगदान है। मंत्र मुग्ध 1 मई 2026 को सिनेमा में धमाका करने के लिए तैयार है - तो पॉपकॉर्न रेडी रखो, डर और हंसी दोनों मिलने वाले हैं!

कुब्रा सैत ने की डिसऑर्डर पर खुलकर बात, बताया अपना सुपर पावर

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए अपने अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) के सफर के बारे में खुलकर बात की और इसे अपनी कमी के बजाय अपना सुपर पावर बताया।

एक ईमानदार और दिल से किए गए इस वीडियो में कुब्रा ने बताया कि कैसे सालों की सेल्फ-रिफ्लेक्शन और थेरेपी ने उन्हें अपने मन को बेहतर तरीके से समझने में मदद की। उन्होंने माना कि एडीएचडी के साथ कुछ चुनौतियां जरूर आती हैं, लेकिन इसे अपनाने से उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी, फोकस और इंडिविजुअलिटी को नए तरीके से पहचानने में काफी मदद मिली।

गौरतलब है कि एडीएचडी एक तरह की मानसिक परेशानी है, जिसमें आप चाहकर भी किसी एक काम पर फॉक्स नहीं कर पाते। कुब्रा ने इस पर बात करते हुए अपने कैप्शन में लि खा है , गुड मॉर्निंग, ह्यूमंस... मैं पूरी तरह से एक फंक्शनल एडीएचडी दिमाग हूं। हालांकि मुझे इस बारे में बात करने में वक्त लगा, लेकिन अब ऐसा लगता है कि थेरेपी ने मुझे न सिर्फ क्लैरिटी दी, बल्कि इसने मुझे फोकस करने की क्षमता और अपनी अंदरूनी आवाज़ की खूबसूरती को समझने का नजरिया भी दिया।

यही वजह है कि मैं आज पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट और खुश हूं। कुब्रा ने यह भी साझा किया कि पहले शायद वह अपनी नैचुरल प्रवृत्ति के खिलाफ काम करती थीं, लेकिन अब उन्होंने इस पर विजय पा ली है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लोगों को भी अपने अनुभवों को अपनाने और खुलकर साझा करने के लिए प्रेरित किया है।

फिलहाल अपने अलग और दमदार काम के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत ने फिल्मों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक खास पहचान बनाई है और सन ऑफ सरदार 2, ट्रायल और संकल्प जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके काम ने उनकी वर्सेटिलिटी को साबित किया है।

कुब्रा की यह बात वाकई काबिले गौर है कि एडीएचडी को लेकर उनकी यह ईमानदार बातचीत न सिर्फ मेंटल हेल्थ से जुड़े मुद्दों को सामान्य बनाने में मदद करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हमारी अलग-अलग खूबियां भी हमारी असली ताकत हो सकती हैं।

ओटीटी के दौर में बदला भारतीय सिनेमा का चेहरा : पल्लवी चटर्जी

बंगाली सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री पल्लवी चटर्जी ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में मनोरंजन जगत में आए बदलावों और करियर के उतार-चढ़ाव पर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने कहानी कहने के तरीके और कलाकारों के लिए उपलब्धियां ला दी हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हूं, जो बचपन से ही इंडस्ट्री को देखती हुई हूं।

एक अभिनेत्री के तौर पर सिर्फ डायलॉग्स से परे भी बहुत सी चीजें नोटिस करते हैं। आस-पास के माहौल से सीखने और समझने के लिए बहुत कुछ होता है। उन्होंने कहा, ओटीटी के आने से पहले एक निश्चित उम्र के बाद अभिनेत्रियों के लिए भूमिकाएं बहुत सीमित हो जाती थीं। उन्हें अक्सर एक ही जैसे किरदारों में बांध दिया जाता था। मैं कुछ सार्थक और रचनात्मक करना चाहती थी, इसलिए मैंने प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखा।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि प्रोडक्शन के दौरान उन्होंने सेट पर उपकरण उठाने तक का काम किया है। उनका मानना है कि फिल्म बनाना एक सामूहिक प्रयास है। दर्शक अक्सर फिल्म को अच्छी या बुरी कहकर आसानी से राय बना लेते हैं, लेकिन उसके पीछे की मेहनत, निवेश और भावनाओं को नहीं देखते।

पल्लवी चटर्जी ने कई भाषाई फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। विभिन्न भाषाओं में काम करने के अनुभव को उन्होंने आईएएनएस के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता के लिए किरदार सबसे महत्वपूर्ण होता है, लेकिन भाषा पर पकड़ होना भी उतना ही अनिवार्य है।

उन्होंने कहा, यदि कोई अभिनेता भाषा में सहज नहीं है, तो उसका पूरा ध्यान अभिनय के बजाय सही संवाद बोलने पर लगा रहता है। मैं हिंदी और बंगाली में सहज हूं, लेकिन जब मैंने उड़िया फिल्म की, तो मैंने वहां के स्थानीय लोगों और तकनीशियनों के साथ घंटों बैठकर अपने उच्चारण को सुधारा। सेट पर जाने से पहले होमवर्क करना हर कलाकार के लिए जरूरी है।

अभिनेत्री ने पुराने और नए दौर की तुलना करते हुए कुछ मुख्य बिंदुओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा, पहले फिल्में केवल कमर्शियल और आर्ट सिनेमा में बंटी होती थीं और दर्शकों के पास सीमित विकल्प हुआ करते थे। पुरानी तकनीक के मुकाबले आज की तकनीक ने सिनेमा की भव्यता बढ़ा दी है। डिजिटल क्रांति की वजह से आज दर्शक दुनिया भर का बेहतरीन कंटेंट देख रहे हैं। इससे उनकी समझ और उम्मीदें बढ़ गई हैं।

'राजा शिवाजी' पर सुभाष घई ने दी प्रतिक्रिया कहा-जब ट्रेलर ही इतना रॉकिंग है, तो फिल्म कैसी होगी'

भारतीय सिनेमा में ऐतिहासिक और देशभक्ति से जुड़ी फिल्मों की हमेशा एक खास जगह रही है। इस कड़ी में इन दिनों ऐसी ही एक फिल्म 'राजा शिवाजी' काफी चर्चा में है, जिसे अभिनेता रितेश देशमुख ने डायरेक्ट किया है। फिल्म के ट्रेलर और पोस्टर सामने आने के बाद से लोगों में इसे लेकर उत्साह देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अब इस फिल्म को लेकर दिग्गज फिल्ममेकर सुभाष घई ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर 'राजा शिवाजी' का पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की जमकर तारीफ की। उन्होंने ट्रेलर को बेहद दमदार बताया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, सोचिए, जब ट्रेलर ही इतना रॉकिंग है, तो फिल्म कैसी होगी। थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव और भी खास और जादुई होने वाला है। यह फिल्म दर्शकों को एक अलग ही स्तर का सिनेमाई अनुभव देने वाली है।

उन्होंने कहा कि रितेश देशमुख ने इस फिल्म को जुनून और मेहनत के साथ बनाया है। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने अभिनय के साथ-साथ कहानी लिखने और निर्देशन पर भी शानदार काम किया है। फिल्म में देशभक्ति की भावना साफ नजर आती है। मुझे विश्वास है कि यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

इतना ही नहीं, सुभाष घई ने फिल्म में शामिल अन्य कलाकारों की भी सराहना की। उन्होंने संजय दत्त और अभिषेक बच्चन का जिक्र करते हुए कहा कि इन सितारों ने रितेश का पूरा साथ दिया है, ताकि फिल्म बेहतर बन सके। सभी चाहते हैं कि यह फिल्म सफल हो।

'राजा शिवाजी' मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। फिल्म में उनके संघर्ष, साहस और नेतृत्व को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। यह कहानी सिर्फ इतिहास नहीं बल्कि प्रेरणा और देशभक्ति का संदेश भी देती है।फिल्म में रितेश देशमुख मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके अलावा, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे कलाकार शामिल हैं।

फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया गया है और इसे एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के रूप में पेश किया जा रहा है। 'राजा शिवाजी' जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत है जबकि इसे ज्योति देशपांडे और जेनेलिया देशमुख ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसे मराठी, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में दुनिया भर में दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा।

बीजेपी विधायक सहित 6 को बंगला खाली करने का नोटिस

एमएलए बोले-सीएम के पदचिह्नों पर चल रहा, सालों से किराया तक नहीं दे रहे मालवीय

उज्जैन, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में बंगलों से कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू होते ही विवाद बढ़ गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आलोट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय सहित 6 लोगों को सरकारी आवास खाली करने के नोटिस दिए हैं। नोटिस के बाद विधायक ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आवास पर सवाल उठाए हैं।

विश्वविद्यालय की हाल ही में हुई कार्यपरिषद की बैठक में तय हुआ है कि जिन लोगों का विश्वविद्यालय से संबंध नहीं है, उनसे आवास खाली कराए जाएंगे। जानकारी के अनुसार, 6 आवासों पर बाहरी लोगों का कब्जा है, जिनमें भाजपा विधायक, पूर्व एडिशनल एसपी, असिस्टेंट प्रोफेसर, लेक्चरर सहित अन्य शामिल हैं।

कब्जों के कारण अधिकारियों और कर्मचारियों को आवास नहीं मिल रहे हैं। वर्तमान में 50 से

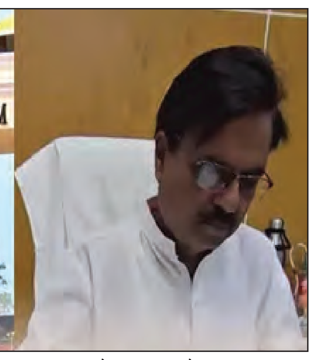

अधिक कर्मचारी आवास के लिए आवेदन कर चुके हैं। प्रशासन अब वर्षों से कब्जा जमाए लोगों को हटाने की तैयारी में है।

विश्वविद्यालय का ई-4 आवास आवंटित हुआ था, जिसका मासिक किराया 1620 रुपए है। उन्होंने अक्टूबर 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले एक दिन में 9.09 लाख रुपए जमा किए थे।

इसके बाद से किराया जमा नहीं किया गया है। नोटिस के बाद विधायक ने कहा- नैतिक सवाल यह भी है कि मुख्यमंत्री ने कुलपति का बंगला ले रखा है, जो एक लैंडमार्क और ऐतिहासिक भवन होता है। हम उन्हीं के पदचिह्नों पर हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से उनका कुछ बकाया हिसाब है। उन्होंने चुनाव से पहले करीब 10 लाख रुपए जमा किए थे। उनका दावा है कि 2010 में उनका प्रमोशन होना था, जो 4 साल लंबित रहा, जिससे भुगतान बाकी है। वे कई बार विश्वविद्यालय से हिसाब करने का अनुरोध कर चुके हैं।

उन्होंने कहा है कि हिसाब होने पर वे आवास खाली कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जांच गहराई से होगी तो मामला लंबा हो सकता है। कुलगुरु अर्पण भारद्वाज ने बताया कि कार्यपरिषद के निर्णय के अनुसार विश्वविद्यालय के आवास केवल कर्मचारियों के लिए सुरक्षित रखे जाएंगे। जिन लोगों को नोटिस दिया गया है, उन्हें एक माह का समय दिया गया है।

उन्होंने कहा कि कई कर्मचारी जर्जर भवनों में रहने को मजबूर हैं, जबकि कुछ आवासों पर बाहरी कब्जा है। आवास खाली होने के बाद इन्हें कर्मचारियों को दिया जाएगा। जर्जर 21 भवनों को हटाने की योजना भी है। यादव के लिए उज्जैन के देवास रोड स्थित कुलपति का बंगला खाली कराया गया था। इसके बाद उसका नवीनीकरण हुआ। ये करीब डेढ़ साल पहले तैयार किया गया। वर्तमान में मुख्यमंत्री उज्जैन प्रवास के दौरान अधिकतर इसी बंगले में रात्रि विश्राम करते हैं। इसी मुद्दे पर विधायक ने विश्वविद्यालय के नोटिस पर प्रतिक्रिया दी है।

बच्चों के सामने पत्नी का गला काटा सिर लेकर घूमा

बोला- बहुत प्यार करता था, कैरेक्टर पर शक करती थी, इसलिए मार डाला

कोरबा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में पति ने पत्नी का चाकू से सिर धड़ से अलग कर दिया। इसके बाद कटा हुआ सिर लेकर गांव में घूमता रहा। फिर कटे हुए सिर को बोरी में रखकर बैठ गया। गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस पहुंची तो बोला- सर इसकी मुंडी मैंने काट दिया। मैं इसको बहुत प्यार करता था। अपने जान से ज्यादा। इसीलिए इसे चाकू से काटा हूं।

आरोपी ने पुलिस को बताया पत्नी उसके कैरेक्टर पर शक करती थी। इसके कारण आए दिन विवाद होता रहता था। घटना के समय भी दोनों ने शराब पी थी। चरित्र शंका को लेकर फिर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान गुस्से में पति ने पत्नी का गला काट दिया।

बताया जा रहा है कि घटना के समय दंपती के 2 बच्चे घर पर ही मौजूद थे। कुछ लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह पूरा मामला जगामार थाना क्षेत्र के ग्राम बुंदेली का है।

ट्रेनों में 'मौत' बांट रहे नकली साधु

झारखंड में नशीला लड्डू खाने से महिला की मौत, गिरोह का पर्दाफाश

धनबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के कोडरमा-धनबाद रेलखंड पर नकली साधुओं के एक गिरोह की ओर से दिए गए नशीले प्रसाद को खाने से उत्तर प्रदेश के मांडा की रहने वाली एक महिला यात्री की मौत हो गई। महिला अस्पताल में चार दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ी, लेकिन अंततः उसे बचाया नहीं जा सका।

सात नकली साधुओं को किया गिरफ्तार

इस सनसनीखेज वारदात के बाद रेल पुलिस ने घेराबंदी कर वाराणसी के रहने वाले सात नकली साधुओं को गिरफ्तार किया है।

झारखंड के रेल डीजी अनिल पलटा को लगातार मिल रहे इनपुट्स के बाद जीआरपी और आरपीएफ की एक संयुक्त टीम गठित की गई थी।

पुलिस ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों को खंगाला, जिसमें संदिग्धों की संदिग्ध गतिविधियां कैद हुई थीं।

'विशेष प्रसाद' के नाम पर नशीला लड्डू खिलाकर लूट

पकड़े गए सातों आरोपियों ने

स्वीकार किया है कि वे वाराणसी और आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं। वे अलग-अलग टुकड़ियों में बंटकर विभिन्न राज्यों की ट्रेनों, विशेषकर स्लीपर और जनरल बोगियों में यात्रियों को अपना निशाना बनाते थे।

इस गिरोह के सदस्य साधु का भेष धारण कर खुद को किसी प्रतिष्ठित मठ से जुड़ा बताते हैं। ट्रेन में सफर के दौरान वे यात्रियों से मेल-जोल बढ़ाकर उनका विश्वास जीतते हैं और फिर 'विशेष प्रसाद' के नाम पर नशीला लड्डू थमा देते हैं।

मांडा की रहने वाली के साथ भी यही हुआ। लड्डू खाते ही वह अचेत हो गई, जिसके बाद लुटेरे उसकी नकदी और चांदी के गहने लेकर चंपत हो गए। पुलिस पूछताछ में यह उजागर हुआ कि यह एक संगठित सिंडिकेट है, जो साधु के भेष का इस्तेमाल केवल अपराध को छिपाने के लिए 'कवर' के तौर पर करता था। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितने यात्रियों को अपना शिकार बनाया है और इनके द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नशीली दवाओं का स्रोत क्या है।

रेल प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि यात्रा के दौरान किसी भी अपरिचित व्यक्ति, चाहे वह किसी भी भेष में हो, उसके द्वारा दिए गए प्रसाद या किसी भी खाद्य सामग्री को कतई स्वीकार न करें। धर्म और आस्था की आड़ में किसी अजनबी पर भरोसा करना जानलेवा साबित हो सकता है।

कबरीबाद माइंस में तस्करों के बीच अफरा-तफरी

गिरिडीह पुलिस-सीसीएल का ज्वाइंट एक्शन अवैध कोयला ढोने वाले 16 बाइक जब्त

गिरिडीह, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र स्थित सीसीएल के कबरीबाद माइंस में गुरुवार सुबह अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। सीसीएल प्रबंधन और मुफ्फसिल पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर तस्करी में इस्तेमाल हो रही 15 से 16 बाइकों को जब्त किया।

बताया जा रहा है कि लंबे समय से इस क्षेत्र में अवैध कोयला उत्खनन और तस्करी की शिकायतें मिल रही थीं। छापेमारी के दौरान तस्करों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग मौके से फरार हो गए। कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप का माहौल है।

सीसीएल प्रबंधन के अनुसार, तस्कर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर माइंस क्षेत्र में पहुंचते थे। अवैध रूप से कोयला निकालकर बाइकों के जरिए विभिन्न स्थानों तक पहुंचाते थे। परियोजना पदाधिकारी जी.एस. मीणा ने बताया कि इस अवैध गतिविधि के कारण कंपनी के उत्पादन कार्य पर गंभीर असर पड़ रहा है।

प्रतिदिन एक रेक कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित है, लेकिन तस्करों की सक्रियता के चलते यह लक्ष्य पूरा नहीं हो पा रहा है। कई बार तस्करों की मौजूदगी के कारण काम बाधित हो जाता है। उत्पादन पूरी तरह ठप होने की स्थिति बन जाती है।

छापेमारी के दौरान जब्त की गई सभी बाइकों को मुफ्फसिल थाना भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। तस्करी में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि चिन्हित तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऊर्जा निगम घोटाला : 56.5 करोड़ रूपए निजी खातों में ट्रांसफर

रांची, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ऊर्जा निगम के खातों से अवैध रूप से निकाले गए 56.5 करोड़ रुपए के मामले में सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बड़ा खुलासा किया है। पता चला है कि राशि अलग-अलग निजी खातों में ट्रांसफर की गई थी। इस रकम में से 20 लाख रुपए दिल्ली की घड़ी कंपनी मेसर्स वाच ग्रुप के सिटी बैंक खाते में ट्रांसफर हुई थी। यह खाता नई दिल्ली के वेस्ट पंजाबी बाग शाखा में संचालित है।

जांच में सामने आया है कि यह कंपनी राडो, टिसोट, लोंगिन्स और ओमेगा जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड की घड़ियों और उनके स्पेयर पार्ट्स के इंपोर्ट, डिस्ट्रीब्यूशन और रीसेल का कारोबार करती है। एजेंसी ने इस लेन-देन को संदिग्ध मानते हुए संबंधित बैंक खाते को फ्रीज कर दिया है। सीआईडी का कहना है कि यह रकम कथित गबन से जुड़ी हो सकती है।

रिकेश की हत्या की साजिश का दावा करने वाला फरार

दुर्ग-भिलाई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। करीब एक महीने पहले सोशल मीडिया पर पीली फाइल के साथ वीडियो जारी करने वाले बीजेपी नेता जय प्रकाश यादव को अब राजनांदगांव पुलिस ने फरार घोषित कर दिया है और उस पर 5 हजार रुपए का इनाम रखा है।

जय प्रकाश यादव वही नेता है, जिन्होंने मार्च में एक वीडियो जारी कर वैशाली नगर के भाजपा विधायक रिकेश सेन को जान से मारने की साजिश का दावा किया था। हालांकि, इससे पहले जय प्रकाश यादव के खिलाफ राजनांदगांव और दुर्ग में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के मामले दर्ज हो चुके थे। जय प्रकाश यादव मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिल के राष्ट्रीय युवा मोर्चा के अध्यक्ष बताए जा रहे हैं। वह पहले पार्षद भी रह चुके हैं और वैशाली नगर विधानसभा से बीजेपी के खिलाफ बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव भी लड़ चुके हैं। इसके बाद पार्टी ने उन्हें 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था। जय प्रकाश यादव के खिलाफ राजनांदगांव और दुर्ग जिले में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के मामले दर्ज हैं। आरोप है कि राजनांदगांव के डोंगरगढ़ में 5 लोगों से 11 लाख रुपए और दुर्ग के सुपेला थाना क्षेत्र में 6 लोगों से 16 लाख रुपए की ठगी की गई। फिलहाल राजनांदगांव पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

पुलिस ने उन्हें पकड़ने या सही जानकारी देने वाले को 5 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की है और इसका पोस्टर भी सोशल मीडिया पर जारी किया है।

वृद्ध दंपती पर हमला, पति की मौत

गुमला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। गुमला जिले के कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र के लूरु गांव में अज्ञात अपराधियों ने एक वृद्ध दंपती पर हमला किया। इस हमले में 75 वर्षीय शिबू उरांव की गला दबाकर हत्या कर दी गई, जबकि उनकी पत्नी घानो देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घटना की सूचना गुरुवार को मिलने पर कुरूमगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई दिनेश कुमार ने शिबू उरांव के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। घायल घानो देवी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के पीछे के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। मृतक के परिजन बाबूलाल ने घटना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को उनकी बहू घर में केवल वृद्ध दंपती को छोड़कर एक शादी समारोह में गई हुई थी। इसी दौरान अज्ञात अपराधी घर में घुस आए। अपराधियों ने पहले शिबू उरांव पर हमला किया और गला दबाकर तथा मारपीट कर उनकी हत्या कर दी।

शोर सुनकर जब उनकी पत्नी घानो देवी वहां पहुंचीं, तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया और उनका गला दबाने लगे। घानो देवी के शोरगुल को सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद अपराधी वहां से भाग निकले। गुरुवार को जब बहू घर लौटी, तब उसे घटना की जानकारी हुई। उसने देखा कि शिबू उरांव की मौत हो चुकी थी और घानो देवी घायल अवस्था में कराह रही थीं।

रांची-पटना हाईवे पर दो ट्रकों में टक्कर, लगी आग

हजारीबाग, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के पदमा ओपी थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इटखोरी मोड़ के पास रांची-पटना मुख्य मार्ग पर दो मालवाहक ट्रकों की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दोनों ट्रक जलने लगे। इस घटना के बाद हाईवे पर अफरातफरी मच गई और सुरक्षा कारणों से यातायात रोक दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि वाहनों के इंजन से चिंगारी निकली और तुरंत आग लग गई।

जानकारी के अनुसार, एक ट्रक में भारी मात्रा में कोल्ड ड्रिंक लदा था, जबकि दूसरे में स्पंज था। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल पदमा ओपी पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पदमा ओपी प्रभारी संचित दुबे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तत्काल बरही से फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कोल्ड ड्रिंक से लदा ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। राहत की बात यह रही कि इस भीषण दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

दोनों वाहनों के चालक और सह-चालक समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। पदमा ओपी प्रभारी संचित दुबे ने बताया कि दो मालवाहक गाड़ियों के बीच टक्कर हुई थी। एक ट्रक पर कोल्ड ड्रिंक और दूसरे में स्पंज लदा था। दमकल टीम ने आग बुझा दी है।

हादसे के बाद सुरक्षा के मद्देनजर हाईवे पर आवाजाही रोक दी गई थी, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

पिकअप ने बुलेट को मारी टक्कर, 2 की मौत

गढ़वा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। गढ़वा जिले के मुद्दीसेमर मेन रोड पर खजुरी पेट्रोल पंप के पास हुए सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। दोनों युवक बुलेट मोटरसाइकिल सवार हो कर आ रहे थे। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। इस दुर्घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

मृतकों की पहचान मेराल थाना क्षेत्र के हरादाग गांव निवासी शुकुल राम के पुत्र विशाल कुमार (18 वर्ष) और छावनवा टोला निवासी उदय कांत राम के पुत्र मनीष कुमार (25 वर्ष) के रूप में की गई है।

इलाज के बहाने निर्मल बाबा ने महिला से रेप किया

होटल बुलाकर संबंध बनाए, न्यूड फोटो खींची इंस्टा पर अपलोड कर ब्लैकमेल किया, अरेस्ट

जांजगीर-चांपा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक ढोंगी बाबा ने महिला से रेप किया है। महिला को शरीर में दर्द की परेशानी थी, इस समस्या के इलाज के लिए वह निर्मल बाबा (60) के पास गई थी। बाबा ने उसे चमत्कार से पूरा ठीक करने का झांसा दिया और प्रसाद खिलाया।

भरोसे में लेकर बाबा ने उसे मैहर बुलाया, जहां एक होटल में ले जाकर उसने महिला से दुष्कर्म किया और कुछ न्यूड फोटो खींच लिए। जब पीड़िता ने विरोध किया तो बाबा ने इंस्टाग्राम पर अश्लील फोटो वायरल कर दिए। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आरोपी को हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी महाराष्ट्र के नासिक का रहने वाला है।

पीड़िता ने 11 अप्रैल 2026 को पामगढ़ थाने में शिकायत दर्ज

कराई थी। उसने बताया कि चैत्र नवरात्रि के दौरान निर्मल बाबा पामगढ़ क्षेत्र में पदयात्रा करते हुए आया था। वह खुद को चमत्कारी बताकर लोगों की समस्याएं दूर करने का दावा कर रहा था। पीड़िता को शरीर में दर्द की परेशानी थी। वह अपनी सहेली के साथ बाबा से इलाज के लिए मिलने पहुंची, जहां बाबा ने उसका हाथ देखकर सब ठीक होने का झांसा दिया और मोबाइल नंबर ले लिया। 26 मार्च को आरोपी ने पीड़िता को कॉल कर मार्केट बुलाया और 'प्रसाद' देकर उसे अपने झांसे में ले लिया। बाबा ने पीड़िता से कहा कि इस प्रसाद से सब ठीक हो जाएगा। पीड़िता उसके झांसे में आ गई। इसके बाद बाबा उसे एक दिन अपने साथ बिलासपुर ले गया और फिर ट्रेन से मध्यप्रदेश के मैहर पहुंचा, जहां एक होटल में ठहराया। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने वहां इलाज के नाम पर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो खींची। 1 अप्रैल को आरोपी उसे बिलासपुर में छोड़कर भाग गया।

घटना के बाद भी आरोपी ने पीड़िता को लगातार फोन कर परेशान किया। जब पीड़िता ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया, तो आरोपी ने उसके नाम से एक फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई और अश्लील तस्वीरें पोस्ट कर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

बीजेपी नेता ने पटवारी-ऑपरेटर को लात-डंडे से पीटा

ऑफिस में घुसकर मारपीट, आरआई का नंबर मांगने पर विवाद

सरगुजा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में भाजपा नेता ने आरआई के मोबाइल नंबर मांगने को लेकर पटवारी की लात-घूंसे से जमकर पिटाई कर दी। ऑपरेटर को भी पीट दिया। मारपीट का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया। अब सरगुजा कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद देर रात कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जमीन खरीद-बिक्री का भी काम करता है। ग्राम कंठी में पटवारी प्रकाश मंडल बुधवार दोपहर को अपने कार्यालय में बैठे हुए थे। इसी समय मारपीट हुई। वे करजी और सोहगा के भी पटवारी हैं। पटवारी संघ ने कलेक्टर और एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और उसका जुलूस निकालने की मांग की है, वरना आंदोलन की चेतावनी दी है। मामला दरिमा थाना क्षेत्र का है। भाजपा नेता और एसटी मोर्चा का मंडल अध्यक्ष जितेंद्र कुजूर (मोनू) ने पटवारी कार्यालय में घुसकर पटवारी प्रकाश मंडल से आरआई अनिता राजवाड़े के संबंध में पूछताछ की। पटवारी ने कहा कि, आरआई लंच के लिए गई हैं। जितेंद्र कुजूर ने पटवारी से उन्हें फोन लगाने के लिए कहा। प्रकाश मंडल ने कहा कि, दीवार में उनका नंबर लिखा है, आप खुद लगा लें।

रात में ससुराल आई दुल्हन, सुबह लौटी मायके

21 साल होने में 2 महीने कम निकला दूल्हा, प्रशासन ने रुकवाया विवाह

बालोद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बालोद जिले में बाल विवाह का एक मामला सामने आया है, जहां शादी की तय उम्र से दो महीने कम होने के बावजूद युवक की शादी करा दी गई। मामला उजागर होते ही प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम सक्रिय हुई और विवाह को शून्य घोषित कर दिया गया।

दुल्हन को रात में ससुराल लाया गया था, जिसे बुधवार सुबह पुलिस और विभागीय टीम ने सुरक्षित उसके मायके राजनांदगांव भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, युवक की वर्तमान उम्र 20 वर्ष 10 माह है, जबकि कानूनन शादी के लिए लड़के की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष निर्धारित है। इसके बावजूद मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात युवक ने राजनांदगांव स्थित लड़की के घर जाकर विवाह की रस्में पूरी कीं और दुल्हन को अपने गांव भर्रीटोला ले आया।

बुधवार सुबह सोशल मीडिया पर यह मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। टीकावन कार्यक्रम से पहले ही कार्रवाई करते हुए विवाह को शून्य घोषित कर दिया गया।

जांच में सामने आया कि युवक के आधार कार्ड में जन्मतिथि 13 जून 2002 दर्ज है, जबकि स्कूल के दाखिला पंजी में जन्मतिथि 13 जून 2005 है। नियमों के अनुसार दाखिला पंजी में दर्ज जन्मतिथि को मान्य माना जाता है, जिससे युवक नाबालिग साबित हुआ।

इस घटना के बाद विभागीय प्रशिक्षण और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बाल विवाह रोकने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सरपंच और सचिव को नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है, इसके बावजूद इतनी बड़ी चूक होना प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करता है।

एसडीएम सुरेश साहू, महिला बाल विकास अधिकारी समीर पांडेय और बाल संरक्षण अधिकारी गजानंद साहू ने दोनों पक्षों को समझाइश दी। पंचनामा और सहमति पत्र भरवाया गया, जिसमें तय हुआ कि दो माह बाद, जब युवक 21 वर्ष का हो जाएगा, तब विधिवत विवाह कराया जाएगा।

एक ही पते पर चल रही केमिकल फैक्ट्रियां

दुर्ग-भिलाई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में एक ही पते पर अलग-अलग केमिकल फैक्ट्रियों के संचालन का मामला अब गरमाते जा रहा है। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने विधानसभा में मुद्दा उठाया था, लेकिन वहां मिले जवाब से वे संतुष्ट नहीं हैं। अब उन्होंने आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो को पत्र लिखकर पूरे मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई है, इसकी जानकारी मांगी है।

विधानसभा में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की ओर से दिए गए जवाब में कहा गया था कि, इस तरह की कोई शिकायत विभाग को नहीं मिली है। लेकिन इसी जवाब में यह भी बताया गया कि, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने 24 फरवरी 2025 को चार सदस्यों की एक जांच समिति बनाई थी। इस समिति ने जिले के 16 कोलतार प्रोसेसिंग से जुड़े उद्योगों की जांच की थी। जांच के दौरान 8 उद्योग ऐसे पाए गए, जिन्होंने पर्यावरण से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया। विभाग ने कहा कि इन पर नियम के अनुसार कार्रवाई की गई है। हालांकि यह साफ नहीं किया गया कि किस तरह की कार्रवाई हुई और उसका क्या नतीजा निकला। इसके अलावा 24 जून 2025 को एक शिकायत भी मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि, कुछ उद्योगों ने जानकारी छिपाकर केंद्रीय पर्यावरण स्वीकृति हासिल की। हैरानी की बात यह है कि इस शिकायत पर कोई जांच समिति नहीं बनाई गई। वहीं एक अन्य शिकायत पर पर्यावरण मंडल ने 7 जुलाई 2025 को उद्योग संचालनालय समेत अन्य विभागों को पत्र भेजा था।

गर्लफ्रेंड से अनबन के बाद युवक ने की आत्महत्या

गुमला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। गुमला में बीती देर रात एक युवक ने साड़ी से बने फंदे से लटक सुसाइड कर लिया। वो अपनी गर्लफ्रेंड से फोन पर बात कर रहा था और इसी बीच दोनों के बीच कुछ अनबन हुआ था। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के करौंदी नायक टोली निवासी 22 वर्षीय राकेश नायक के रूप में की गई।

गुरुवार सुबह उसकी मां ने राकेश को फंदे पर लटका देखा। इसके बाद परिजनों ने उसे सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजन रोशन नायक ने बताया कि राकेश की दो साल पहले बुआ की शादी में नेतरहाट में एक युवती से दोस्ती हुई थी, जो बाद में प्रेम प्रसंग में बदल गई।

25.62 लाख के गांजा के साथ 3 पकड़ाए

रायगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। ओडिशा से ट्रेन के जरिए 52 किलो गांजा लेकर आ रहे तीन तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब 25.62 लाख रुपए का गांजा जब्त किया गया है। यह मामला खरसिया चौकी क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा से तीन युवक बड़े बैग में गांजा लेकर आ रहे हैं। इस पर एसएसपी शशि मोहन सिंह ने सड़क और ट्रेन दोनों रास्तों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए और सभी थानों व साइबर टीम को अलर्ट किया।

इसी दौरान खरसिया रेलवे कॉलोनी के पास तीन संदिग्ध युवक बड़े बैग के साथ घूमते हुए दिखे, जो ग्राहकों की तलाश में थे।

पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम दिनेश कुमार बेहरा (22), शिवा बेहरा (21) और देवी प्रसाद कंहर (19) बताए। तीनों ओडिशा के कंधमाल जिले के रहने वाले हैं।

गौतम अडानी ने लगा दी रेस और पीछे छूट गए मुकेश अंबानी, कितनी है दोनों की नेटवर्थ?

नई दिल्ली,23 अप्रैल(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण आज फिर शेयर बाजार में गिरावट आई है। इससे पहले बुधवार को भी शेयर मार्केट गिरा था। लेकिन अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी रही। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 3.32 अरब डॉलर यानी करीब 31,239 करोड़ रुपये की तेजी आई।

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 98.7 अरब डॉलर रुपये पहुंच चुकी है। वह एशिया में पहले और दुनिया में 18वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 14.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में बुधवार को 35.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई। वह 91.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एशिया में दूसरे और दुनिया में 20वें नंबर पर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है। रिलायंस का शेयर इसी साल 5 जनवरी को 1,611 रुपये पर पहुंचा था।

लेकिन उसके बाद इसमें 15 फीसदी गिरावट आई है। इस दौरान कंपनी के मार्केट कैप में 3.37 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

किसने कमाया, किसने गंवाया

मुकेश अंबानी ने इस साल अब तक 16.4 अरब डॉलर गंवाए हैं इस साल माइकल डेल की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा तेजी आई है फ्रांसीसी बिजनसमैन बर्नार्ड आरनॉल्ट ने सबसे ज्यादा गंवाया है दुनिया के टॉप 20 रईसों में से 7 की नेटवर्थ में गिरावट आई है

कौन-कौन हैं टॉप में?

इस बीच एलन मस्क 655 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बने हुए है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 35.7 अरब डॉलर की तेजी आई है। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 289 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के जेफ बेजोस 275 डॉलर के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 21.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। सर्जेई ब्रिन 269 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर हैं।

जंग के पीछे शेयर बाजार के धंधे के मिले सबूत!

ट्रंप के सीजफायर ऐलान से ठीक पहले हुआ खेल और चंद मिनटों में कमाए करोड़ों

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ऐसा माना जा रहा था कि ईरान वॉर और सीजफायर की खबरों से बाजार में हेरा फेरी कर मोटा पैसा बनाया जा रहा है. अब रायटर्स की एक रिपोर्ट ने इन कयासों को और बढ़ा दिया है.

सीजफायर के ऐलान से ठीक पहले कैसे कच्चे तेल का खेल किया गया और महज 2 मिनट में ही करीब 430 मिलियन डॉलर एफएंडओ मार्केट से छाप दिए गए. ये तो हुई एक दिन की बात. वहीं, अगर बात पूरे अप्रैल की करें तो करीब 20 दिनों में मार्केट को मैन्युपुलेट करके करीब 2.1 बिलियन डॉलर की हेरा फेरी कर दी गई. सीजफायर के ऐलान से ठीक पहले क्रूड ऑयल के 4260 लॉट एक झटके में बेच दिए गए, जिससे एक ही झटके में कच्चे तेल की कीमतें 15 फीसदी तक लुढक गईं और इस गिरावट से करीब 430 मिलियन डॉलर की कमाई कर ली गई. पहले कमाए पैसे, फिर हो गया सीजफायर! मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह कहने से ठीक 15 मिनट पहले कि वह ईरान के साथ संघर्ष विराम को आगे बढ़ाएंगे, ट्रेडर्स ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट पर $430 मिलियन के दांव लगाए. इस महीने यह तीसरी बार है और कुल मिलाकर चौथी बार, जब ईरान युद्ध से जुड़ी बड़ी घोषणाओं से ठीक पहले तेल की कीमतों पर बड़े और सही समय पर लगाए गए दांव सामने आए हैं. मार्च में एक संयुक्त दांव $500 मिलियन का था, जबकि अप्रैल के दांवों का कुल मूल्य लगभग $2.1 बिलियन रहा. एलएसईजी के आंकड़ों के अनुसार, 1954 से 1956 जीएमटी के बीच करीब 4,260 लॉट ब्रेंट क्रूड ऑयल एक साथ बेचे गए, जिनकी कुल वैल्यू लगभग 430 मिलियन डॉलर थी. यह सौदा ऐसे समय में हुआ जब बाजार बंद होने के बाद

कम वॉल्यूम में ट्रेडिंग होती है, जिससे कीमतों पर इसका असर ज्यादा दिखता है. उस वक्त तेल की कीमत लगभग 100.91 डॉलर प्रति बैरल थी, जो थोड़ी गिरकर 100.66 डॉलर पर आ गई. इसके कुछ ही मिनट बाद, 2010 जीएमटी पर ट्रंप ने सीजफायर बढ़ाने का ऐलान किया, जिसके बाद तेल की कीमत तेजी से गिरकर 96.83 डॉलर तक पहुंच गई. इस गिरावट से पहले लगाए गए दांव ने ट्रेडर्स को भारी मुनाफा दिलाया. ऐसा पहली बार नहीं हुआ है. मार्च और अप्रैल के दौरान इस तरह के कई बड़े दांव देखे गए. 23 मार्च को ट्रंप की संभावित सैन्य कार्रवाई टालने की घोषणा से पहले करीब 500 मिलियन डॉलर का दांव लगाया गया था. वहीं, 7 अप्रैल को सीजफायर की घोषणा से पहले 950 मिलियन डॉलर और 17 अप्रैल को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जुड़ी खबर से पहले 760 मिलियन डॉलर के दांव लगाए गए. कुल मिलाकर अप्रैल में ही ऐसे सौदों की वैल्यू 2.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई, जिससे यह संदेह गहराता है कि बाजार में इनसाइड जानकारी के आधार पर ट्रेडिंग की जा रही है. इस पूरे मामले में अमेरिकी एजेंसियां जांच भी कर रही हैं. हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर बाजार में हेरफेर की पुष्टि नहीं की है, लेकिन जिस तरह से अहम घोषणाओं से पहले सटीक दांव लगाए गए, उसने बाजार की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ बंद

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का हाल क्या?

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी नाकाबंदी के चलते कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, कमजोर रुपए और अन्य प्रतिकूल कारकों के कारण भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी दिन बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख घरेलू बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंकों यानी 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,664 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 205.05 (0.84 प्रतिशत) अंक फिसलकर 24,173.05 पर पहुंच गया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 77,983.66 पर खुलकर 823 अंक या 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 77,574.18 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

तो वहीं निफ्टी 24,202.35 पर खुलकर 243 अंक या करीब 1 प्रतिशत गिरकर 24,134.80 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस तरह, महज दो सत्रों में सेंसेक्स करीब 1,600 अंक या 2 प्रतिशत तक गिर गया है, जबकि निफ्टी 50 में भी लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई है। सत्र के दौरान, व्यापक बाजार सूचकांकों में भी गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले सत्र में बाजार में गिरावट के बावजूद व्यापक सूचकांक हरे निशान में बंद हुए थे। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में जहां 0.67 प्रतिशत की गिरावट आई, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.41 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी फार्मा (2.36 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी मीडिया (0.90 प्रतिशत की बढ़त) को छोड़कर अन्य सभी सेक्टर्स में गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिका-ईरान वार्ता के ठप होने के बीच कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर से ऊपर बनी रहने से बाजार का माहौल और भी निराशाजनक हो गया।

इस बीच, भारतीय रुपया लगातार चौथे सत्र में कमजोर होता चला गया और एक महीने में दूसरी बार 94 के स्तर को पार कर गया। बाजार की चिंताओं के बीच ब्रेंट क्रूड 1.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 103 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो लगातार चौथे दिन की बढ़त को दर्शाता है।

इस साल अब तक बेंचमार्क में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें से अधिकांश तेजी पश्चिम एशिया संघर्ष के बढ़ने के बाद हुई है।

इटली बन रहा दुनिया के रईसों का नया पसंदीदा ठिकाना

पेरिस/लंदन/रोम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनियाभर के हाई नेटवर्थ वाले अमीर लोग फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों को छोड़कर इटली में बस रहे हैं। वजह है फ्लैट टैक्स और आसान नियम। विदेशी आय पर तय सालाना टैक्स लगता है, चाहे कमाई कितनी भी हो। इसकी अधिकतम सीमा 3 लाख यूरो (करीब 3 करोड़ रु.) है, जो पहले 1 लाख और फिर 2 लाख यूरो थी।

इटली में प्रॉपर्टी और इनहेरिटेंस टैक्स में भी राहत के साथ अन्य कटौतियों का भी लाभ मिलता है। मिडिल ईस्ट के तनाव ने ट्रेंड तेज किया है। दुबई जैसे टैक्स-फ्री विकल्प पर अनिश्चितता बढ़ी है। बड़े पैमाने पर माइग्रेशन अभी नहीं हुआ है। लोग विकल्प तलाश रहे हैं।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक टैक्स स्थिरता और यूरोप में लोकेशन इटली को बढ़त दे रही है। इटली भौगोलिक रूप से यूरोप के बीचों-बीच स्थित है। यहां रहने वाले अरबपतियों के लिए पेरिस, लंदन,

बर्लिन या ज्यूरिख जैसे प्रमुख बिजनेस सेंटर्स तक पहुंचना बहुत आसान है। यह दुबई या अन्य टैक्स हेवन देशों की तुलना में यात्रा के समय और कनेक्टिविटी के लिहाज से ज्यादा सुविधाजनक है। इटली में पहली प्रॉपर्टी खरीदने पर स्टाम्प ड्यूटी या वसीयत चार्ज नहीं लगता है। इसके

दुबई जैसे टैक्स-फ्री ठिकानों को लेकर अनिश्चितता बढ़ी

विपरीत फ्रांस में घर लेते समय सरकारी खजाने में भारी शुल्क जमा करना पड़ता है। वहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वेल्थ टैक्स को रियल एस्टेट टैक्स में बदलकर अमीरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इटली में पहले घर पर प्रॉपर्टी टैक्स से पूरी राहत दी गई है। हालांकि कचरा प्रबंधन के लिए मोटी फीस चुकानी होती है। निवेश के नजरिए से सबसे बड़ा आकर्षण इनहेरिटेंस टैक्स का अंतर है। इटली में 10 लाख यूरो तक की पैतृक संपत्ति हस्तांतरण पर शुल्क शून्य है। इस सीमा के पार भी मात्र 4% की मामूली दर लागू होती है। वहीं, फ्रांसीसी नियमों में टैक्स-फ्री छूट का दायरा महज 1 लाख यूरो तक सीमित है। इसके बाद टैक्स की दरें बढ़ते हुए 45% तक पहुंच जाती हैं। पेरिस के कर वकील जेरोम बर्रे के अनुसार हर हफ्ते कारोबारी फ्रांस छोड़ने की सलाह ले रहे हैं। लोग मौजूदा वित्तीय माहौल से नाखुश हैं। उन्हें भविष्य में नियम सख्त होने का डर है। 2027 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद हालात और कठिन हो सकते हैं।

हेनली एंड पार्टनर्स के पीटर फेरिग्नो के अनुसार पिछले साल दुबई करोड़पतियों की पहली पसंद था, क्योंकि वहां टैक्स नहीं लगता। मध्य-पूर्व तनाव के कारण 2026 में यह संख्या घट सकती है। बिना टैक्स वाले देश से कर देने वाले देश में जाना आसान नहीं होता। जीरो-टैक्स जीवनशैली के आदी लोगों को प्रशासनिक औपचारिकताएं भारी लगती हैं।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति

सूर्य	मेष	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मीन	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

मेष......	05-25 बजे
वृष....	07-10 बजे
मिथुन..	09-11 बजे
कर्क...	11-23 बजे
सिंह----	13-35 बजे
कन्या--	15-42 बजे
तुला----	17-47 बजे
वृश्चिक..	19-57 बजे
धनु......	22-11 बजे
मकर....	00-17 बजे
कुंभ....	02-08 बजे
मीन....	03-46 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948**, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **05-58**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -30**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष शुक्रवार **24 April 2026**
तिथि - अष्टमी **19-22** रात्री तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - पुष्य **20-14** रात्री तक उप आश्लेषा
योग - शूल **01-24** रात्री तक उप गण्ड
करण - विष्टी (भद्रा) **08-00** तक उप बव

विशेष: देवी बगलामुखी ज. श्री दुर्गा अष्टमी

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-40 से 12-14 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 05 -58 - 07-30 शुभ	रोग 18-30 - 19-58 अशुभ
लाभ 07-30 - 09-05 शुभ	काल 19-58 - 21-24 अशुभ
अमृत 09-05 - 10-40 शुभ	लाभ 21-24 - 22-49 शुभ
काल 19-40 - 12-14 अशुभ	उत्पात22-49 - 00-14 अशुभ
शुभ 12-14 - 13-49 शुभ	शुभ 00-14 - 01-39 शुभ
रोग 13-49 - 15-24 अशुभ	अमृत 01-39 - 03-05 शुभ
उत्पात15-24 - 16-59 अशुभ	चंचल 03-05 - 04-30 शुभ
चंचल 16-59 - 18-30 शुभ	रोग 05-30 - 05-58 अशुभ

अब इथेनॉल से चलेंगे हवाई जहाज!

सरकार ने एटीएफ में मिलावट की अनुमति दी, क्या होगा फायदा?

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अब विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन (एविएशन टर्बाइन फ्यूल - एटीएफ) में इथेनॉल और अन्य सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन मिलाने की इजाजत दे दी है।

हालांकि, सरकार ने अभी इसके लिए कोई अनिवार्य समय-सीमा या तुरंत लागू होने वाला टारगेट तय नहीं किया है। इस कदम का मकसद प्रदूषण को कम करना और तेल के आयात पर भारत की निर्भरता को घटाना है। सरकार ने इसके लिए साल 2001 के 'एविएशन टर्बाइन फ्यूल (मार्केटिंग रेगुलेशन) ऑर्डर' में बदलाव किया है। यह बदलाव आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत किया गया है, जिससे अब एटीएफ की परिभाषा में सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन का मिश्रण भी शामिल हो गया है। फिलहाल, इस मिलावट को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। नए नियमों के मुताबिक, एटीएफ को अब ऐसे मिश्रण के तौर पर परिभाषित किया गया है जो आईएस 1571 या आईएस17081 मानकों पर खरा उतरता हो। इससे अब ईंधन के नए और आधुनिक विकल्पों को विमानों में इस्तेमाल करना मुमकिन हो पाएगा। आमतौर पर हवाई जहाज का ईंधन कच्चे तेल को रिफाइन करके बनाया जाता है। लेकिन पूरी दुनिया में, खासकर ब्रिटेन और जापान जैसे देशों में अब सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल मिलाने पर जोर दिया जा रहा है। यह एसएएफ बेकार तेल, चर्बी, चीनी, अनाज, नगर निगम के कचरे, लकड़ी या खेती के अवशेषों से बनाया जाता है। इसे ही सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन भी कहते हैं।

चुनाव बाद पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने वाली कोटक रिपोर्ट को सरकार ने बताया फेक

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि चुनाव के बाद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में 28 रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिस पर अब सरकार ने जबाव दिया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने ऐसी खबरों को फर्जी करार दिया है। दावों को सिरे से नकार दिया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ट्वीट किया कि कुछ खबरें आ रही हैं जिनमें पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। इस संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि सरकार के विचाराधीन ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। इस तरह की खबरें नागरिकों के बीच डर और घबराहट पैदा करने के लिए फैलाई जा रही हैं और ये शरारतपूर्ण तथा भ्रामक हैं। वास्तव में, भारत एकमात्र ऐसा देश है जहाँ पिछले 4 वर्षों में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। भारत सरकार और तेल

पीएसयूएस ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाली भारी बढ़ोतरी से भारतीय नागरिकों को बचाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज़ की रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया कि मौजूदा हालात में 25-28 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी जरूरी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि कच्चे तेल की कीमतें करीब $120 प्रति बैरल के स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे तेल कंपनियों और सरकार पर भारी वित्तीय दबाव पड़ रहा है। सरकारी तेल कंपनियां हर महीने करीब 27,000 करोड़ रुपये का नुकसान झेल रही हैं। यह स्थिति लंबे समय तक जारी नहीं रह सकती। फिलहाल सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में 10 प्रति लीटर की कटौती और विंडफॉल टैक्स जैसे कदम उठाए हैं, लेकिन ये केवल अस्थायी राहत हैं, स्थायी समाधान नहीं है। रिपोर्ट के इन सभी दावों को सरकार ने नकार दिया है.

कच्चे तेल के दाम पर युद्ध का असर

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के पीछे वैश्विक कारण भी अहम हैं।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और खासतौर पर होरमुज़ जलडमरूमध्य में बाधाएं सप्लाई पर असर डाल रही हैं। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं। भारत पर इसका सीधा असर देखने को मिल रहा है। हालांकि कच्चे तेल के आयात में 13-15% की कमी आई है, लेकिन महंगे दामों की वजह से कुल आयात बिल रोजाना $190-210 मिलियन तक बढ़ गया है।

इससे साफ है कि कीमतों में बढ़ोतरी का असर मात्रा से ज्यादा भारी पड़ रहा है। मगर कोटक की इस रिपोर्ट के जरिए चली सभी खबरों का सरकार ने खंडन किया है और उन्हें भ्रामक बताया है।

सोना 927 गिरकर 1.51 लाख पर आया

चांदी 4,700 सस्ती, 2 .43 लाख पर आई

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 23 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 927 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 22 अप्रैल को इसकी कीमत 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं एक किलो चांदी 4,700 रुपए गिरकर 2.43 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.48 लाख रुपए प्रति किलो थी।

सोना इस साल 18 हजार और चांदी 14 हजार रुपए महंगी

2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51

लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 13 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.43 लाख रुपए पर पहुंच गई है। 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का हाई बनाया था। यानी पीक से सोना 25 हजार रुपए और चांदी 1.42 लाख सस्ती हुई है।

एनपीएस से पैसा निकालना अब और भी आसान! रिटायरमेंट से पहले जान लें 'एग्जिट' नियम

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल पेंशन सिस्टम से पैसा निकालने के नियम अब पहले से ज्यादा लचीले और आसान हो गए हैं. पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने एग्जिट और विड्रॉल नियमों में अहम बदलाव किए हैं. नए नियम इसी साल 2026 में लागू हो गए हैं. इन नए नियमों के तहत सरकारी और कॉरपोरेट कर्मचारियों को रिटायरमेंट से पहले और बाद में पैसे निकालने के कई विकल्प मिलते हैं. अब न सिर्फ ज्यादा कैश निकालने की सुविधा है, बल्कि पेंशन के लिए एन्युटी खरीदने के नियम भी कुछ मामलों में बदले गए हैं, जिससे निवेशकों को बेहतर प्लानिंग का मौका मिलेगा.एनपीएस सब्सक्राइबर्स के लिए अब एग्जिट और विड्रॉल के नियम ज्यादा फ्लेक्सिबल हो गए हैं. पीएफआरडीए के नए नियमों के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए निवेश की अधिकतम उम्र 75 से बढ़ाकर 85 साल कर दी गई है, हालांकि वे चाहें तो इससे पहले भी बाहर निकल सकते हैं. रिटायरमेंट पर वे अपने कुल कॉर्पस का 60% तक कैश के रूप में निकाल सकते हैं, जबकि 40% राशि से एन्युटी खरीदना अनिवार्य रहेगा, जिससे नियमित पेंशन मिलेगी.

कॉरपोरेट कर्मचारियों को राहत

वहीं कॉरपोरेट सेक्टर के कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है. अब 5 साल का लॉक-इन खत्म कर दिया गया है और वेस्टिंग

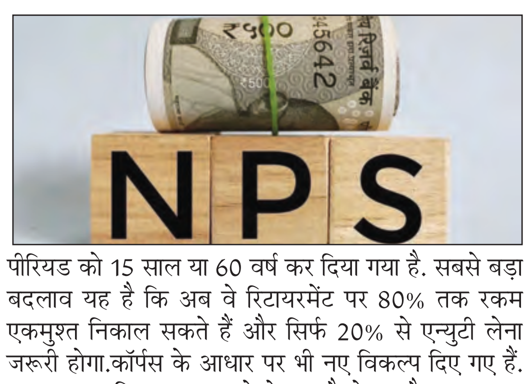

पीरियड को 15 साल या 60 वर्ष कर दिया गया है. सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब वे रिटायरमेंट पर 80% तक रकम एकमुश्त निकाल सकते हैं और सिर्फ 20% से एन्युटी लेना जरूरी होगा.कॉर्पस के आधार पर भी नए विकल्प दिए गए हैं. अगर कुल राशि 8 लाख रुपये से कम है तो पूरा पैसा एक साथ निकाला जा सकता है. 8 से 12 लाख रुपये के बीच होने पर 6 लाख रुपये तक लंपसम और बाकी रकम सिस्टमेटिक यूनिट रिडेम्पशन या एन्युटी में ली जा सकती है. 12 लाख रुपये से ज्यादा होने पर 80/20 नियम लागू होगा. समय से पहले एग्जिट की स्थिति में सरकारी कर्मचारियों को 80% राशि से एन्युटी खरीदनी होगी, जबकि कॉरपोरेट कर्मचारियों को केवल 20% ही कैश निकालने की अनुमति है. हालांकि 5 लाख तक के कॉर्पस पर दोनों सेक्टर के निवेशक पूरा पैसा एकमुश्त निकाल सकते हैं.

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी । इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें । आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा ।आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा । आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन भावनात्मक रहेगा । आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है । लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें । स्वस्थ परिसंचरण को बढ़ावा देने वाले खाद्य पदार्थों पर ध्यान।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं । आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी । लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे । आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी । घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें। अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एचपीसीएल के कई पंपों पर खत्म हो गया पेट्रोल-डीजल, आपूर्ति का चक्र बिगड़ा, जनता परेशान

जोधपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर बेल्ट में हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) के पेट्रोल पंपों पर ईंधन संकट गहराता जा रहा है। करीब 80 पंपों के नेटवर्क में से एक दर्जन से अधिक पंप या तो पूरी तरह ड्राई हो चुके हैं या अगले 24-48 घंटे में स्टॉक खत्म होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। सबसे ज्यादा दबाव हाईवे और ग्रामीण इलाकों में दिख रहा है, जहां वैकल्पिक पंप दूर होने से उपभोक्ताओं को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

पिछले करीब दस दिनों से एचपीसीएल डिपो से आपूर्ति का चक्र बिगड़ा हुआ है। पंप संचालकों के अनुसार सामान्य तौर पर रोज या एक दिन छोड़कर होने वाली सप्लाई अब 3-4 दिन में एक बार ही पहुंच रही है। इससे बिक्री प्रभावित होने के साथ ग्राहकों का भरोसा बनाए रखना भी चुनौती बन गया है। शहर में भगत की कोठी स्थित कंपनी के स्वयं के कोको पंप पर भी कमी के हालात सामने आए हैं, जो सप्लाई सिस्टम में आई गड़बड़ी का संकेत माना जा रहा है।

अग्रिम भुगतान के बावजूद इंडेंट निरस्त

पंप संचालकों का आरोप है कि अग्रिम भुगतान कर डाले गए इंडेंट तक निरस्त किए जा रहे हैं और नए इंडेंट समय पर प्रोसेस नहीं हो रहे। इससे नकदी फंसी होने के साथ परिचालन लागत बढ़ रही है। कई संचालकों ने बताया कि सीमित स्टॉक के चलते उन्हें राशनिंग जैसे हालात में बिक्री करनी पड़ रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर असंतोष बढ़ रहा है।

अन्य कंपनियों के पंपों पर राहत

इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम के पंपों पर फिलहाल आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। सालावास डिपो से नियमित सप्लाई मिल रही है और मांग के अनुरूप ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। हालांकि अतिरिक्त स्टॉक देने से कंपनियां फिलहाल बच रही हैं, ताकि संतुलन बना रहे।

सप्लाई चेन की कड़ी : इंडियन ऑयल से ही होता है प्रवाह

जोधपुर के सालावास क्षेत्र में तीनों कंपनियों के डिपो मौजूद हैं, लेकिन पाइपलाइन के जरिए ईंधन की आपूर्ति इंडियन ऑयल की रिफाइनरी से होती है। वहीं से प्राप्त पेट्रोल-डीजल एचपीसीएल और बीपीसीएल को वितरित किया जाता है। ऐसे में इस कड़ी में आई किसी भी बाधा का सीधा असर एचपीसीएल नेटवर्क पर अधिक स्पष्ट रूप से दिख रहा है।

कुछ पंप ड्राई हो सकते हैं, लेकिन वे फंड की वजह से है। कोको पंप का ऑपरेटर चेंज हुआ था, इसलिए ड्राई था। अब वह सही है। हमारे पास स्टॉक की कमी नहीं है। वैसे मैं मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं हूं।

एआई से बना वसुंधरा राजे के नाम फर्जी लेटर 1 महिला समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आज के डिजिटल युग में तकनीक जहां वरदान साबित हो रही है। वहीं, इसका दुरुपयोग समाज और राजनीति के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है। राजस्थान की राजनीति में हाल ही में उस समय हड़कंप मच गया, जब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से एक फर्जी पत्र और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा निर्मित एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जयपुर की ज्योति नगर थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दो राज्यों में छापेमारी की। डीसीपी साउथ राजश्री राज के अनुसार, मध्यप्रदेश (भोपाल) से निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को हिरासत में लिया गया। वहीं, पंजाब (मोहाली) से चौथी आरोपी अमृता धुमाल को गिरफ्तार किया गया।

इन चारों आरोपियों को जयपुर लाया गया। जहां पुलिस उनसे इस पूरे षड्यंत्र के बारे में कड़ाई से पूछताछ कर रही है। पुलिस जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। आरोपियों ने केवल फर्जी लेटर ही नहीं बनाया, बल्कि AI तकनीक का सहारा लेकर एक ऐसा वीडियो तैयार किया जो देखने में पूरी तरह असली लगे।

आरोपियों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के नाम एक पत्र लिखा, जिसमें वसुंधरा राजे के नाम का दुरुपयोग किया गया था। इस पत्र की बातों को पुख्ता दिखाने के लिए AI की मदद से एक डिजिटल वीडियो बनाया गया और उसे तेजी से सोशल मीडिया पर फैलाया गया। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर गठित टीम अब यह पता लगा रही है कि इस सामग्री को तैयार करने के लिए किन सॉफ्टवेयर और टूल्स का इस्तेमाल किया गया था।

पुलिस को अंदेशा है कि यह महज चार लोगों की निजी शरारत नहीं है, जिस तरह से कंटेंट को सुनियोजित ढंग से तैयार किया गया और एक साथ कई प्लेटफॉर्म्स पर वायरल किया गया, वह एक संगठित नेटवर्क की ओर इशारा करता है।

पुलिस अब आरोपियों की रिमांड लेकर यह जानने की कोशिश करेगी कि इस खेल के पीछे असली मास्टरमाइंड कौन है और इसका उद्देश्य क्या केवल छवि खराब करना था या चुनाव को प्रभावित करना।

मामले ने अब राजनीतिक मोड़ ले लिया है। मध्यप्रदेश में हुई गिरफ्तारियों के बाद कांग्रेस ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस नेता हरीश चौधरी और सांसद विवेक टांखा ने सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई को 'लोकतंत्र के खिलाफ' बताया है। उनका कहना है कि आईटी सेल के कार्यकर्ताओं को बिना किसी ठोस सबूत के परेशान किया जा रहा है और यह आवाज दबाने की कोशिश है।

यह घटना इस बात का बड़ा उदाहरण है कि डीपफेक और एआई तकनीक का इस्तेमाल कर किसी भी दिग्गज नेता की पहचान को खतरे में डाला जा सकता है। पुलिस के लिए चुनौती केवल आरोपियों को पकड़ना नहीं है, बल्कि उस 'डिजिटल ट्रेल' को खत्म करना भी है जिसके जरिए समाज में भ्रम फैलाया जा रहा है।

जयपुर पुलिस की यह कार्रवाई उन लोगों के लिए एक सख्त संदेश है, जो तकनीक का इस्तेमाल अफवाहें फैलाने और सार्वजनिक हस्तियों की छवि बिगाड़ने के लिए करते हैं। फिलहाल, साइबर एक्सपर्ट्स की टीम आरोपियों के मोबाइल और लैपटॉप की जांच कर रही है, ताकि आने वाले दिनों में इस मामले की पूरी परतें खुल सकें।

बीकाजी के संस्थापक शिवरतन अग्रवाल का हार्ट अटैक से निधन, पत्नी के ऑपरेशन के लिए गए थे चेन्नई

बीकानेर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय स्नैक इंडस्ट्री के दिग्गज और 'बीकाजी' ब्रांड के संस्थापक व सीएमडी शिवरतन अग्रवाल (74) का गुरुवार सुबह चेन्नई में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे अपनी पत्नी के ऑपरेशन के सिलसिले में पिछले 10 दिनों से सपरिवार चेन्नई में थे।

उनके निधन की खबर से उद्योग जगत और बीकानेर में शोक की लहर दौड़ गई है। शिवरतन अग्रवाल अपनी पत्नी के हार्ट बायपास ऑपरेशन के बाद उनके साथ चेन्नई के एक होटल में ठहरे हुए थे। गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे उन्हें सीने में बेचैनी महसूस हुई। आनन-फानन में उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका पार्थिव शरीर बीकानेर लाया जा रहा है, जहां शुक्रवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

उनके निधन के शोक में बीकानेर के करणी और बीछवाल

इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बीकाजी की फैक्ट्रियों में उत्पादन तुरंत प्रभाव से रोक दिया गया है। कंपनी ने आज की सप्लाई भी कैंसिल कर दी है। गौरतलब है कि इन प्लांटों में रोजाना 800 टन फूड आइटम्स बनते हैं, जिसमें अकेले 150 टन बीकानेरी भुजिया शामिल है।

शिवरतन अग्रवाल का उद्यमी सफर 'जिद' और 'विज़न' की कहानी है। वे मशहूर 'हल्दीराम' परिवार से ताल्लुक रखते थे। लेकिन 1986 में पारिवारिक बिजनेस के बंटवारे के बाद उन्होंने अपनी अलग राह चुनी। उन्होंने 'शिवदीप फूड्स' के नाम से अपनी यात्रा शुरू की।

बीकानेर के संस्थापक राव बीका के नाम पर उन्होंने अपने ब्रांड का नाम 'बीकाजी' रखा, ताकि दुनिया भर में बीकानेर की पहचान और स्वाद दोनों पहुंच सकें। आधिकारिक तौर पर 1993 में बीकाजी ब्रांड की नींव रखी गई, जो आज दुनिया के प्रमुख स्नैक ब्रांड्स में से एक है।

शिक्षा के क्षेत्र में केवल 8वीं पास होने के बावजूद शिवरतन अग्रवाल का विजन आधुनिक था। उस दौर में भुजिया केवल हाथों से बनाई जाती थी। अग्रवाल ने विदेशों की यात्रा की और भुजिया बनाने की तकनीक को मशीनीकृत करने का साहस दिखाया। बीकाजी भारत का पहला ऐसा ब्रांड बना जिसने मशीन से भुजिया का उत्पादन शुरू किया।

इस नवाचार ने न केवल प्रोडक्शन की क्षमता बढ़ाई, बल्कि क्वालिटी और पैकेजिंग के अंतरराष्ट्रीय मानकों को भी पूरा किया। आज बीकाजी के प्रोडक्ट्स (भुजिया, पापड़, मिठाई और नमकीन) दुनिया के दर्जनों देशों में निर्यात किए जाते हैं।

कुएं में गिरी पत्नी, बचाने कूदा पति, दोनों की मौत

अजमेर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। टॉडगढ़ क्षेत्र के हामा देवरी (काना खेजड़ी) गांव में हुए हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। बकरियों को पानी पिलाने के दौरान कुएं में गिरी पत्नी को बचाने के लिए पति ने बिना एक पल गंवाए छलांग लगा दी। लेकिन 60 फीट गहरे कुएं में दोनों की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा ऐसे समय हुआ जब परिवार में बेटियों की शादी की तैयारियां चल रही थीं जो अब मातम में बदल गई हैं। अनीता देवी (38) पत्नी अर्जुन सिंह (42) निवासी हामा देवरी गांव बकरियों को पानी पिलाने के लिए कुएं पर गई थीं। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह गहरे कुएं में गिर गईं। पत्नी को डूबता देख अर्जुन सिंह ने बिना देर किए उसे बचाने के लिए कुएं में छलांग लगा दी। लेकिन कुएं की अधिक गहराई और पानी के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सके।

घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और टॉडगढ़ थाना पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस व ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद कुएं का पानी खाली करवाकर दोनों के शव बाहर निकाले गए। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए गए। दोनों का अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। सबसे दुखद पहलू यह है कि मृतक दंपती की दो बेटियों की शादी 26 अप्रेल को होने वाली थी। घर में जहां शादी की तैयारियां और खुशियों का माहौल था वहां अब हाहाकार मचा हुआ है। परिवार में तीन भाई-बहनों के सिर से मां-बाप का साया उठ गया है। थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के सहयोग से दोनों शवों को कुएं से निकाला गया। प्रारंभिक जांच में यह दुर्घटना प्रतीत हो रही है। हालांकि पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

एक साथ दिखे गहलोत पायलट, तुरंत दिया बयान

फोटो क्लिक कर लो, फिर कहोगे बनती नहीं

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय (इंदिरा भवन) में एक दिलचस्प और सियासी तस्वीर देखने को मिली। मौका था, कांग्रेस की ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल की बैठक का, लेकिन सारी निगाहें राजस्थान के दो दिग्गज नेताओं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट पर टिक गईं। लंबे समय तक सियासी खींचतान की खबरों के बीच, दोनों नेता न केवल आमने-सामने आए, बल्कि बेहद सहज और खुशनुमा अंदाज में नजर आए। हंसी ठहाकों की इस तस्वीर सोशल मीडिया पर भी जमकर सुर्खियां बटोर रही है।

अशोक गहलोत का चुटीला अंदाज

जैसे ही अशोक गहलोत की गाड़ी इंदिरा भवन परिसर में पहुंची, सचिन पायलट ने आगे बढ़कर उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया। इसी दौरान कैमरों की फ्लैश चमकते देख गहलोत ने अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में पत्रकारों से कहा, 'फोटो ले लो... फिर कहोगे बनती नहीं है।'

गहलोत के इस तंज पर वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ता और पत्रकार ठहाके मारकर हंस पड़े। सचिन पायलट भी इस हल्के-फुल्के पल का आनंद लेते हुए मुस्कुराते दिखे। पायलट ने भी चुटकी लेते हुए पत्रकारों से पूछा कि उनके पीछे और कौन-कौन आ रहा था, जिस पर गहलोत ने भी मुस्कुराकर सहमति जताई।

सहज बॉडी लैंग्वेज और सियासी संदेश

राजस्थान कांग्रेस की राजनीति में गहलोत और पायलट के रिश्तों को लेकर अक्सर अटकलें लगती रहती हैं। हालांकि, बुधवार को दोनों की 'बॉडी लैंग्वेज' ने एक अलग कहानी बयां की। दोनों नेताओं ने कुछ देर तक बातचीत की और फिर साथ मिलकर बैठक के लिए रवाना हुए। राजनीतिक विश्लेषक इसे पार्टी के भीतर एकजुटता दिखाने के प्रयास के रूप में देख रहे हैं।

रणथंभौर की बाघिन नूर का हाईवे पर डेरा! वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

सवाई माधोपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। रणथंभौर नेशनल पार्क की सबसे बुजुर्ग और मशहूर बाघिनों में से एक 'नूर' (टी-39) इन दिनों चर्चा और चिंता दोनों का विषय बनी हुई है। करीब 18 साल की उम्र पार कर चुकी यह बाघिन अब अपने बुढ़ापे के कारण संघर्ष कर रही है। हाल ही में उसे नेशनल हाईवे-552 के पास देखा गया, जिसके बाद वन विभाग ने अपनी निगरानी तेज कर दी है और आसपास के ग्रामीणों को अलर्ट जारी किया है।

रणथंभौर के डीएफओ मानस सिंह ने बताया कि नूर का जन्म 2007 में हुआ था। आज वह 18 साल की हो चुकी है, जो जंगली बाघों के लिए एक असाधारण उम्र है। आमतौर पर बाघ जंगल में क्षेत्रीय संघर्ष और शिकार की कमी

के कारण इतनी लंबी उम्र नहीं देख पाते। नूर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उसने बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप या चिकित्सा सहायता के पूरी तरह प्राकृतिक परिस्थितियों में खुद को जीवित रखा है।

वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार, नूर ने अपने जीवनकाल में 5 बार शावकों को जन्म दिया और 11 शावकों को पाल-पोसकर बड़ा किया। रणथंभौर में बाघों का कुनबा बढ़ाने में उसका योगदान अतुलनीय है।

बिना परीक्षा दिए बन गए 'टॉपर', स्टेट ओपन स्कूल में संविदाकर्मी ने बदल दी 1107 छात्रों की किस्मत!

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में शिक्षा के नाम पर एक ऐसा खेल खेला गया, जिसने पूरे सिस्टम की शुचिता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल में पिछले पांच वर्षों से चल रहे फर्जी अंकतालिकाएं बनाने के एक बड़े नेक्सस का भंडाफोड़ हुआ है। संस्थान की आंतरिक जांच रिपोर्ट में जो खुलासे हुए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। बिना परीक्षा दिए ही लोगों को पास कर दिया गया और नाम-जन्मदिन तक बदल डाले गए।

जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए संविदा पर लगा राकेश कुमार शर्मा नाम का कर्मचारी बताया जा रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि DoIT ने इस संविदाकर्मी को 'सुपर एडमिन' के अधिकार दे रखे थे। ये अधिकार इतने व्यापक थे कि वह पूरे डेटाबेस में जब चाहे, जैसा चाहे बदलाव कर सकता था। ऐसे अधिकार संस्थान के किसी स्थाई या जिम्मेदार अधिकारी के पास भी नहीं थे।

एसएसओ आईडी से होता था 'काली कमाई' का खेल

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि वर्ष 2021 से 2025 के बीच कुल 1107 अंकतालिकाओं में फर्जी तरीके से संशोधन किए गए। आरोपी राकेश कुमार अपनी एसएसओ आईडी का इस्तेमाल कर ऑफिस समय खत्म होने के बाद चोरी-छिपे यह काम करता था। उसने न केवल फेल छात्रों को पास की मार्कशीट थमा दी, बल्कि ऐसे लोगों के नाम भी अंकतालिकाएं जारी कर दीं जिन्होंने कभी आवेदन तक नहीं किया था और न ही परीक्षा दी थी।

साइबर क्राइम और करोड़ों के लेन-देन का अंदेशा

जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि गोपनीय अनुभाग और एसएसएस अनुभाग ने हजारों संशोधन किए, लेकिन समिति को पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। उपलब्ध डेटा में से 1107 संशोधन पूरी तरह फर्जी पाए गए हैं। इस पूरे प्रकरण को साइबर क्राइम और ऑनलाइन फ्रॉड की श्रेणी में रखा गया है। अब इस मामले की जांच एसओजी से कराने की सिफारिश की गई है, ताकि इस फर्जीवाड़े के पीछे छिपे वित्तीय लेन-देन और बड़े अधिकारियों की मिलीभगत का पर्दाफाश हो सके।

सिस्टम की कमियां बनीं जालसाजों का हथियार

स्टेट ओपन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि संस्थान में डेटा संशोधन की कोई समय सीमा तय नहीं है, जिससे वर्षों पुरानी मार्कशीट में भी बदलाव संभव है। आयु सत्यापन का कोई ठोस तंत्र नहीं है। डीओआईटी की ओर से 2017 में तैयार की गई ऑनलाइन एप्लीकेशन 'फुलप्रूफ' नहीं है, जिसका जालसाजों ने जमकर फायदा उठाया।

फैक्ट्री में भीषण आग : महिला मजदूर की जिंदा जलकर मौत, दो गंभीर रूप से झुलसे

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के महेश नगर थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस हादसे में एक महिला मजदूर की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए।

घटना सुदर्शनपुरा के 22 गोदाम इलाके में जेएमडी एंटरप्राइजेज नामक इस फैक्ट्री के बेसमेंट में हुई, जहां अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर मौजूद मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के दौरान बेसमेंट में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट भी हुआ, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई।

मृतका की पहचान, दो मजदूर गंभीर रूप से घायल

महेश नगर थाना प्रभारी सुरेश यादव के अनुसार, मृतका की पहचान गोमा देवी (47) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश की रहने वाली थीं। वहीं, घायल मजदूर अभिषेक (30) और मनोज मालाकार (42) को गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल की बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री में लोहे की चादरों को काटने और इलेक्ट्रिक बॉक्स बनाने का काम किया जाता था। इस प्रक्रिया में भट्टी और गैस सिलेंडरों का उपयोग किया जा रहा था। बेसमेंट में पाउडर पोटिंग की भट्टी से जुड़े सिलेंडर में विस्फोट होने से आग लगी। उस समय कम्प्रेसर भी चालू था, जिससे आग तेजी से फैल गई।

पुलिस ने मजदूर बनकर रेकी की, फिर दबिश देकर पकड़ा इनामी शराब तस्कर; 18 साल से था फरार

किशनगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी देते वृत्ताधिकारी किशनगढ़ ग्रामीण आयुष वशिष्ठ एवं थानाधिकारी दयाराम चौधरी।इनसेट में आरोपी दिनेश सिंह उर्फ दिनेश कुमार।

मदनगंज- किशनगढ़/ बांदरसिंदरी. राजस्थान पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 18 साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचता फिर रहा था और उसकी

गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में चलाए जा रहे फरार अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीपक कुमार और वृत्ताधिकारी किशनगढ़ ग्रामीण आयुष वशिष्ठ के सुपरविजन में थानाधिकारी दयाराम चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

प्रकरण 2 जनवरी 2009 का है, जब बांदरसिंदरी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। पुलिस ने नाकाबंदी कर ट्रक रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक और खलासी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। तलाशी में ट्रक से 856 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई थी।

फर्जी पहचान से आतंकी नेटवर्क का खुलासा

एक साल तक इलेक्ट्रिशियन बनकर रह रहा था आरोपी

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े फर्जी पहचान और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े मामले का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार, उमर हारिस उर्फ 'खरगोश' नाम का एक संदिग्ध व्यक्ति करीब एक साल तक गुमनाम रहकर शहर में रह रहा था और इलेक्ट्रिशियन का काम करते हुए अपना नेटवर्क तैयार कर रहा था। आरोप है कि इस दौरान उसने फर्जी किराएनामे के आधार पर पहचान पत्र और पासपोर्ट जैसे दस्तावेज तैयार कराए। इन दस्तावेजों की मदद से वह विदेश यात्रा करने में भी सफल रहा और इंडोनेशिया व सऊदी अरब तक उसकी आवाजाही की जानकारी सामने आई है। जयपुर में सामने आए इस मामले ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि आरोपी ने फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर न केवल खुद को छिपाया, बल्कि एक संभावित नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश भी की।

परिवार के साथ जा रहे ठेकेदार पर ताबड़तोड़ फायरिंग

गाजीपुर टोल के पास हुई गोलियों की बरसात

दौसा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा जिले के महुवा थाना क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार की गाड़ी पर अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस हमले में ठेकेदार हरिओम जाटव और उनके परिवार के सदस्य बाल-बाल बच गए, हालांकि गाड़ी के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। यह घटना हिंडौन-महुआ मार्ग पर मंगलवार देर रात करीब 12 बजे की है।

महुवा थाना अधिकारी राजेंद्र मीणा के अनुसार, हिंडौन (करौली) की जाटव बस्ती निवासी हरिओम जाटव, पुत्र भगवान सहाय जाटव, झाड़ीसा में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह से लौटते समय वे महुवा में सीएनजी गैस भरवाने के लिए रुके। गैस लेने के बाद जब वे वापस हिंडौन जा रहे थे, तभी गाजीपुर टोल के पास बदमाशों ने उनकी गाड़ी को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी।

फायरिंग की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से पैदल ही फरार हो गए। पीड़ित ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही हमलावर गायब हो चुके थे। पुलिस ने मौके का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं। फायरिंग की वजह से गाड़ी के शीशे टूट गए और उनके टुकड़े अंदर सीट पर बिखर गए। महुवा पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक लेखराज को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। घटना के बाद हरिओम जाटव ने बताया कि वे और उनका परिवार इस हमले से भयभीत हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

मंत्रियों ने आरटीसी कर्मचारियों से हड़ताल खत्म करने की अपील की

> सरकार ने बातचीत से समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) कर्मचारियों से चल रही हड़ताल समाप्त करने और संयम बरतने की अपील की है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि कर्मचारियों की सभी समस्याओं का समाधान बातचीत के जरिए किया जाएगा। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने गुरुवार को जारी बयान में कर्मचारियों से शांत रहने और किसी भी तरह के अतिवादी कदम न उठाने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्दबाजी में लिए गए फैसले उनके परिवारों के लिए अपूरणीय नुकसान का कारण बन सकते हैं। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों को बाहरी दबाव या उकसावे में न आने की सलाह दी। मंत्री ने ट्रेड यूनियन नेताओं को तत्काल वार्ता के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर रचनात्मक संवाद के लिए तैयार है और हर समस्या का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाएगा।

इस बीच सचिवालय में मीडिया से बातचीत के दौरान परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, तथा सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने भी कर्मचारियों से हड़ताल वापस लेने की अपील की। मंत्रियों ने कहा कि भावनात्मक स्थिति में लिए गए निर्णय आगे और जटिलताएं पैदा कर सकते हैं। पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए मंत्रियों की एक उप-समिति गठित की गई है, जो शुक्रवार को संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) नेताओं के साथ बैठक करेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इलेक्ट्रिक बसों के आगमन से नौकरियों पर कोई खतरा नहीं है और सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीधर बाबू ने कहा कि आरटीसी से जुड़े मुद्दों पर मंत्रिमंडल में चर्चा हो चुकी है और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की पहल पर कर्मचारियों के साथ वार्ता तय की गई है। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने बताया कि आत्महत्या का प्रयास करने वाले एक आरटीसी कर्मचारी को बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद लाया गया है। उन्होंने कर्मचारियों से भावनाओं पर नियंत्रण रखने और संवाद के जरिए समाधान तलाशने की अपील की।

वहीं, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने पूर्व सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि आरटीसी की समस्याओं को लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जैसी योजनाएं लागू की गई हैं।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहा आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट का इस्तेमाल करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई ट्रैफिक पुलिस और आबिड्स पुलिस के संयुक्त प्रयास से की गई। पुलिस के अनुसार, शेख मुस्तफा (29), निवासी बशारथ नगर, चारमीनार, अपने दोपहिया वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चल रहा था। जांच में पता चला कि उसने अपने सुजुकी बर्गमैन वाहन के असली नंबर टीएस 12 ईयू 5663 की जगह टीएस12 ईएक्स 4899 नंबर की नकली प्लेट लगाई हुई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने यह कदम ट्रैफिक नियम उल्लंघन से बचने, चालान से बचाव करने और फाइंस रिकवरी एजेंटों को गुमराह करने के उद्देश्य से उठाया। फर्जी नंबर प्लेट के कारण कई ट्रैफिक चालान असली वाहन मालिक मोहम्मद फहाद खान (मदीना कॉलोनी, जहानुमा) के नाम पर दर्ज हो गए थे।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने राहुल गांधी को तेलंगाना के संगठनात्मक प्रगति से कराया अवगत

हैदराबाद/नई दिल्ली, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित 10 जनपथ में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। करीब 15 मिनट तक चली इस बैठक में तेलंगाना में चल रहे विकास एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ हालिया राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई।

बैठक के दौरान महेश कुमार गौड़ ने राज्यभर में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा राहुल गांधी को प्रस्तुत किया। उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों की नियुक्ति, जिला एवं मंडल समितियों के गठन, बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की तैनाती तथा विभिन्न प्रकोष्ठों के गठन से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व वादों के अनुरूप राज्य में जाति जनगणना कराई गई है और उससे संबंधित विस्तृत आधिकारिक आंकड़े जारी किए जा चुके हैं। टीपीसीसी अध्यक्ष ने देशभर में लागू किए जा रहे महिला आरक्षण विधेयक में पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए आरक्षण शामिल करने की वकालत की। इसके अलावा, उन्होंने एआईसीसी की राष्ट्रीय ओबीसी सलाहकार परिषद की आगामी बैठक हैदराबाद में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिस पर राहुल गांधी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इससे पहले पूर्व राज्यसभा सदस्य वी. हनुमंत राव और राज्यसभा सांसद अनिल यादव ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की।

लाखों वाहन चालकों और दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी : कोमटिरेड्डी

एलबी नगर-हयातनगर मार्ग पर डबल डेकर कॉरिडोर से ट्रैफिक जाम में मिलेगी राहत

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल एलबी नगर से हयातनगर के बीच ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए राज्य सरकार ने 7.1 किलोमीटर लंबे डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण की योजना को तेजी दी है। यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर विकसित किया जाएगा।

गुरुवार को सचिवालय में करीब चार घंटे चली समीक्षा बैठक में सड़क एवं भवन तथा सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि इस परियोजना से लाखों वाहन चालकों और दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह मार्ग भारी ट्रैफिक और बार-बार पैदल पारियों के कारण दुर्घटनाओं के लिए संवेदनशील बन गया है, जिसे दुर्घटना मुक्त कॉरिडोर में बदलना सरकार की प्राथमिकता है। करीब 941 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना को राज्य सरकार से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की स्वीकृति के बाद राज्य सरकार ने 200 करोड़ रुपये का अंशदान भी तय किया है। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रस्ताव सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की वार्षिक योजना में शामिल है और नागपुर के बाद देश की बड़ी परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है। परियोजना पूरी होने पर एलबी नगर और हयातनगर क्षेत्र की 54 कॉलोनियों में रहने वाले करीब 20 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। हैदराबाद-विजयवाड़ा मार्ग पर यातायात सुगम होगा और इस दूरी को 15 मिनट से भी कम समय में तय किया जा सकेगा। मंत्री ने बताया कि प्रस्तावित डिजाइन में ग्राउंड लेवल पर सर्विस रोड, उसके ऊपर राष्ट्रीय राजमार्ग और सबसे ऊपर मेट्रो रेल कॉरिडोर होगा, जिससे स्थानीय यातायात और पैदल आवागमन अधिक सुरक्षित हो सकेगा। बैठक में मजबूत और चौड़े पिलर फाउंडेशन, मेट्रो स्टेशनों के साथ संरचनात्मक समन्वय तथा दीर्घकालिक मजबूती जैसे तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने परियोजना को एक ही एजेंसी को सौंपने का सुझाव दिया, ताकि समन्वय में दिक्कत न आए और कार्य समानांतर रूप से तेजी से पूरा किया जा सके। हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड ने भी परियोजना के लिए सहमति जताते हुए विस्तृत अनुमान तैयार कराने के लिए कंसल्टेंसी एजेंसी नियुक्त करने का निर्णय लिया है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अधिकारियों को लंबित स्वीकृतियों और टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह वह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर परियोजना को शीघ्र मंजूरी दिलाने का प्रयास करेंगे, ताकि निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सके।

डीजीपी से मिले पदोन्नत आईपीएस अधिकारी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 1995 और 1996 बैच के वे आईपीएस अधिकारी, जिन्हें हाल ही में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद पर पदोन्नति मिली है, ने गुरुवार को राज्य पुलिस मुख्यालय में डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर 1995 बैच के वीरशेट्टी वेंकट श्रीनिवास राव, स्वाति लकड़ा और महेश मुरलीधर भागवत तथा 1996 बैच के चारु सिन्हा और डॉ. अनिल कुमार शामिल थे। इन अधिकारियों ने डीजीपी से मुलाकात कर उन्हें अपनी पदोन्नति के उपरांत शुभकामनाएं दीं और सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर संक्षिप्त चर्चा की।

निर्दोष संस्था द्वारा 28 स्थानों पर जलशाला की स्थापना

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गत 37 वर्षों से ग्रीष्मकाल के दौरान राहगीरों और स्कूली बच्चों की प्यास बुझाने हेतु ठंडे पानी के 28 से प्याऊ की स्थापना की जा रही है। प्याऊ स्थापित करने वाली संस्था निर्दोष को अब सरकारी व सार्वजनिक संस्थानों से भी प्याऊ स्थापित करने के आवेदन प्राप्त हो रहे है। निर्दोष के अध्यक्ष डॉ. राम कुमार तिवारी ने बताया की पिछली बार 27 स्थानों पर प्याऊ की स्थापना की थी। इस बार कुछ नये स्थानों से आवेदन आये है। इस बार खैरताबाद, सैफाबाद, शापुर्वाडी, गनफौन्ड्री, हाकाभवन, पब्लिक गार्डन, एलबी स्टेडियम, गाँधीभवन, आबिड्स, विमेन्स कालेज, कोठी, पोस्टऑफिस, अफजलगंज, नलगोंडXरोड, तगारीकानाका, कचिगुडा, उप्पल पर 30 से अधिक स्थानों पर प्याऊ की स्थापना की जाएगी।

शिक्षकों के तबादलों का शेड्यूल जारी करने की मांग तेज

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तबादलों पर लगी रोक हटने के बाद तेलंगाना प्रांत उपाध्याय संगम (टीपीयूएस) ने राज्य सरकार से शिक्षकों के तबादलों का कार्यक्रम तुरंत घोषित करने की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष वोडनाला राजशेखर, महासचिव तेलकलापल्ली पेंटय्या और संगठनात्मक सचिव हनुमंत राव ने कहा कि शिक्षकों को शून्य सेवा के आधार पर तबादलों का अवसर दिया जाए।

पुलिस निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को डीजीपी ने दिए नकद पुरस्कार

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अमरवीर स्मरण दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने नकद पुरस्कार प्रदान किए। दो श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को 'सेंट्रल फ्लैग फंड' से सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान पाने वालों को 20,000 रुपये, द्वितीय को 15,000 रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 10,000 रुपये की राशि दी गई। पहली श्रेणी (पीसी से एएसआई तक) में 'कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में राजन्ना सिरसिल्ला जिले की 17वीं बटालियन के धसरी प्रशांत और कावेरी दीपिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। करीमनगर पीटीसी के के. रविकुमार और इब्राहिमपट्टनम 3वीं बटालियन के ए. राजू द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि करीमनगर जिले के चोप्पडंडी थाने की पी. स्वर्णलता और जोगुलाम्बा गदवाल जिले की ए. श्रीलता ने तृतीय स्थान हासिल किया। दूसरी श्रेणी (एसआई एवं उससे ऊपर) में 'ग्रासरूट पुलिसिंग को सुदृढ़ करना' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में मुलुगु जिले के आरआई वेंकट नारायण और हैदराबाद साउथ ईस्ट जोन महिला पुलिस स्टेशन की एसआई वाई. मौनिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वारंगल पीटीसी के इंस्पेक्टर के. अशोक कुमार और इब्राहिमपट्टनम 3वीं बटालियन के आरएसआई एन.वी.आर. चौधरी द्वितीय स्थान पर रहे। वहीं सीआईडी की एसआई खाजा हफीजुन्नीसा बेगम और जोगुलाम्बा गदवाल के भरोसा केंद्र की एसआई बी. तारक को तृतीय पुरस्कार मिला। इस कार्यक्रम में वेलफेयर आईजीपी गजराव भूपाल, डीएसपी श्रीनिवास रेड्डी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बंजारा हिल्स स्थित जनगणना प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने बंजारा हिल्स स्थित सुल्तान-उल-उलूम कॉलेज में स्थापित जनगणना प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। यह केंद्र जुबली हिल्स, सर्किल-36 के अंतर्गत संचालित हो रहा है। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, उपलब्ध सुविधाओं तथा जनगणना कार्यों के सुचारु एवं प्रभावी संचालन के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कर्मियों से संवाद करते हुए जनगणना प्रक्रिया में शुद्धता, समन्वय और समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन और व्यवस्थाएँ समय पर उपलब्ध कराई जाएँ।

जामबाग के पूर्व नगरसेवक राकेश जयसवाल ने तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित महिला आक्रोश यात्रा में भाग लेने के लिए मोजामजाही बाजार से एवी कॉलेज दोमलगुडा तक रैली निकाली। रैली में रावहना, दमियंती, दीपा, संगीता, महेश। वेंकट रेड्डी, बाबू, शरद, रामचंदर सहित कई महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

तस्करी पर रोक ...

जी हां, पिछले कुछ दिनों से नेपाली सरकार ने भारत से लगते उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और सिक्किम से लगते सभी बॉर्डर पर इस तरह की सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। जिसमें भारत की तरफ से नेपाल जाने वाले लोगों का सामान बॉर्डर पर ही निकलवा लिया जा रहा है। इससे खासतौर से भारत-नेपाल बॉर्डर के आसपास रहने वाले लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जो की अपनी रोजमर्रा की चीजों को खरीदने के लिए इधर से उधर आते-जाते रहते थे। इनमें नेपाल के ऐसे काफी नागरिक थे। जो बॉर्डर के पास भारत साइड में लगने वाले बाजारों से सामान खरीदकर नेपाल ले जाते थे। लेकिन अब इस तरह के सभी मामलों में या तो कस्टम डयूटी दो या फिर अपना खरीदा गया सामान बॉर्डर पर ही छोड़कर जाओ।

भारत की तरफ से भी हो सकती है सख्ती

जिस तरह से नेपाल की तरफ से अचानक कस्टम नियमों का हवाला देते हुए बॉर्डर पर सख्ती करना शुरू कर दिया है। इससे आने वाले समय में भारत की तरफ से भी जांच में और गंभीरता लाई जा सकती है। फिलहाल, भारत से नेपाल प्रवेश करने वाले सभी लोगों की लाइन बनवाकर जांच की जा रही है। बस हो या अन्य कोई गाड़ी। सभी की गहन जांच की जा रही है। भारत की तरफ से नेपाल बॉर्डर पर तैनात एसएसबी सूत्रों का कहना है कि उनकी तरफ से नेपाली फोर्स को इस समस्या के बारे में बताया भी गया है। स्थिति आने वाले समय में कुछ सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है।

बंगाल में वोटिंग ...

बीरभूम के बोधपुर गांव में ईवीएम खराब होने के बाद लोगों ने पुलिस और सेंट्रल फोर्स पर पथराव कर दिया। पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। घटना में कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। मुर्शिदाबाद के नौदा में बुधवार देर रात देसी बम से हमले में कई लोग घायल हो गए। आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) चीफ हुमायूं कबीर सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान उनके समर्थकों और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट, पथराव हुआ। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। हुमायूं की कार पर पत्थरों और लाठियों से हमला किया गया।

बूथ के बाहर दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच बहस हो गई। विवाद बढ़ता देख सुरक्षाबलों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। यहां से शंकर घोष भाजपा प्रत्याशी हैं। बंगाल में वोटिंग खत्म होने के बाद अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है। हेलिकॉप्टर से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में ढलता हुआ सूरज दिख रहा है। शाह ने कैप्शन में लिखा-तृणमूल के भ्रष्टाचार और गुंडाराज का सूरज ढल चुका है।

बंगाल में वोटरों ...

ममता ने क्या कहा?

यह कहने की जरूरत नहीं है कि एसआईआर का राजनीतिक असर बंगाल चुनावों में जरूर दिखेगा। हालांकि, इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या इसका असर वोटर टर्नआउट के प्रतिशत में उतार-चढ़ाव के रूप में दिखेगा। जैसे ही आज वोटिंग शुरू हुई यह तस्वीर साफ हो गई। सुबह 11:00 बजे तक कई पोलिंग स्टेशनों पर वोटिंग का प्रतिशत 30 प्रतिशत के करीब पहुंच चुका था। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, वोटिंग का प्रतिशत लगातार बढ़ता गया। ममता ने कहा कि लोग जानते हैं कि अगर वे तृणमूल को वोट नहीं देंगे, तो वे सब कुछ खो देंगे। वे अपने अधिकार खो देंगे। वे अपनी संपत्ति खो देंगे। वे अपनी रोजी-रोटी खो देंगे। लोग बीजेपी की इस साजिश का विरोध करने के लिए अपने वोट डालेंगे।

पीएम मोदी क्या बोले?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी दिन राज्य में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे, जिस दिन वोटिंग का पहला चरण चल रहा था। नदिया के कृष्णानगर में एक रैली में बोलते हुए पीएम मोदी ने बंगाल चुनावों के बारे में कई बातें कहीं। उन्हें चुनावों के दौरान हिंसा की अपेक्षाकृत कम घटनाओं के लिए चुनाव आयोग की तारीफ करते हुए सुना गया। उसी रैली से मोदी ने जोर देकर कहा कि जब भी वोटरों की भारी भागीदारी हुई है, बीजेपी ही जीती है। इस बार भी बीजेपी ही जीतेगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे
हमे ट्वीटर @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओं के विवरण को हमारी वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं.-09-2026 दि.21-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

बंद करने की तिथि & समयः 18-05-2026 के 15.00 बजे

अधोहस्ताक्षरी द्वारा 01-07-2026 से 30-06-2027 अवधि हेतु गुंटकल डिवीजन पर, विभिन्न क्षेत्रों में तत्संबंधित कार्यो के निष्पादन, सामग्रियों की आपूर्ति के लिए, विवरित शेड्यूल्स दि.18-05-2026 के 15.00 बजे तक प्रतिशत दर या पर्सन्टेज रेट आधार पर ई-निविदाएं आमंत्रित है।

ग्रूप-एः चैप्टर नं.14 (वाटर प्रूफिंग) सीपीडब्ल्यूडी डीएसआर-2023 वाल्यूम ॥ आयटम्स 14.86 से 14.92 (अर्थात् एपीपी वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेन्ट प्रदान करने हेतु) & चैप्टर नं.22, सीपीडब्ल्यूडी डीएसआर-2023 वाल्यूम ॥ आयटम्स 22.8 से 22.13 तहत संबंधित कार्यों हेतु वार्षिक क्षेत्रीय ठेका।
चैप्टर नं.13 सीपीडब्ल्यूडी डीएसआर-2023 वाल्यूम ॥ आयटम्स 13.37 से 13.115 (व्हाइट वाशिंग, कालम वाशिंग, डिस्टेम्परिंग & पेन्टिंग)। चैप्टर नं.2, सीपीडब्ल्यूडी डीएसआर-2023 वाल्यूम । आयटम्स 2.28.1, 2.31, 2.32 (जंगल क्लीयरेंस हेतु उपयुक्त)। चैप्टर नं.16 सीपीडब्ल्यूडी डीएसआर-2023 वाल्यूम-॥ आयटम्स 16.1 से 16.4, 16.21 से 16.52, 16.54 से 16.59 & 16.72 से 16.96 (रोड्स & प्लाटफार्म)।

ग्रूप-बीः (।) उपरोक्तनुसार ग्रूप-''ए'' के तहत विवरित सभी मदों या आयटम्स को छोडकर, सीपीडब्ल्यूडी डीएसआर-2023 वाल्यूम-।, वाल्यूम-॥ के तहत कार्यो हेतु वार्षिक क्षेत्रीय ठेका। (।) सीपीडब्ल्यूडी डीएसआर हार्टिकल्चर या बागवानी तथा लैण्डस्केपिंग कार्यों के तहत तत्संबंधित कार्यों हेतु वार्षिक क्षेत्रीय संविदा या ठेका।

ग्रूप-सीः साइट आवश्यकतानुसार सामग्रियों की आपूर्ति से संबंधित मदों -एनएस हेतु वार्षिक क्षेत्रीय ठेका।

क्रम सं.1, ई-निविदा सं.-2065, डीइएनः को-आर्ड. झोनः उत्तर/जीटीएल क्षेत्राधिकारः (बीजी) यार्ड, स्टेशन बिल्डिंग तथा सर्विस बिल्डिंग्स सहित गुंटकल की नार्थ कालोनी।
अनुमानित मूल्य रु.2.18,81,970.00 बोली सुरक्षा रु.4,37,600.00

क्रम सं.2, ई-निविदा सं.-2066, डीइएनः को-आर्ड. झोनः दक्षिण/जीटीएल क्षेत्राधिकारः गुंटकल की साउथ कालोनी सहित पीएफ 1&2, धर्मावरम लाइनपर आउटर सिग्नल तक तथा सभी संबंधित कार्यों को मिलाकर।
अनुमानित मूल्य रु.198,64,295.00 बोली सुरक्षा रु.3,97,300.00

क्रम सं.3, ई-निविदा सं.-2067, डीइएनः को-आर्ड. झोनः डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू/जीटीएल क्षेत्राधिकारः एसएसइ/वर्क्स/वाटर वर्क्स/गुंटकल के तहत गुंटकल (पश्चिम) के पास (गुंटकल से नक्कानदोड्डी तक) समर स्टोरेज टैन्क हेतु वाटरिंग या सिंचाई व्यवस्थाएं।
अनुमानित मूल्य रु.50,34,700.00 बोली सुरक्षा रु. 1,00,700.00

क्रम सं.4, ई-निविदा सं.-2068, डीइएनः दक्षिण. झोनः आरयु क्षेत्राधिकारःरेणीगुन्टा (मिलाकर) से गुडूर (छोडकर)
अनुमानित मूल्य रु.1,51,80,000.00 बोली सुरक्षा रु. 3,03,600.00

क्रम सं.5, ई-निविदा सं.-2069, डीइएनः दक्षिण. झोनः आरजेपी क्षेत्राधिकारःरेणीगुन्टा (छोडकर) से भाकरापेट (मिलाकर)
अनुमानित मूल्य रु.86,20,264.00 बोली सुरक्षा रु. 1,72,400.00

क्रम सं.6, ई-निविदा सं.-2070, डीइएनः दक्षिण. झोनः एचएक्स क्षेत्राधिकारः भाकरापेट (छोडकर) से कोंडापुरम (छोडकर) तथा येर्रागुन्टला से नोस्सम (मिलाकर)।
अनुमानित मूल्य रु.1,01,20,000.00 बोली सुरक्षा रु. 2,02,400.00

क्रम सं.7, ई-निविदा सं.-2071, डीइएनः मध्य. झोनः जीवाय क्षेत्राधिकारः गूटी (मिलाकर) से कोंडापुरम (मिलाकर)।
अनुमानित मूल्य रु.1,65,65,176.00 बोली सुरक्षा रु. 3.31.300.00

क्रम सं.8, ई-निविदा सं.-2072, डीइएनः मध्य. झोनः डीएचएनइ क्षेत्राधिकारः गुन्टकल (बीजी) (छोडकर) से नंद्याल (छोडकर), गूटी(छोडकर) से पेन्डेकल्लु तथा नोस्सम (छोडकर) से नंद्याल (छोडकर) ।
अनुमानित मूल्य रु.1,22,93,270.00 बोली सुरक्षा रु. 2,45,900.00

क्रम सं.9, ई-निविदा सं.-2073, डीइएनः उत्तर झोनः नार्थ/एमजी/जीटीएल क्षेत्राधिकारः गूटी (छोडकर) से मोलगावल्ली (छोडकर) तथा गुंटकल (छोडकर) से बेल्लारी (छोडकर), कल्लुरु (छोडकर) से गुंटकल (छोडकर) तथा गुंटकल (छोडकर) से गूटी (छोडकर)
अनुमानित मूल्य रु.63,84,773,.00 बोली सुरक्षा रु. 1,27,700.00

क्रम सं.10, ई-निविदा सं.-2074, डीइएनः उत्तर झोनः एडी क्षेत्राधिकारः मोलगावल्ली (मिलाकर) से रायचूर (छोडकर)
अनुमानित मूल्य रु.37,95,000.00 बोली सुरक्षा रु.75,900.00

क्रम सं.11, ई-निविदा सं.-2075, डीइएनः उत्तर झोनः आरसी क्षेत्राधिकारः रायचूर (मिलाकर) से वाडी (छोडकर)
अनुमानित मूल्य रु.1,13,85,001.00 बोली सुरक्षा रु.2,27,700.00

क्रम सं.12, ई-निविदा सं.-2076, डीइएनः पश्चिम झोनः एटीपी क्षेत्राधिकारः धर्मावरम (मिलाकर) से गूटी (जंक्शन-कैबिन)
अनुमानित मूल्य रु.53,04,145.00 बोली सुरक्षा रु. 1,06,100.00

क्रम सं.13, ई-निविदा सं.-2077, डीइएनः पश्चिम झोनः एमपीएल क्षेत्राधिकारः धर्मावरम (छोडकर) से पाकाला (छोडकर) तथा होर्सले हिल्स
अनुमानित मूल्य रु.74,20,111.00 बोली सुरक्षा रु.1,48,400.00

क्रम सं.14, ई-निविदा सं.-2078, डीइएनः पश्चिम झोनः टीपीटीवाय क्षेत्राधिकारः तिरुपति (मिलाकर) से काटपाडी (छोडकर) तथा तिरुमला हिल्स
अनुमानित मूल्य रु.1,84,65,205.00 बोली सुरक्षा रु.3,69,300.00

क्रम सं.15, ई-निविदा सं.-2079, डीइएनः पश्चिम झोनः सीआरएस/टीपीटीवाय क्षेत्राधिकारः सीआरएस कालोनीज तथा सभी सर्विस बिल्डिंग्स, वेलफेर बिल्डिंग्स व अन्य बिल्डिंग्स सहित वर्कशाप के बाहरी तरफ ।
अनुमानित मूल्य रु.2,76,84,872.00 बोली सुरक्षा रु. 5,53,700.00

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

-विभागीय रेल प्रबंधक/ कार्य/गुन्टकल

निविदा सं.-07_2026 _27 _एसआर.डीईई _टीआरडी _एचवायबी, दि.21-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/कर्षण वितरण/ हैदराबाद द्वारा तत्संबंधित निविदा सं.-07_2026 _27 _एसआर.डीईई_टीआरडी_एचवायबी, दि.21-04-2026, बंद करने की तिथिः 14-05-2026, 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता या बिड्डर्स अपनी मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसपर विचार नही किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-संबंधित हैदराबाद डिवीजन के केसीजी रेलवे स्टेशन पर ट्रिप शेड का निर्माण कार्य-बिजली टीआरडी व्यवस्थाएं। विज्ञापित निविदा मूल्य रु.72,60,817.85 अग्रधन रु.1,45,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 14-05-2026

वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय/ टीआरडी/ हैदराबाद, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, हैदराबाद

ई-निविदा सं.-इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-02-2026-27 दि.20-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.12-05-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-बी/इ.221/टीआरएस/आरसी/574, ई-निविदा सं.-इएल एस-बीजेडए- ईटीएन-02-2026-27 दि.20-04-2026, कार्य विवरणः कार्य का नामः इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा पर कैब के उपर स्थित वेल्डेड एमएस शीट को हटाना तथा कैब एसी युनिट के प्रावधान हेतु ट्रौव का इंस्टाल्लेशन, कैब एसी युनिट की फिटमेंट हेतु उपयुक्त कैब प्रोफाइल पर आवश्यक परिवर्तन करना। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा मूल्य रु.15,19,840.00 अग्रधन रु.30,400.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 12-05-2026 के 15.00 बजे

भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों /शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरएस/इएलएस/विजयवाडा

ई-निविदा सं.-इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-03-2026-27, दि.20-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.12-05-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.बी/इ.221/टीआरएस/आरसी/575, ई -निविदा सं.इएलएस-बीजेडए-ईटीएन-03-2026-27, दि.20-04-2026, कार्य विवरणः कार्य का नामः इएलएस /बीजेडए- आरएसआई ब्लाक्स की मरम्मत/पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा मूल्य रु.38,85,000.01, अग्रधन रु.77,700.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 12-05-2026 के 15.00 बजे

भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों /शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरएस/इएलएस/विजयवाडा

निविदा सूचना सं.-बी-एसजी-सीएन-एस & टी-बीजेडए-1-2026-27, दि.21-04-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सिग्नल & दूरसंचार (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे दमरे, विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली संबध्द खुली निविदा के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.-1, निविदा सूचना सं.-बी-एसजी-सीएन-एस & टी-बीजेडए-1-2026-27, दि.21-04-2026, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे- दमरे की जीएनटी डिवीजन के डीएमटी-सीएमजेड & सीएमजेड-जीजेडएल सेक्शन में जीएनटी-जीटीएल लाइन के दोहरीकरण सहित आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन, परीक्षण तथा इन्टिग्रेटेड टनल कम्युनिकेशन सिस्टम्स की कमीशनींग, ओएफसी/क्वैड/लीकी केबुल का संबंधित कार्य, टनल्स एवम् स्टेशनों पर एमरजेंसी काल पाइंट्स आदि का प्रावधान।
निविदा मूल्य रु.8,62,29,322.87 पैसे, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, बंद करने की तिथि व समयः 15-05-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु वेबसाइटःhttps://ireps.gov.in पर लागिन करें निविदाकार अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि/बोली अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पूर्व पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते है।
निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि /बोली अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल & दर संचार अभियंता /निर्माण/विजयवाडा
A122

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमे ट्वीट्टर @SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटःwww.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

गुंटकल सं. जी/सी/ई-नीलामी लीजिंग/2026-27/01 की लीजिंग हेतु आईआरइपीएस माध्यम से ई-निविदा का आमंत्रण, दि.15-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, https://www.ireps.gov.in माध्यम से अठारह वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिकों तथा ई-नीलामी की बंद छोर पर, भारत में पंजीकृत कम्पनियोंड़फर्मों से ई-नीलामी आयोजित करता है।

क्रम सं.	सूची सं.	श्रेणी	सूची का स्थान	नीलामी तिथि	नीलामी शुरु समय
1	जीटीएल-एसएलआरवीपी 2627ए1	एसएलआर & वीपी की लीजिंग	06 रेलें 6 एसएलआर & 1 रेल 01 वीपी	27-04-2026	11.15 बजे

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदारगण यह नोट करें तथा ई-नीलामी प्रक्रिया से अवगत होने तथा इसमे सहभागिता हेतु आईआरईपीएस साइट के होम पेज के बायीं तरफ नेवीगेशन बार पर उपलब्ध द लर्निंग सेन्टर (यूजर मैन्युएल्स) लिन्क द्वारा डाउनलोड किए गये यूजर मैन्युएल पर जाएं। एवम् अधिक स्पष्टीकरणों हेतु बोलीदाता या बिड्डर्स, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल पर स्थित कार्यालय पर संपर्क कर सकते है।

ए136 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधकड़गुंटकल**

वैभव के सबसे तेज 500 आईपीएल रन

जोफ्रा राजस्थान के हाईएस्ट विकेट टेकर

IPL में सबसे तेज 500 रन

बैटर्स	500 रन तक पहुंचने में लगी गेंदें
वैभव सूर्यवंशी	227
ग्लेन मैक्सवेल	260
प्रियंश आर्या	278

राजस्थान के लिए IPL में सबसे ज्यादा विकेट

रैंक	बॉलर्स	विकेट
1	जोफ्रा आर्चर	68
2	युजवेंद्र चहल	66
3	सिद्धार्थ त्रिवेदी	65

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के 32वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने सबसे तेज 500 आईपीएल रन पूरे करने का कारनामा किया। रवींद्र जडेजा ने 17वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीत लिया। वहीं गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर राजस्थान के लिए IPL में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

वैभव के 227 बॉल पर 500 आईपीएल रन

वैभव सूर्यवंशी ने अपने आईपीएल करियर में 500 रन पूरे कर लिए हैं। वे लीग में सबसे कम गेंदों में यह मुकाम हासिल करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने लखनऊ के खिलाफ मैच में पहली ही गेंद पर चौका लगाकर यह उपलब्धि हासिल की।

वैभव ने सिर्फ 227 गेंदों पर 500 रन बनाए हैं। उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 260 गेंदों में अपने पहले 500 रन पूरे किए थे। हालांकि, इस मैच में वैभव 11 गेंदों पर सिर्फ 8 रन ही बना सके।

जडेजा ने 17वीं बार जीता प्लेयर ऑफ द मैच

रवींद्र जडेजा ने आईपीएल में 17वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड अपने नाम किया। खास बात यह है कि 75 मैचों के बाद पहली बार उन्होंने सीएसके के अलावा किसी दूसरी टीम के लिए यह अवॉर्ड जीता।

इससे पहले उनके 16 पीओटीएम अवॉर्ड चेन्नई के लिए आए थे। भारतीय खिलाड़ियों में उनसे आगे सिर्फ रोहित शर्मा (21), विराट कोहली (19) और एमएस धोनी (18) हैं।

घर में लखनऊ की लगातार 7वीं हार

लखनऊ सुपर जायंट्स को अपने होम ग्राउंड पर लगातार 7वीं हार का सामना करना पड़ा। यह आईपीएल इतिहास में घर पर सबसे ज्यादा लगातार हार के रिकॉर्ड्स में शामिल हो गया है, जहां दिल्ली (9 हार) और डेक्कन चार्जर्स (8 हार) जैसे टीम्स इससे ऊपर हैं।

आर्चर बने आरआर के सबसे सफल गेंदबाज

जोफ्रा आर्चर अब राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उनके नाम 68 विकेट हो गए हैं। उन्होंने युजवेंद्र चहल (66) और सिद्धार्थ त्रिवेदी (65) को पीछे छोड़ दिया।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में बांग्लादेशी खिलाड़ियों का जलवा

तंजीद हसन 14 पायदान चढ़कर 40वें नंबर पर पहुंचे

बैटिंग रैंकिंग में चार भारतीय

खेल डेस्क, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आईसीसी की ताजा वनडे और टी-20 प्लेयर रैंकिंग जारी हुई। न्यूजीलैंड के खिलाफ मीरपुर में मिली 6 विकेट की जीत के बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने लंबी छलांग लगाई है। वहीं, बैटिंग रैंकिंग में चार भारतीय शामिल हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे मैच में बांग्लादेश ने कीवी टीम को हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। इस जीत में तंजीद हसन ने 76 रनों की अहम पारी खेली, जिससे उन्हें वनडे बैटिंग रैंकिंग में 14 पायदान का फायदा हुआ और वे 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, तौहीद हृदोय 30 रन की नाबाद पारी के दम पर 5 स्पॉट ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 26वें स्थान पर आ गए हैं।

गेंदबाजों की वनडे रैंकिंग में बांग्लादेश के स्पिनर रिशाद हुसैन और पेसर नाहिद राणा को बड़ा फायदा हुआ है। मीरपुर वनडे में दोनों ने मिलकर 6 विकेट झटके थे। रिशाद 10 पायदान ऊपर चढ़कर 58वें और नाहिद राणा 32 पायदान की छलांग लगाकर 64वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शरीफुल इस्लाम ने साल 2024 के अंत के बाद पहली बार वनडे मैच खेला और दो मैचों में 4 विकेट लेकर 39वें स्थान के साथ रैंकिंग में वापसी की है।

न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज डेरिल मिचेल बांग्लादेश के खिलाफ मौजूदा सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। इसके बावजूद वे वनडे बैटिंग रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। फिलहाल वनडे चार्ट्स में उनका दबदबा कायम है।

ICC वनडे टॉप-10 बल्लेबाज

रैंक	खिलाड़ी	देश	रेटिंग
1	डेरिल मिचेल	न्यूजीलैंड	823
2	विराट कोहली	भारत	791
3	इब्राहिम जादरान	अफगानिस्तान	756
4	रोहित शर्मा	भारत	748
5	शुभमन गिल	भारत	716
6	बाबर आजम	पाकिस्तान	684
7	शाई होप	वेस्टइंडीज	679
8	हैरी टेक्टर	आयरलैंड	679
9	केएल राहुल	भारत	664
10	सलमान आगा	पाकिस्तान	664

टी20 रैंकिंग में जॉर्ज मुन्से और मार्क वॉट को फायदा

स्कॉटलैंड के नामीबिया दौरे के बाद T20 रैंकिंग में भी बदलाव हुए हैं। स्कॉटलैंड ने यह सीरीज 2-1 से जीती। सीरीज के आखिरी मैच में शतक लगाने वाले ओपनर जॉर्ज मुन्से 7 पायदान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, गेंदबाज मार्क वॉट ने दो मैचों में 3 विकेट लेकर 10 पायदान की छलांग लगाई और अब वे 47वें नंबर पर हैं।

नामीबिया के कप्तान जेरार्ड इरास्मस ने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने सीरीज की 3 पारियों में 145 रन बनाए, जिससे वे बैटिंग रैंकिंग में 24 पायदान चढ़कर 73वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर रैंकिंग में वे 5 पायदान ऊपर उठकर अब दुनिया के 10वें नंबर के ऑलराउंडर बन गए हैं।

राजस्थान के नांद्रे बर्गर पर जुर्माना

लखनऊ के खिलाफ कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के 32वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने का दोषी पाया गया है। इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में उनके व्यवहार पर मैच रेफरी ने 10% मैच फीस का जुर्माना लगाया है। साथ ही उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है।

हालांकि किस खिलाड़ी के साथ गलत व्यवहार हुआ, इसका बीसीसीआई ने उल्लेख नहीं किया है। माना जा रहा है कि मिचेल मार्श को आउट किया तब शायद उन्होंने मार्श को आउट करने के बाद कुछ बोला या इशारा किया। जिसे फील्ड अंपायरों ने गलत माना। साउथ अफ्रीकी गेंदबाज नांद्रे बर्गर को आईपीएल आचार

संहिता के लेवल-1 अपराध का दोषी माना गया है। उन पर आर्टिकल 2.5 के तहत कार्रवाई की गई है। यह आर्टिकल ऐसे मामलों में लागू होता है, जब खिलाड़ी मैदान पर भाषा, एक्शन या इशारों से दूसरे खिलाड़ी का अपमान करे या उसे उकसाए।

सुनवाई में नांद्रे बर्गर ने गलती स्वीकार की और सजा मंजूर की। आईपीएल नियमों के अनुसार, लेवल-1 मामलों में मैच रेफरी का फैसला अंतिम होता है और अपील का अधिकार नहीं होता।

नांद्रे बर्गर ने इस मैच में 4 ओवर में 27 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने पहले कप्तान ऋषभ पंत को आउट किया और फिर मिचेल मार्श को आउट किया। इस मैच में मार्श ने उनके ओवर में चौके-छक्के लगाए। आउट होने से पहले भी मार्श ने छक्का जड़ा। मार्श को आउट करने के बाद बर्गर अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए और उन्हें कुछ बोल दिया।

राजस्थान रॉयल्स की इस सीजन पांचवीं जीत है। लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से हराया। इकाना स्टेडियम में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 159 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका ने भारत से टी-20 सीरीज जीती

जोहानसबर्ग, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका महिला टीम ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज जीत ली है। तीसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने भारत को 8 विकेट से हराकर 3-0 की अजेय बढ़त बनाई। टीम ने टी-20 इंटरनेशनल में अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज (193 रन) किया। कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने 47 गेंदों में शतक जड़ा, जो उनके करियर की सबसे तेज सेंचुरी है।

साउथ अफ्रीका की जीत में लॉरा वोल्वार्ट और सुने लुस की 183 रनों की साझेदारी अहम रही। वोल्वार्ट ने 115 रन बनाए, जबकि सुने लुस ने 42 गेंदों पर 64 रन बनाकर साथ दिया। टीम ने 193 रनों का लक्ष्य 16.3 ओवर में हासिल कर लिया। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 192/9 का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। शेफाली वर्मा ने अच्छी शुरुआत दी, लेकिन स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स के जल्दी आउट होने से पारी लड़खड़ा गई थी। मंधाना 34 और जेमिमा शून्य पर आउट हुईं। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मोर्चा संभाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी-20 अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 38 गेंदों में 66 रन बनाए। आखिरी ओवर में उन्होंने तुमी सेखुखुने की गेंदों पर दो छक्के लगाए। उन्होंने ऋचा घोष के साथ 26 गेंदों में 51 रनों की पार्टनरशिप की, जिससे भारत 190 के पार पहुंच सका।

193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय वोल्वार्ट को भारतीय फील्डर्स ने दो मौके दिए। 31 रन पर स्मृति मंधाना ने उनका कैच छोड़ा। 85 रन पर कप्तान हरमनप्रीत कौर से भी कैच छूट गया। वोल्वार्ट ने इसका फायदा उठाते हुए 84 रन लेग साइड पर बनाए, जिसमें उनके सभी छक्के शामिल थे।

ऑलराउंडर नवाज ड्रग टेस्ट पॉजिटिव पाए गए

पीसीबी ने जांच शुरू की; टी-20 वर्ल्डकप के दौरान लिए गए सैंपल में फेल

इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ड्रग टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। सैंपल 2026 टी-20 वर्ल्डकप के दौरान लिया गया था। इस मामले में आईसीसी ने पीसीबी को जानकारी दी है और बोर्ड ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा- आईसीसी ने इस मामले की जानकारी दी है और पीसीबी ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके नतीजे आज आईसीसी को बताए जाएंगे। फिलहाल जांच जारी है और अंतिम फैसला अभी नहीं आया है।

32 साल के नवाज ने इस साल श्रीलंका में हुए टी-20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान के सभी सात मैच खेले थे। टीम सुपर-8 स्टेज में बाहर हो गई थी। इस दौरान

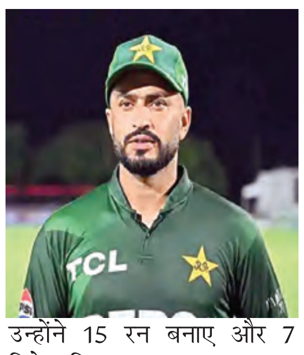

उन्होंने 15 रन बनाए और 7 विकेट लिए।

नवाज के खिलाफ यह मामला आईसीसी की एंटी-डोपिंग प्रक्रिया के तहत चल रहा है। पॉजिटिव टेस्ट रिक्रिएशनल ड्रग (नशीली दवाएं) से जुड़ा है। आईसीसी ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है और पूरी प्रक्रिया गोपनीय तरीके से चल रही है।

इस विवाद का असर नवाज के करियर पर दिखने लगा है। नवाज को इंग्लैंड में टी-20 ब्लास्ट के लिए सरे टीम के साथ जुड़ना था। पीसीबी ने उन्हें एनओसी भी दे दिया था और क्लब इस हफ्ते उनके साइनिंग का ऐलान करने वाला था। लेकिन अब यह डील टूट गई है और नवाज इस सीजन सरे के लिए नहीं खेलेंगे। क्लब ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

नवाज जांच के बावजूद पाकिस्तान सुपर लीग में खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वे मुल्तान सुल्तांस की ओर से लगातार मैच खेल रहे हैं। हाल ही में कराची में रावलपिंडी के खिलाफ मैच में उन्होंने तीन ओवर फेंके, लेकिन कोई विकेट नहीं लिया।

नवाज अब तक पाकिस्तान के लिए 98 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम के व्हाइट-बॉल सेटअप में वह नियमित खिलाड़ी

इंडिया की टेस्ट टीम में होगी स्टार खिलाड़ियों की एंट्री!

आईपीएल 2026 के बीच बीसीसीआई ने बनाया मास्टर प्लान

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने हाल के समय में वनडे और टी-20 फॉर्मेट में कमाल का प्रदर्शन किया है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं रहा है. टीम इंडिया पिछले 2 सालों से टेस्ट फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है. ऐसे में टीम में कुछ बड़े बदलाव नजर आ रहे हैं. बीसीसीआई अब मध्यक्रम में स्टार खिलाड़ियों की जगह पक्की करने के बारे में विचार कर रहा है. इन खिलाड़ियों को अब मौके मिलने वाले हैं.

देवदत्त पडिक्कल

टाइम्स ऑफ इंडिया की नई रिपोर्ट्स के मुताबिक देवदत्त पडिक्कल को अब बीसीसीआई नंबर 3 पर लंबे समय तक मौका देना चाहती है. घरेलू क्रिकेट में पडिक्कल लंबे समय से रनों की बारिश कर रहे हैं.

ऋतुराज गायकवाड़

सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी मध्यक्रम में मौका दिया जा सकता है. गायकवाड़ स्पिनरों को बहुत अच्छे से खेलते हैं, ऐसे में उन्होंने नंबर 5 पर खिलाया जा सकता है. जिससे बल्लेबाजी को और मजबूत किया जा सके.

साई सुदर्शन

टीम मैनेजमेंट लंबे समय से नंबर 3 पर साई सुदर्शन को मौका दे रहा था. सुदर्शन अब तक उसका फायदा नहीं उठा पाए हैं. जिसके कारण ही अब अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति उन्हें बाहर का रास्ता दिखा सकती है.

नीतीश कुमार रेड्डी

मध्यक्रम में नीतीश कुमार रेड्डी को भी मौका दिया जा रहा था. रेड्डी बल्ले के साथ पिछले कई मुकाबलों से फेल हो रहे हैं. ऐसे में उन्हें भी बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है. रेड्डी से गिल गेंदबाजी भी बहुत ही कम कराते हैं.

ध्रुव जुरेल

विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भी बीसीसीआई अब लंबे समय तक मौका देने के बारे में विचार कर रही है. जुरेल टीम इंडिया में बतौर बल्लेबाज भी खेलने को तैयार नजर आ रहे हैं.

ओडीआई टीम इंडिया से बाहर होंगे जसप्रीत बुमराह!

टेस्ट टीम की खस्ता हालत देख बदलाव के मूड में बीसीसीआई?

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद टीम इंडिया को लगातार एक के बाद एक सीरीज खेलनी है. वनडे और टी20 में तो टीम इंडिया का प्रदर्शन शानदार रहा है लेकिन टेस्ट में टीम के हालात बहुत नाजुक हैं. ऐसे में टाइम्स ऑफ इंडिया के हवाले से सामने आ रही जानकारी के अनुसार बीसीसीआई इसमें सुधार के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है. ये कदम स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से जुड़ा होगा.

जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट की चर्चा अक्सर होती रहती है. इसी के तहत रिपोर्ट के अनुसार मैनेजमेंट उनको इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल के सभी मुकाबले खिलाना चाहता है. ऐसे में वनडे टीम से उनको आराम दिया जाएगा.

जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया के लिए सबसे अहम गेंदबाज हैं और ये बात मैनेजमेंट अच्छी तरह जानता है. ऐसे में मैनेजमेंट उनको इस WTC संस्करण के सभी मैचों में खिलाना चाहता है और वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत वनडे मैचों से आराम देगा. हाल ही में उन्होंने 2स साल के बाद एशिया कप में टी20 क्रिकेट खेला था.

आईपीएल खत्म होने के बाद टीम इंडिया को अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलना है, जो कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में नहीं है. इसके बाद टीम शुभमन गिल की कप्तानी में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-2 मैच खेलेगी तो वहीं 5 मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर सीरीज में खेलेगी.

डब्ल्यूटीसी टेबल पर नजर डालें तो टीम इंडिया छठे नंबर पर बनी हुई है. टीम इंडिया को फाइनल में अपनी जगह बनाने के लिए कम से कम नंबर 2 पर पहुंचना होगा. इसके लिए टीम को बाकि बचे हुए 9 मैचों में से कम से कम से 8 मैच जीतने होंगे.

कमाल के हैं बुमराह के आंकडे.

जसप्रीत बुमराह के टीम इंडिया के लिए आंकड़े बेहद ही कमाल के रहे हैं. उन्होंने टीम के लिए अब तक खेले 52 टेस्ट मैचों में 234 विकेट चटकाए हैं. इस दौरान वो 16 बार 5 विकेट हॉल भी अपने नाम कर चुके हैं.

टेस्ट टीम में होंगे बड़े बदलाव

जसप्रीत बुमराह के अलावा मैनेजमेंट टेस्ट टीम इंडिया में और भी कई बड़े बदलाव कर सकती है. बोर्ड कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश नहीं है. ऐसे में उन खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर नए खिलाड़ियों को स्क्वॉड में जगह दी जा सकती है.

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में नया विवाद

राजनीति की एंट्री! ईरान की जगह इटली को खिलाने की मांग

न्यूयॉर्क, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दूत ने सुझाव दिया है कि टूर्नामेंट में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। इस प्रस्ताव ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर राजनीति की एंट्री को लेकर बहस तेज कर दी है।

ट्रंप के विशेष दूत पाओलो जाम्पोली ने इस सुझाव की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव उन्होंने जियानी इन्फैन्टिनो के सामने रखा। उन्होंने कहा, 'मैं पुष्टि करता हूं कि मैंने ट्रंप और (फीफा अध्यक्ष गियानी) इन्फैन्टिनो से सुझाव दिया कि वर्ल्ड कप में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। मैं इटली का रहने वाला हूं और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में अज़्ज़ूरी को देखना मेरा सपना है। चार खिताब के साथ उनके पास शामिल होने का मजबूत आधार है।'

चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली इस बार क्वालिफाई नहीं कर पाई, जो फुटबॉल जगत के लिए बड़ा झटका रहा। लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप से बाहर रहना इटली जैसी बड़ी टीम के लिए चौंकाने वाला है। इसी वजह से यह प्रस्ताव और भी ज्यादा चर्चा में आ गया है।

क्या ईरान खेलेगा वर्ल्ड कप?

फिलहाल ईरान टूर्नामेंट का हिस्सा बना हुआ है। टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है और उसके ग्रुप मैच अमेरिका में होने तय हैं। हालांकि, पहले ईरान ने यात्रा और राजनीतिक तनाव को देखते हुए अपने मैच दूसरे देश में कराने की मांग की थी, लेकिन फीफा ने अब तक शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया है।

फीफा के नियमों के मुताबिक, अगर कोई टीम टूर्नामेंट से हटती है तो उसकी जगह दूसरी टीम को शामिल किया जा सकता है। लेकिन यह प्रक्रिया आसान नहीं होती। आमतौर पर उसी महाद्वीप (कॉनफेडरेशन) की टीम को मौका दिया जाता है। ऐसे में अगर ईरान बाहर होता भी है, तो एशियाई टीम को प्राथमिकता मिलने की संभावना ज्यादा है। इस वजह से इटली का शामिल होना फिलहाल बेहद मुश्किल माना जा रहा है।

यह प्रस्ताव अभी केवल एक सुझाव है और इस पर फीफा की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

क्या भारत में फैंस नहीं देख पाएंगे फुटबॉल विश्व कप?

प्रसारण अधिकार अब तक नहीं बिके, वजह चौंकाने वाली

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब 50 दिन का समय बचा है। इस बड़े टूर्नामेंट के करीब आते ही दुनिया भर के फुटबॉल फैंस की उत्सुकता बढ़ती जा रही है, लेकिन भारत में एक बड़ा सवाल अब भी अनसुलझा है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा इवेंट के ब्रॉडकास्ट राइट्स यानी प्रसारण अधिकार आखिर अब तक क्यों नहीं बिक पाए हैं?

आमतौर पर इतने बड़े टूर्नामेंट के लिए टीवी और डिजिटल अधिकारों को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है, लेकिन इस बार हालात थोड़े अलग नजर आ रहे हैं। फीफा विश्व कप का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। टूर्नामेंट के इतिहास में इस बार सबसे ज्यादा 48 टीमें हिस्सा लेंगी और यह अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट का फाइनल 19 जुलाई को खेला जाएगा।

भारतीय फैंस के लिए चिंता की वजह

भारत में फुटबॉल की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। यूरोपीय लीग्स से लेकर वर्ल्ड कप तक, दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ी है। ऐसे में जब फीफा वर्ल्ड कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के प्रसारण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, तो यह भारतीय फुटबॉल समुदाय के लिए चिंता का विषय बन गया है। इस स्थिति ने उस दौर की याद भी दिला दी है जब इंडियन सुपर लीग के आयोजन को लेकर भी असमंजस पैदा हो गया था, जिससे देश में फुटबॉल कल्चर को झटका लगा था। अगर इस बार भी ब्रॉडकास्ट डील समय पर नहीं होती, तो यह खेल के प्रचार-प्रसार पर असर डाल सकता है।

27 साल की उम्र में ही काजी ओनिक का अचानक क्रिकेट से संन्यास

गिल-अभिषेक के खिलाफ खेलकर बनाया था नाम

ढाका, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रिकेट की दुनिया में कई खिलाड़ी लगभग 30 साल की उम्र में इंटरनेशनल लेवल पर डेब्यू करते हैं. ऐसे समय में 27 साल के एक उभरते हुए बांग्लादेशी खिलाड़ी ने क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है. एक समय इस खिलाड़ी को भविष्य का स्टार कहा जा रहा था. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड इस समय कई बड़ी चुनौतियों से जूझ रहा है. इस बीच बांग्लादेश क्रिकेट को बड़ा झटका लगा है. बांग्लादेश के 27 वर्षीय तेज गेंदबाज ने सभी को चौंकाते हुए अब क्रिकेट से संन्यास का फैसला कर लिया है. आर्थिक तंगी और लगातार मौका नहीं मिलने के कारण इस खिलाड़ी ने ये बड़ा फैसला किया है. इस बांग्लादेशी तेज गेंदबाज ने शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा के खिलाफ भी खेलकर अच्छा प्रदर्शन किया है. बांग्लादेश के 27 वर्षीय तेज गेंदबाज काजी ओनिक ने अचानक क्रिकेट से संन्यास का फैसला कर लिया है. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज काजी ने बांग्लादेश अंडर-19 क्रिकेट टीम के लिए वर्ल्ड कप 2018 में खेला था. जहां पर उनकी स्पीड के कारण वो चर्चा का केंद्र बन गए थे. कुछ दिग्गज उन्होंने बांग्लादेश का अगला स्टार गेंदबाज मान रहे थे. साल 2020 में नेशनल क्रिकेट लीग के दौरान वो डोपिंग टेस्ट में फेल हो गए थे. जिसके कारण ही उनके ऊपर 2 साल का बैन लग गया था. उस बैन के बाद काजी का करियर पूरी तरह से दोबारा कभी पटरी पर नहीं आ सका. बांग्लादेश में भी उन्हें मौके मिलना बंद हो गए. जिसके कारण ही वो आर्थिक तंगी से भी गुजरने लगे. इन्हीं कारणों के चलते अब उन्होंने संन्यास का फैसला किया है.

काजी ओनिक ने अपने करियर में कुल 12 फर्स्ट क्लास मैच खेले. जिसमें उन्होंने 196 रन बनाने के साथ ही साथ 31 विकेट भी हासिल किया. 50 लिस्ट ए मैचों में काजी ने 66 विकेट लेने के साथ ही साथ 211 रन भी बनाए. वहीं 17 टी-20 मैचों में उन्होंने 15 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा था. ओनिक ने अपना आखिरी मुकाबला 2024 में खेला था. उसके बाद से वो मौके का इंतजार ही कर रहे थे.

अब देखना है कि क्या वो किसी और देश के लिए खेलते हुए नजर आते हैं. हाल के समय में कई खिलाड़ियों ने ये रास्ता चुना है.

हैदराबाद सिटी पुलिस नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध : पुलिस आयुक्त

*** 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' पर बैंकर्स समन्वय बैठक * साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त निर्देश**

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस के आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' के तहत बैंक खातों के दुरुपयोग पर रोक लगाने और साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम को मजबूत करने के उद्देश्य से बैंकिंग क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं विशेष जांच दल) एम. श्रीनिवासुलु तथा भारतीय रिज़र्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक चिन्मय कुमार भी उपस्थित रहे। यह अभियान साइबर अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त वी. अरविंद बाबू और सहायक पुलिस आयुक्त आर.जी. शिव मराठी के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इस बैठक में 45 सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों के 75 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें क्षेत्रीय प्रबंधक, जोनल प्रबंधक, महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक और नोडल अधिकारी शामिल थे। पुलिस आयुक्त ने बैंकों के लिए दोहरी चुनौती ढांचा लागू करने का सुझाव दिया, जिसके अंतर्गत शाखाओं के प्रदर्शन का आकलन केवल खाते खोलने की संख्या से नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा और संस्थागत पारदर्शिता से किया जाएगा। हर शाखा का लक्ष्य होना चाहिए कि उसका कोई भी ग्राहक साइबर अपराध का शिकार न बने। इसके लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध शिकायत पोर्टल के आंकड़ों के आधार पर निगरानी की जाएगी। किसी भी शाखा में फर्जी (म्यूल) खाते न खुलें। इसके लिए 'अपने ग्राहक को जानिए' प्रक्रिया का कड़ाई से पालन, अतिरिक्त जांच और वास्तविक समय निगरानी आवश्यक होगी। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि केवल खाते खोलने की संख्या को प्रदर्शन का मापदंड न माना जाए, बल्कि सुरक्षित ग्राहक और शून्य फर्जी खाते ही शाखाओं की सफलता का आधार बनें। बैठक में बैंकों को साइबर अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता नीति अपनाने, शिकायतों की निगरानी को प्रदर्शन सूचकांक में शामिल करने तथा पीड़ित ग्राहकों को त्वरित सहायता देने के निर्देश दिए गए।

कर्मचारियों द्वारा नियमों के उल्लंघन पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और दोषी पाए जाने पर उन्हें बैंकिंग प्रणाली से निष्कासित करने की भी बात कही गई। साथ ही उन्नत तकनीकी साधनों के उपयोग, संदिग्ध खातों की निगरानी, प्रारंभिक अवधि में लेनदेन सीमित करने तथा नियमित लेखा परीक्षण करने की सलाह दी गई। बैठक में बताया गया कि साइबर अपराध गिरोह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हैं और कंबोडिया, वियतनाम तथा दुबई जैसे देशों से संचालित हो रहे हैं।

ये गिरोह भारत में बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी खाते खुलवाकर लोगों से ठगी करते हैं। बैंकों को निर्देश दिया गया कि वे ग्राहकों को समय-समय पर संदेश भेजकर जागरूक करें, शाखाओं में साइबर अपराध से संबंधित जानकारी प्रदर्शित करें और संदिग्ध लेनदेन की पहचान कर ग्राहकों को सतर्क करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से धन हस्तांतरण की मांग नहीं करती। पुलिस आयुक्त ने कहा कि हैदराबाद सिटी पुलिस नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है और साइबर अपराध में संलिप्त सभी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बैंकों से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सक्रिय सहयोग की अपील की तथा 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' को निरंतर चलने वाला अभियान बताया।

युवाओं के लिए 25 अप्रैल को बड़ा रोजगार मेला

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट में युवाओं को रोजगार के अवसर देने के लिए पुलिस विभाग 25 अप्रैल को सिद्दिपेट पुलिस उद्योग मित्र नाम से एक बड़े जॉब मेले का आयोजन करने जा रहा है। पुलिस आयुक्त रश्मी पेरुमल ने बताया कि यह रोजगार मेला सिद्दिपेट पुलिस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा, जहां कई कंपनियां भाग लेकर मौके पर ही योग्य उम्मीदवारों का चयन करेंगी। इस जॉब मेले में दसवीं, आईटीआई, इंटरमीडिएट, डिग्री, डिप्लोमा, बीटेक और अन्य व्यावसायिक कोर्स पास कर चुके उम्मीदवार भाग ले सकते हैं।

इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की फोटोकॉपी, पासपोर्ट साइज फोटो और अपडेटेड रिज्यूमे या सीवी की पांच प्रतियां साथ लाने के लिए कहा गया है। पुलिस आयुक्त ने युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाकर अपने भविष्य को बेहतर बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के साथ-साथ पुलिस विभाग सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए 'उद्योग मित्र' पहल के जरिए रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है।

ई-कचरे के निस्तारण हेतु जीएचएमसी की नई पहल, क्यूआर आधारित व्यवस्था प्रारंभ

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-कचरा) के सुरक्षित निस्तारण के लिए एक स्थायी और व्यापक व्यवस्था प्रारंभ की है। निगम आयुक्त ने अमीरपेट स्थित प्रमुख मोबाइल विक्रय केंद्रों में इस पहल का शुभारंभ किया, जहाँ अधिकृत पुनर्चक्रण एजेंसियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही।

अधिकारियों के अनुसार, ई-कचरा यदि उचित ढंग से निस्तारित न किया जाए तो यह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। इसी कारण भारत सरकार ने इसे विशेष श्रेणी के कचरे में शामिल किया है और इसके प्रबंधन हेतु केवल अधिकृत संस्थाओं को ही अनुमति प्रदान की गई है। नगर निगम द्वारा जनवरी 2026 से ई-कचरा संग्रहण और जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अब इसे स्थायी स्वरूप देने के लिए क्यूआर आधारित ई-कचरा प्रबंधन तंत्र विकसित किया गया है, जिसके अंतर्गत नागरिकों को तीन प्रमुख सुविधाएँ प्रदान की जा रही है। नगर के विभिन्न विक्रय केंद्रों

में 30 संग्रह पेटियाँ स्थापित की गई हैं। नागरिक क्यूआर कोड के माध्यम से इन स्थानों की जानकारी प्राप्त कर अपने अनुपयोगी ई-कचरे को वहाँ जमा कर सकते हैं। नगर निगम ने अधिकृत पुनर्चक्रण कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर नागरिकों के घर से सीधे ई-कचरा संग्रहण की व्यवस्था की है।

यह सुविधा शीघ्र प्रारंभ होगी और नागरिक क्यूआर कोड के माध्यम से अनुरोध दर्ज कर सकेंगे। विभिन्न वार्डों में ई-कचरे के दुष्प्रभावों तथा उसके सही निस्तारण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में एकत्रित ई-कचरे का निस्तारण नियमानुसार किया जाएगा। नगर निगम के अनुसार, ई-कचरा जमा करने पर नागरिकों को प्रशंसा प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार अंक प्रदान किए जाएंगे, जिन्हें स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उपयोग किया जा सकेगा। यह पहल कचरे के स्रोत पर पृथक्करण, नागरिक सहभागिता, कचरे की निगरानी तथा लैंडफिल में जाने वाले कचरे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नगर निगम ने इस पहल को और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न संस्थाओं, स्वयंसेवकों एवं इच्छुक व्यक्तियों से सुझाव और सहयोग आमंत्रित किए हैं।

कौशल विकास और सतत शैक्षणिक उन्नयन पर विशेष ध्यान दें : शिव प्रताप शुक्ल

> राज्यपाल ने कुलपतियों एवं उच्च शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने गुरुवार को राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से विद्यार्थियों के कौशल विकास तथा निरंतर शैक्षणिक उन्नयन पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने लोक भवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं उच्च शिक्षा अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालाकिस्ता रेड्डी ने गत एक वर्ष में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सुधारों की जानकारी दी।

इनमें नए पाठ्यक्रमों का प्रारंभ, अनुसंधान को प्रोत्साहन तथा कौशल विकास से संबंधित विभिन्न पहलें शामिल हैं। कुलपतियों ने अपने-अपने विश्वविद्यालयों में संचालित नवाचार कार्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उपायों, किए गए सुधारों तथा सामने आ रही चुनौतियों से अवगत कराया। राज्यपाल ने उस्मानिया विश्वविद्यालय, काकतिया विश्वविद्यालय तथा जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल उपाधि प्रदान करने वाले संस्थान न रहकर विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने वाले तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा देने वाले केंद्र बनें। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा सतत शैक्षणिक विकास सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने उद्योगों के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित कर अनुसंधान, नवाचार तथा व्यावहारिक समाधान विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली पहलों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई 'स्टार्टअप इंडिया', 'स्किल इंडिया' तथा 'डिजिटल इंडिया' जैसी योजनाएँ युवाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। साथ ही 'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान' तथा 'प्रधानमंत्री अनुसंधान फैलोशिप' जैसी योजनाएँ उच्च शिक्षा को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना के विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालय वैश्विक संस्थानों के समकक्ष हैं और यहाँ शिक्षित अभियंता तथा चिकित्सक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं। विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करने वाले दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता बताते हुए राज्यपाल ने कुलपतियों से समर्पण भाव के साथ कार्य कर तेलंगाना को शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने फ्रॉम विज़न टू इम्पैक्ट: टीजीसीएचई के हालिया उच्च शिक्षा सुधार शीर्षक पुस्तक का विमोचन भी किया, जिसमें राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा किए गए नवीनतम सुधारों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बेकर ह्यूजेस के लिए विशेष लीन मैन्युफैक्चरिंग सुविधा का उद्घाटन

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने गुरुवार को सिद्दीपेट जिले के मुलुगु मंडल स्थित तुनिकि बोल्लारम में टीजीआईआईसी इंडस्ट्रियल पार्क के अंतर्गत आजाद-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड इनोवेशन सेंटर में बेकर ह्यूजेस के लिए स्थापित विशेष लीन मैन्युफैक्चरिंग सुविधा का औपचारिक उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सुविधा 7,600 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित की गई है। अमेरिका आधारित वैश्विक ऊर्जा प्रौद्योगिकी कंपनी बेकर ह्यूजेस 120 देशों में अपनी सेवाएं प्रदान करती है और ऑयलफील्ड सर्विसेज एंड इक्विपमेंट , इंडस्ट्रियल एंड एनर्जी टेक्नोलॉजी (आईईटी) तथा टेक्नोलॉजी एंड डिजिटल सॉल्यूशंस जैसे क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति रखती है। नव स्थापित यह इकाई विशेष रूप से कंपनी के इंडस्ट्रियल एंड एनर्जी टेक्नोलॉजी (आईईटी) डिवीजन के लिए उच्च-परिशुद्धता उत्पादों के निर्माण पर केंद्रित रहेगी।

इस सुविधा के माध्यम से 230 से अधिक कुशल पेशेवरों को रोजगार मिलने की संभावना है, जिससे राज्य के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी और मेड इन तेलंगाना की वैश्विक पहचान को और विस्तार मिलेगा।

ड्रिंक एंड ड्राइव चेकिंग में महिला का हंगामा, मामला दर्ज

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स इलाके में बुधवार रात ड्रिंक एंड ड्राइव जांच के दौरान एक महिला ने हंगामा कर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना रात करीब 10:30 बजे हुई, जब पुलिस ने एक कार को रोककर महिला चालक से ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट कराने को कहा।

महिला ने जांच कराने से इनकार कर दिया और ट्रैफिक पुलिस से बहस करने लगी। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने कानून-व्यवस्था संभालने वाली टीम को मौके पर बुलाया। इसके बाद महिला को पुलिस स्टेशन ले जाया गया और कार को जब्त कर लिया गया। पुलिस ने महिला के खिलाफ शराब पीकर गाड़ी चलाने, पुलिस के साथ सहयोग न करने और बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने जैसे आरोपों में मामला दर्ज किया है।

ऐतिहासिक इमारतों को हेरिटेज अवार्ड 2026 से सम्मान

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों की कई ऐतिहासिक इमारतों को आईएनटीएसीएच हेरिटेज अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। इन इमारतों को उनकी विरासत, स्थापत्य कला और ऐतिहासिक महत्व के लिए पहचान मिली है। पुरस्कार पाने वाली प्रमुख इमारतों में सिकंदराबाद के क्लॉक टावर के पास स्थित सीएसआई वेस्ली चर्च शामिल है।

1916 में बने इस चर्च को नव-गॉथिक शैली की बेहतरीन वास्तुकला के लिए सम्मान मिला है और यह 100 साल से अधिक पुरानी विरासत का प्रतीक है। उस्मानिया विश्वविद्यालय के रसायन विभाग भवन को भी सम्मानित किया गया है। यह भवन 1917 में स्थापित हुआ था और उस्मानियाई स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। बेगमपेट स्थित नेविगेशन ट्रेनिंग स्कूल को सैन्य विमानन प्रशिक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इसकी स्थापना 1946 में हुई थी और बाद में इसे बेगमपेट स्थानांतरित किया गया। सिकंदराबाद के जनरल बाजार में स्थित श्री पुरी जगन्नाथ मंदिर को उसकी अनूठी स्थापत्य शैली के लिए सम्मान मिला है। इसमें राजस्थानी और स्थानीय कला का सुंदर मिश्रण देखने को मिलता है। खैरताबाद स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) तेलंगाना स्टेट सेंटर को भी इस सूची में शामिल किया गया है। 1938 में स्थापित इस संस्थान का भवन आधुनिक और आर्ट डेको शैली का उदाहरण है। इसके अलावा, सिकंदराबाद छावनी में स्थित कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सीडीएम) हाउस को भी सम्मानित किया गया है। 1885 में बना यह भवन अपने खास डिजाइन और रक्षा क्षेत्र से जुड़े महत्व के लिए जाना जाता है। आईएनटीएसी हैदराबाद चैप्टर की संयोजक अनुराधा रेड्डी के अनुसार, 1996 से यह पुरस्कार शहर की ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित इमारतों को पहचान देने के लिए दिया जा रहा है। इन सभी इमारतों का चयन उनकी ऐतिहासिक विरासत, वास्तुकला और सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए किया गया है, जो शहर की पहचान और इतिहास को संजोए हुए हैं।

आरटीसी चालक ने हड़ताल के बीच आत्मदाह का प्रयास किया

शंकर गौड़ की हालत नाजुक, साथी आक्रोशित

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीआरटीसी) की जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच गुरुवार को वारंगल जिले के नरसंपेट डिपो में एक सनसनीखेज घटना सामने आई। आरटीसी चालक शंकर गौड़ ने कथित रूप से पेट्रोल डालकर खुद को आग के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा आरटीसी कर्मचारियों की मांगों पर कोई ठोस कदम न उठाए जाने से आक्रोशित शंकर गौड़ ने यह कदम उठाया। घटना के बाद मौके पर मौजूद सहकर्मियों में हड़कंप मच गया और उन्होंने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाई तथा गंभीर रूप से झुलसे चालक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, शंकर गौड़ की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। इधर, इस घटना के बाद डिपो परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया। आक्रोशित कर्मचारियों ने आरटीसी प्रबंधन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। यूनियन नेताओं ने इस घटना के लिए सरकार और आरटीसी प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराते हुए कर्मचारियों की मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की है।

संदिग्ध हालात में व्यक्ति की मौत, जांच जारी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के विजयनगर कॉलोनी स्थित एक एटीएम केंद्र के पास गुरुवार सुबह एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वह एटीएम के दरवाजे को पकड़े हुए बैठा हुआ मिला। आसपास के लोगों ने उसे इस हालत में देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची मेहदीपटनम पुलिस ने जांच की, लेकिन उसके पास से कोई एटीएम कार्ड या नकदी नहीं मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल भेज दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरूआती अंदाजा है कि व्यक्ति की मौत स्ट्रोक के कारण हुई हो सकती है, हालांकि असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

पत्नी और मां की हत्या के बाद ट्रेन के आगे कूदा शख्स

बचाने पहुंचे दो बच्चों की भी मौत

तिरुपति, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां कुछ ही घंटों के भीतर एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई।

एक व्यक्ति ने पहले अपनी पत्नी और मां की हत्या की, फिर आत्महत्या के लिए रेलवे ट्रैक पर लेट गया। उसे बचाने की कोशिश में उसके दो मासूम बच्चे भी ट्रेन की चपेट में आकर मारे गए। यह दर्दनाक घटना बुधवार को नारायणवनम मंडल के वेंकटाकृष्णा पालेम पंचायत में हुई। पुलिस के अनुसार, मोहान नामक व्यक्ति ने अपने घर में पत्नी हरिता (33) और मां चंद्रकला (65) की कपड़े से गला घोंटकर हत्या कर दी। हरिता सिलाई और ब्यूटी पार्लर का काम करती थीं, जबकि चंद्रकला गृहिणी थीं। हत्या के बाद मोहान अपने बेटे कौशिक (14) और बेटी हरिनी (12) को पुत्तूर स्थित स्कूल से यह कहकर ले आया कि उनके दादा का निधन हो गया है।

घटना का खुलासा तब हुआ जब हरिता के भाई बालकृष्ण घर पहुंचे। उन्होंने दोनों महिलाओं को मृत पाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मोहान की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित कीं और पुत्तूर, नागरी समेत कई इलाकों में खोजबीन शुरू की।

सिंचाई परियोजनाओं की विफलताओं पर जांच न होने पर बीआरएस का सवाल

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसएलपी के उपनेता तलसानी श्रीनिवास यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में हुई सिंचाई परियोजनाओं की विफलताओं की अब तक जांच क्यों नहीं कराई गई। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने मांग की कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) समेत केंद्रीय एजेंसियां श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर (एसएलबीसी) सुरंग ढहने की घटना की जांच करें, जिसमें आठ श्रमिकों की मौत हुई थी। उन्होंने सुनकिसला परियोजना की रिटेनिंग वॉल गिरने, वट्टम परियोजना के पंप हाउस के डूबने और राज्य के विभिन्न हिस्सों में चेकडैम टूटने जैसे मामलों की भी जांच कराने की मांग की।

तलसानी ने कहा कि मेडिगड्डा बांध मामले में एनडीएसए ने तुरंत जांच की और तत्कालीन बीआरएस सरकार को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन अन्य घटनाओं में ऐसा कदम क्यों नहीं उठाया गया। पूर्व मंत्री ने कालेश्वरम परियोजना की जांच पर भी सवाल उठाए और कहा कि न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग की जांच में खामियां थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भाजपा ने राजनीतिक लाभ के लिए बीआरएस और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ गलत अभियान चलाया। उन्होंने यह भी कहा कि ठेका एजेंसियों ने बिना अतिरिक्त खर्च के मरम्मत की पेशकश की थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। तलसानी ने कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगाया कि वे सत्ता में आने के बाद गलत जानकारी फैला रहे हैं और शासन पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी दिल्ली में एनडीए नेताओं के साथ नजर आ रहे हैं, जबकि कांग्रेस के अन्य नेता चुप हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय राज्य के विकास और प्रशासन पर ध्यान देना चाहिए।

जादू-टोना के शक में मछुआरे की हत्या, चार पर केस

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले के बेज्जाला गांव में जादू-टोना करने के संदेह में 30 वर्षीय मछुआरे की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में गुरुवार को चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, मृतक राजम का शव गांव के बाहरी इलाके में गोदावरी नदी के पास एक नहर में संदिग्ध हालत में मिला। उसके शरीर पर चोट के निशान थे और आशंका है कि उसकी पीट-पीटकर हत्या की गई। पुलिस ने बताया कि हत्या के आरोप में राजम के चार रिश्तेदारों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को उससे पुरानी दुश्मनी थी। राजम मंदिर में पूजा करने के साथ-साथ मछली पकड़ने का काम करता था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.